सोशल मीडिया से जुड़ें
NewsTransportVishesh
Digital Edition

न्यूज ट्रांसपोर्ट विशेष

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

वर्ष : 1 अंक : 311, नई दिल्ली,सोमवार, 04, दिसंबर 2023 पेज : 8

NEWS NTV
TRANSPORT VISHESH
www.newstransportvishesh.com
सबसे तेज, सबसे पहले
आपको पहुंचाये
परिवहन क्षेत्र की सभी जानकारियां
09212122095
09811732095

शुभ संदेश

आप सिर्फ अच्छे काम करते रहिए, क्योंकि चाहे लोग तारीफ करें या ना करें, आधी से ज्यादा दुनिया सोती रहती है, तब भी सूरज निकलता है

संक्षिप्त खबरें

अज्ञात लोगों के खिलाफ दर्ज हुआ मुकदमा, बनाई गई जांच कमेटी

आगरा

मथुरा में वंदे भारत एक्सप्रेस पर पथराव किया गया। इस मामले में रेलवे ने अज्ञात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है।

वंदे भारत एक्सप्रेस पर मथुरा रेलखंड में पथराव पर रेलवे गंभीर है। रेलवे ने अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया है। इसकी जांच करने के लिए आरपीएफ के अधिकारी भी नियुक्त कर दिए हैं।

रेलवे वाणिज्य प्रबंधक प्रशस्ति श्रीवास्तव ने बताया कि मथुरा रेलखंड के भूतेश्वर रेलवे स्टेशन के पास अज्ञातों ने ट्रेन के ऊपर पत्थर फेंके थे। इसमें एक-दो खिड़की के शीशे चटक गए। राहत की बात रही कि इसमें किसी यात्री को कोई नुकसान नहीं पहुंचा। नियंत्रण कक्ष में इसकी सूचना आने के बाद मामले की जांच शुरू कर दी है।

अज्ञातों के खिलाफ मथुरा आरपीएफ ने मुकदमा दर्ज करा दिया है। मामले की जांच करने के लिए मथुरा आरपीएफ की टीम भी नामित कर दी है। पथराव करने वाले पकड़ में आने पर इनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। भोपाल के रानी कमलापति रेलवे स्टेशन से नई दिल्ली के बीच ट्रेन पर पथराव की करीब 30 घटनाएं सामने आई हैं। इसमें से आगरा परिक्षेत्र में एक भी मामला नहीं है।

हाईवे पर अराजक यातायात, पुलिस-प्रशासन लाचार; हर साल जान गवां रहे 500 लोग

आगरा

आगरा में हर साल सड़क हादसों में औसतन 500 लोग जान गवां रहे हैं। बात की जाए ते वाटर वर्क्स से सिकंदरा तक हाईवे पर सफर सुरक्षित नहीं है। इसके पीछे की बड़ी वजह हाईवे पर अराजक यातायात है।

आगरा में दिल्ली हाईवे पर यातायात अव्यवस्था सिकंदरा से वाटर वर्क्स तक दुर्घटनाओं का कारण है। परिवहन विभाग की ओर से जारी की गई सूची के अनुसार जिले में हर साल औसतन 537 लोग सड़क हादसों में जान गवां रहे हैं। पुलिस-प्रशासन लाचार है। हाईवे पर यातायात अराजक हो रहा है। रोकथाम के नाम पर बैठकों के दौर चल रहे हैं, लेकिन धरातल पर हकीकत नहीं बदल रही।

हाईवे पर छोटे वाहनों के लिए चलना सुरक्षित नहीं रहा। भगवान टॉकीज फ्लाइओवर के नीचे अबुल उलाह दरगाह तक सरकारी व निजी बसें डग्गेमारी के लिए खड़ी रहती हैं। लॉयर्स कॉलोनी कट, आईएसबीटी पर हाईवे किनारे बसें खड़ी रहती हैं। गुरुद्वारा गुरु का ताल के सामने दिनभर लोग जाम से जूझने को मजबूर हैं।

सिकंदरा चौराहा तक कोई कट नहीं। ऐसे में सैकड़ों वाहन उल्टी दिशा में दौड़ रहे हैं। अराजकता इस कदर है कि हाईवे पर दुपहिया व चार पहिया वाहन आए दिन हादसों का शिकार हो रहे हैं। यह स्थिति तब है जब पिछले तीन साल से हाईवे पर सुगम व सुरक्षित यातायात के लिए डीएम ने एनएचएआई, यातायात पुलिस व अन्य विभागों की कमेटी बनाई थी। कमेटी की सिफारिशें कागजों से बाहर नहीं आ सकीं।

नेशनल चैंबर ऑफ इंडस्ट्रीज एंड कॉमर्स अध्यक्ष राजेश गोयल ने गुरुद्वारा के सामने अंडरपास बनाने की मांग रखी थी लेकिन नतीजा शून्य रहा। पूर्व अध्यक्ष सीताराम अग्रवाल के अनुसार हर बार उद्योग बंधु की बैठक में मंडलायुक्त के समक्ष इस बिंदु को उठाया जाता है। एनएचएआई को अंडरपास बनाना था। जिसका प्रस्ताव अब मेट्रो से मांगा है।

सड़क निर्माण के लिए मंजूर राशि से 20 फीसदी ज्यादा बजट का टेंडर लगाया तो अदायगी नहीं

पत्र के अनुसार यह अनुमान लगाया जाता है कि निविदा की राशि अनुमानित राशि के लगभग होनी चाहिए। समय अधिक हो जाने या किसी विवाद या न्यायिक कारणों से अगर यह खर्च बढ़ जाता है तो इसे राज्य सरकार ही वहन करेगी।

शिमला

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजनाओं में लेटलतीफी के मामले में भारत सरकार ने कड़ा रुख अपना लिया है। मंजूर राशि से 20 फीसदी अधिक के बजट का टेंडर लगाया तो केंद्र सरकार इसकी अदायगी नहीं करेगी। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजनाओं में लेटलतीफी के मामले में भारत सरकार ने कड़ा रुख अपना लिया है। केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय ने दो टूक कहा है कि ऐसे में पीएमजीएसआई-तीन में निविदा राशि की एंट्री नहीं होगी। यही नहीं, राज्य सरकार को केंद्र सरकार को निश्चित प्रारूप पर यह भी बताना होगा कि हिमाचल प्रदेश में 20 फीसदी से अधिक यह अंतर क्यों बढ़ गया। केंद्रीय ग्रामीण मंत्रालय की राष्ट्रीय ग्रामीण अवसंरचना विकास एजेंसी (एनआरआईडीए) के महानिदेशक ने प्रधान सचिव लोक निर्माण को एक पत्र भेजा है। एनआरआईडीए से राज्य ने स्पष्टीकरण मांगा है कि स्वीकृत राशि से 20 फीसदी अधिक टेंडर की राशि बढ़ गई तो इसकी एंट्री ऑनलाइन केंद्रीय पोर्टल पर नहीं हो पा रही है।

पत्र के अनुसार यह अनुमान लगाया जाता है कि निविदा की राशि अनुमानित राशि के लगभग होनी चाहिए। समय अधिक हो जाने या किसी विवाद या न्यायिक कारणों से अगर यह खर्च बढ़ जाता है तो इसे राज्य सरकार ही वहन करेगी। अगर प्राप्त हुए टेंडर की राशि केंद्रीय मंत्रालय की ओर से स्पष्ट की हुई धनराशि से ज्यादा हुई तो इसे भी राज्य सरकार को ही वहन करना होगा। इसके लिए मंत्रालय ने एक निश्चित प्रारूप पर स्थिति स्पष्ट करने को कहा है। इसमें स्पष्ट करने को कहा है कि क्या निविदा की राशि मार्केट विश्लेषण के अनुसार तार्किक है कि नहीं। निविदा की राशि बढ़ जाने का कारण लिखने को कहा है। तकनीकी विशिष्टताओं को भी स्पष्ट करने को कहा गया है कि क्या ये मंजूर विस्तृत परियोजना रिपोर्ट के हिसाब से है या नहीं।

कड़ाके की ठंड में भी जारी हैं महायोजना मास्टर प्लान के कार्य, जायजा लेने पहुंचे डीएम

बदरीनाथ धाम में कड़ाके की ठंड के बावजूद महायोजना मास्टर प्लान के कार्य तेजी से चल रहे हैं। शनिवार को जिलाधिकारी हिमांशु खुराना ने बदरीनाथ धाम पहुंचकर निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया।

चमोली

बदरीनाथ धाम में कड़ाके की ठंड पड़ रही है, लेकिन इसके बावजूद यहां मास्टर प्लान के कार्य जारी हैं। हालांकि कपाट बंद होने के चलते यहां आवाजाही नहीं हैं, ऐसे में निर्माण कार्यों में कोई दिक्कत नहीं आ रही है।

बदरीनाथ धाम में कड़ाके की ठंड के बावजूद महायोजना मास्टर प्लान के कार्य तेजी से चल रहे हैं। शनिवार को जिलाधिकारी हिमांशु खुराना ने बदरीनाथ धाम पहुंचकर निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने कार्यदायी संस्था को निर्देश दिए कि निर्माण कार्यों में तेजी लाते हुए गुणवत्ता के साथ सभी कार्य समय पर पूरा करें। डीएम ने धाम में रिवर फ्रंट डेवलपमेंट, सिविक एमिनिटी सेंटर, मंदिर सौंदर्यीकरण, अराइवल प्लाजा, टीआईसीसी, आईएसबीटी, अस्पताल विस्तारीकण सहित अन्य कार्यों का भी स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि बदरीनाथ धाम के कपाट शीतकाल के लिए बंद हो चुके हैं। शाम होते ही धाम में ठंडी हवा चलनी शुरू हो जाती हैं, रात को पारा माइनस में पहुंच रहा है। धाम में कड़ाके की ठंड पड़ रही है, लेकिन इसके बावजूद यहां मास्टर प्लान के कार्य जारी हैं। हालांकि कपाट बंद होने के चलते यहां आवाजाही नहीं हैं, ऐसे में निर्माण कार्यों में कोई दिक्कत नहीं आ रही है।

इस दौरान अपर जिलाधिकारी डॉ. अभिषेक त्रिपाठी, पीआईयू के अधीक्षण अभियंता विपुल सैनी, सहायक अभियंता सनी पालीवाल, योगेश मनराल, जितेंद्र कुमार, कनिष्ठ अभियंता संतोष पंत, तहसीलदार रवि शाह, नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी सुनील पुरोहित सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

चिंता... 70 मीटर अंदर तक नहीं मिली चट्टान, भू-धंसाव को लेकर नीदरलैंड की कंपनी कर रही ड्रिलिंग सर्वे

भू-धंसाव प्रभावित जोशीमठ में भूमि के 70 मीटर अंदर तक ड्रिल करने के बाद भी हार्ड रॉक (कठोर चट्टान) नहीं मिली है। यह चिंता का विषय है।

चमोली

जोशीमठ के सिंहधार वार्ड, मनोहरबाग वार्ड, मारवाड़ी वार्ड सहित छह जगह पर जियो टेक्निकल ड्रिलिंग सर्वे किया जाना है। सर्वे के बाद कंपनी लोनिवि को रिपोर्ट सौंपेगी, जिसे शासन को भेजा जाएगा। जिसके बाद जोशीमठ के लिए योजना तैयार की जाएगी। भू-धंसाव प्रभावित जोशीमठ में भूमि के 70 मीटर अंदर तक ड्रिल करने के बाद भी हार्ड रॉक (कठोर चट्टान) नहीं मिली है। यह चिंता का विषय है। सर्वे के लिए 80 मीटर तक ही ड्रिल होनी है।दरअसल जोशीमठ के भू-धंसाव प्रभावित क्षेत्रों में लोक निर्माण विभाग नीदरलैंड की फुगरो कंपनी से जियो टेक्निकल ड्रिलिंग सर्वे करा रहा है। कंपनी की ओर से सुनील वार्ड में औली रोड पर 13 नवंबर से ड्रिलिंग शुरू की गई थी। शनिवार तक 70 मीटर तक ड्रिल करने के बाद भी यहां हार्ड रॉक नहीं मिली है। अभी जोशीमठ के सिंहधार वार्ड, मनोहरबाग वार्ड, मारवाड़ी वार्ड सहित छह जगह पर जियो टेक्निकल ड्रिलिंग सर्वे किया जाना है। सर्वे के बाद कंपनी लोनिवि को रिपोर्ट सौंपेगी, जिसे शासन को भेजा जाएगा। जिसके बाद जोशीमठ के लिए योजना तैयार की जाएगी।

अधूरी सुरंगों से चार गांवों में धंस रही जमीन, मकानों में पड़ रहीं दरारें... हर पल दरकने का खतरा

तीन दिन पहले सिलक्यारा सुरंग हादसे से उबरे उत्तरकाशी जनपद में आधा-अधूरी बनीं सुरंगें चार गांवों के लिए खतरा बनी हुई हैं। जमीन के नीचे से गुजरने वाली इन सुरंगों के कारण गांवों में जमीन धंस रही हैं।

देहरादून

सुरंगे लोहारी नाग पाला जल विद्युत परियोजना के लिए बनाई जा रही थी। जो कि वर्ष 2010 में पर्यावरण बनाम विकास के मुद्दे पर 60 प्रतिशत तक काम पूरा होने के बाद बंद कर दी गई। भटवाड़ी ब्लाक में आधी-अधूरी तीन से चार यह सुरंगे तिहार, कुज्जन, भंगेली व सुनगर गांवों के नीचे से गुजरती हैं।

तीन दिन पहले सिलक्यारा सुरंग हादसे से उबरे उत्तरकाशी जनपद में आधा-अधूरी बनीं सुरंगें चार गांवों के लिए खतरा बनी हुई हैं। जमीन के नीचे से गुजरने वाली इन सुरंगों के कारण गांवों में जमीन धंस रही हैं। जिसके चलते नए व पुराने हर मकान पर दरारें पड़ रही हैं। ग्रामीणों का कहना है कि उन्होंने इस समस्या को लेकर कई बार जिला प्रशासन से भूगर्भीय सर्वे कराने की मांग की, लेकिन इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। दरअसल यह सुरंगे लोहारी नाग पाला जल विद्युत परियोजना के लिए बनाई जा रही थी। जो कि वर्ष 2010 में पर्यावरण बनाम विकास के मुद्दे पर 60 प्रतिशत तक काम पूरा होने के बाद बंद कर दी गई। भटवाड़ी ब्लाक में आधी-अधूरी तीन से चार यह सुरंगे तिहार, कुज्जन, भंगेली व सुनगर गांवों के नीचे से गुजरती हैं।

भंगेली गांव के प्रधान प्रवीन प्रज्ञान का कहना है कि इन सुरंगों के कारण उनके गांवों में नए व पुराने हर मकान में दरारें पड़ रही हैं। जिनके हर पल दरकने का खतरा बना रहता है। बताया कि सुरंग निर्माण के दौरान जब ब्लास्ट किए जाते थे तो उनका पूरा गांव हिल जाता था। आज भी यह सुरंगे उनके लिए खतरे का सबब बनी हुई हैं। बताया कि वह कमरे में टाइलें भी लगाते हैं तो टाइलें भी फट जाती हैं।

600 मेगावाट की थी परियोजना

600 मेगावाट की लोहारीनाग पाला परियोजना का निर्माण एनटीपीसी ने वर्ष 2005 में शुरू हुआ था। लेकिन इसका निर्माण शुरू होने के साथ ही विवादों में आ गई थी। पर्यावरणविद् प्रो. जीडी अग्रवाल ने परियोजना निर्माण से पर्यावरण को खतरा बताते हुए इसका विरोध किया। जिसके चलते इसे वर्ष 2010 में बंद कर दिया गया। परियोजना के लिए आधी-अधूरी बनी सुरंगों को ऐसे ही छोड़ दिया गया।

बदरीनाथ हाईवे पर होगा राज्य का पहला सिग्नेचर ब्रिज, रात में रोशनी से होगा सराबोर, जानिए खासियत

देहरादून

ऋषिकेश-बदरीनाथ हाईवे पर नरकोटा गदेरे पर घुमावदार मोटर पुल का निर्माण हो रहा है। इसकी सुरक्षा के लिए दोनों तरफ के साथ ऊपरी की तरफ से सुरक्षा केबल रहेगी। इस सिग्नेचर पुल की बनावट ही इसका प्रमुख आकर्षण होगी। ऋषिकेश-बदरीनाथ हाईवे पर नरकोटा में उत्तराखंड राज्य का पहला घुमावदार पुल बनाया जा रहा है। ऑल वेदर रोड परियोजना के तहत 64 करोड़ की लागत से 110 मीटर लंबे पुल का निर्माण जोरों पर है। मई 2024 तक पुल से वाहनों के संचालन का लक्ष्य रखा गया है। ऑल वेदर रोड परियोजना के तहत ऋषिकेश-बदरीनाथ हाईवे पर नरकोटा गदेरे पर घुमावदार मोटर पुल का निर्माण हो रहा है। इसकी सुरक्षा के लिए दोनों तरफ के साथ ऊपरी की तरफ से सुरक्षा केबल रहेगी। इस सिग्नेचर पुल की बनावट ही इसका प्रमुख आकर्षण होगी। बताया जा रहा है कि रात के समय पुल को रोशनी से सराबोर किया जाएगा। 110 मीटर स्पान के इस पुल का निर्माण बीते 11 माह से चल रहा है जिसके दोनों पिलर का कार्य अंतिम चरण में है। जनवरी 2023 से शुरू किया गया कार्य

स्वीकृति से ही विवादों में रहा पुल

यह सिग्नेचर पुल शुरू से ही विवादों में रहा है। पुल का रुद्रप्रयाग नगर की तरफ वाले पिलर का कार्य तो शुरू हो गया था लेकिन श्रीनगर की तरफ वाले को

लेकर भूमि विवाद हुआ। यहां दो-दो बार पिलर के डिजायन को बदलना पड़ा। इसके बाद कार्य शुरू किया गया लेकिन शटरिंग ढहने से 20 जुलाई 2022 को दो मजदूरों की मौत हो गई थी। दिसंबर 2022 में पुनः मिट्टी की जांच कर डिजायन को बदला गया और जनवरी 2023 से कार्य शुरू किया गया।

बालू से भरा ट्रक डिवाइडर से टकराकर पलटा

हाथरस

हाथरस के कोतवाली चंदपा क्षेत्र में आगरा-अलीगढ़ राष्ट्रीय राजमार्ग के गांव बिसाना पर उरई से बालू भरा ट्रक अचानक सामने आ रही मैक्स पिकअप गाड़ी को बचाने के कारण अनियंत्रित होकर सड़क किनारे के डिवाइडर से टकराकर पलट गया। जिसमें ट्रक ड्राइवर और हेल्पर घायल हो गए।

हाथरस के चंदपा क्षेत्र में आगरा-अलीगढ़ राष्ट्रीय राजमार्ग के गांव बिसाना पर 3 दिसंबर की सुबह एक बालू से भरा ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया।

जिसमें ट्रक ड्राइवर सहित दो लोग चोटिल हो गए। मौके पर स्थानीय लोगों और राहगीरों की भीड़ लग गई।

कोतवाली चंदपा क्षेत्र में आगरा-अलीगढ़ राष्ट्रीय राजमार्ग के गांव बिसाना पर सुबह जनपद उरई से आ रहा बालू से भरा ट्रक अचानक सामने आ रही मैक्स पिकअप गाड़ी को बचाने के कारण अनियंत्रित होकर सड़क किनारे के डिवाइडर से टकराकर पलट गया। जिसमें फिरोजाबाद जनपद की सिरसागंज तहसील के गांव उखरेण निवासी ट्रक ड्राइवर देव कुमार और हेल्पर प्रताप सिंह घायल हो गए। ट्रक से बालू खाली कराकर ट्रक को क्रेन की मदद से सड़क से हटवाकर आवागमन सुचारू कराया गया।

मुश्किल सफर... इस माह मुरादाबाद-लखनऊ रूट पर छह ब्लॉक प्रस्तावित, ट्रेनों पर पड़ेगा असर

बरेली, लखनऊ मंडल में दिसंबर में लिए जाने वाले पहले ब्लॉक के दौरान बरेली से होकर गुजरने वाली नौ ट्रेनों पर असर पड़ेगा। दिसंबर से फरवरी तक रेल यात्रियों को कंफर्म टिकट और तय रूट से यात्रा के लिए जद्दोजहद करनी पड़ेगी। इस दौरान 56 जोड़ी ट्रेनें रद्द रहेंगी। मुरादाबाद-लखनऊ रूट पर छह स्थानों पर ट्रैक की मरम्मत होनी है। दिसंबर में ही इस रेल रूट पर छह ब्लॉक प्रस्तावित हैं। इस बीच लखनऊ मंडल के पटरंगा और रुदौली समेत तीन स्थानों पर इंटरलॉकिंग का काम शुरू हो गया है। लखनऊ मंडल में दिसंबर में लिए जाने वाले पहले ब्लॉक के दौरान बरेली से होकर गुजरने वाली नौ ट्रेनों का संचालन परिवर्तित मार्ग से किया जाएगा। इनमें से पांच ट्रेनों का संचालन तीन से आठ दिसंबर तक और अन्य ट्रेनों का संचालन अलग-अलग तारीखों में बदले रूट से किया जाएगा।

यात्रियों को सफर में धोखा दे रही रोडवेज, मुरादाबाद जोन की एक महीने में 41 बसें रास्ते में खराब...

मुरादाबाद

परिवहन विभाग के बसों की 100 प्रतिशत मरम्मत करने का दावा फेल हो रहा है। एक महीने के अंदर मुरादाबाद जोन की 41 बसें रास्ते में खराब हुई हैं। बसें डिपो से निकलकर 10 किलोमीटर भी नहीं चल पा रही हैं। यात्रियों को उनके गंतव्य स्थान पर पहुंचाने वाली मुरादाबाद जोन की बसें इन दिनों कहीं पर भी खराब हो जा रही हैं। जिस वजह से ठंड में यात्रियों का सफर करना मुश्किल हो गया है। एक महीने में जोन की 41 बसें रास्ते में खराब हुई हैं। इतना ही नहीं जोन की जो बसें चल रही हैं, अधिकतर में गंदगी फैली होती है। इस कारण यात्रियों को अधिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। परिवहन विभाग द्वारा बसों की 100 प्रतिशत मरम्मत करने का दावा फेल हो गया है। एक महीने के अंदर मुरादाबाद जोन की 41 बसें रास्ते में खराब हुई हैं। बसें डिपो से निकलकर 10 किलोमीटर भी नहीं चल पा रही हैं। कुछ बस अड्डे पर खराब हो जा रहीं, तो कुछ शहर भी नहीं पार कर पा रही हैं। जब कि अधिकारियों का कहना है कि बसें रोज चेक करने के बाद ही चलने के लिए भेजी जाती हैं। आए दिन बसों में स्टेयरिंग पाइप फटने, ब्रेकडाउन होने, पहिया जाम होने, करंट छोड़ देने, फैन बेल्ट खराब होने जैसी आदि समस्या आती है। बसें खराब होने पर चालक और परिचालक हाथ खड़ा कर देते हैं और

बसें

दूसरी बसों में यात्रियों को बैठा कर रवाना करते हैं। तमाम समस्याओं के बीच यात्रियों का सफर पूरा होता है। इस प्रकार के मामले हर दूसरे दिन आ रहे हैं। पिछले दो दिनों में दो बसें शहर में ही खराब हो गईं। परिवहन विभाग के अधिकारी अनजान बने रहे।

रास्ते में खराब हो रहीं ज्यादातर

रास्ते में सबसे अधिक बसें पीतलनगरी और मुरादाबाद डिपो की खराब हो रही हैं। एक महीने में पीतलनगरी की 10, मुरादाबाद की सात, रामपुर की छह, अमरोहा की पांच, चांदपुर की दो, बिजनौर की छह, नजीबाबाद की पांच बसें खराब हो गई है।

केस-1

29 नवंबर को दिल्ली जा रही मुरादाबाद डिपो की एक बस चौधरी चरण सिंह चौराहे पर ही खराब हो गई, इस वजह से यात्रियों को सड़क पर उतार दिया गया। यात्रियों को करीब 20 मिनट तक दूसरी बस का इंतजार करना पड़ा।

केस-2

28 नवंबर को पीली कोठी चौराहे के पास बिजनौर जाने वाली बस ने यात्रियों को धोखा दे दिया। अचानक बस बंद होने से यात्रियों को उतारकर दूसरी बस के जरिये भेजा गया।

केस-3

24 नवंबर को पीतल नगरी बस अड्डे पर संभल जाने वाली बस के खराब होने पर चालकों और परिचालकों ने धक्का लगाया, तब जाकर बस चालू हुई। चालकों-परिचालकों ने बताया कि कई दिनों से इसे धक्का लगाकर स्टार्ट किया जा रहा है।

ये बसें भी रास्ते में हुई खराब

दो नवंबर को 4038 चंदौसी में, पांच नवंबर को 8277 नूरपुर में, नौ नवंबर को 2019 महमूदपुर में, 10 नवंबर को 9086 बहजोई में, 11 नवंबर को 2144 हापुड़ में, 17 नवंबर को 1431 बिलासपुर में, 22 नवंबर को 8754 सहारनपुर, 25 नवंबर को 2733 रुद्रपुर में, 27 नवंबर को 2722 बुलंदशहर में खराब हो गई।

मेलजोल से होता है बच्चों का विकास, जानिए कैसे सिखाएं घुलना-मिलना

एनटीवी

कई बच्चे स्वभाव से शर्मीले होते हैं और बाहरी दुनिया से दूर रहते हैं। कई बच्चे मोबाइल, लैपटॉप को ही अपनी दुनिया समझते हैं और पड़ोसी का नाम भी नहीं जानते।

उन्हें लगता है कि वे मोबाइल के जरिये पूरी दुनिया के साथ सोशल हैं। माता-पिता के लिए यह एक चुनौती होती है, जब बच्चे दोस्त नहीं बना पाते या उन्हें सोशल होने में कठिनाई आती है।

पढ़ाई, खेल-कूद के साथ बच्चों को सोशल वैल्यू देना भी जरूरी है। अगर वे चुपचाप और अकेले रहते हैं तो उनका विकास रुक जाता है। मेल-जोल से उनका प्रोत्साहन बढ़ता है, हिम्मत खुलती है और नई चीजें जानने का मौका मिलता है। इसलिए बच्चों को यह समझना जरूरी है कि मोबाइल के बाहर भी एक दुनिया है, जो जिंदगी का महत्वपूर्ण हिस्सा है। आत्मसम्मान के लिए सामाजिक संबंध जरूरी हैं, लेकिन नए लोगों से घुलना-मिलना और बातचीत करना बच्चे के लिए काफी कठिन होता है। ऐसे में आप क्या करती हैं ?

आस-पास क्या चल रहा है

कई बच्चे पहले से ही सोशल होते हैं। उन्हें लोगों से मिलना अच्छा लगता है। कई बच्चे घर में रिश्तेदार आते ही कमरे में चले जाते हैं। ऐसे में माता-पिता उनको सामाजिक गतिविधियों में शामिल करें, जैसे कि उन्हें पानी का ग्लास लाने को कहें या बड़ों का अभिवादन करना सिखाएं, ताकि उन्हें पता रहे कि आस-पास क्या चल रहा है। सामाजिक होने से बच्चे खुद को खुलकर अभिव्यक्त कर पाते हैं, जिससे आस-पास के लोग भी उनसे हमेशा खुश रहते हैं।

नए लोगों से बातचीत

कई बच्चे माता-पिता या नजदीकी लोगों के अलावा किसी अन्य से ज्यादा खुलते नहीं हैं। ऐसे में वे अंतमुर्खी रह जाते हैं और बाहरी दुनिया से उनका जुड़ाव नहीं हो पाता। आज के समय में बच्चों को एक्टिव और इंटरेक्ट होना बेहद जरूरी है। इसलिए माता-पिता, बच्चों को बात करना सिखाएं। इससे उनका आत्मविश्वास बढ़ेगा और अकेलापन दूर होगा। बच्चों को दूसरे लोगों के साथ खुलने के लिए दोस्त बनाना सिखाएं। इसके लिए उन्हें सांस्कृतिक, एथलेटिक, धार्मिक और मनोरंजक गतिविधियों में शामिल होने को प्रेरित करें।

शेयरिंग-केयरिंग

बच्चों का मन कोरा होता है और सरल भी, मगर कई बच्चों का स्वभाव शेयरिंग-केयरिंग का नहीं होता। ऐसे में माता-पिता उन्हें दोस्तों के बीच शेयरिंग-केयरिंग करना सिखाएं। बुरे वक्त में दोस्तों की मदद करने से बच्चों में सहयोग, सद्भावना की भावना पनपेगी। बच्चों को दोस्ती की प्रेरक कहानियां सुनाएं।

सवाल करना

कई बच्चे जो सुनते हैं, चुपचाप उसे अंदर समा लेते हैं। लेकिन अगर वे सवाल नहीं करेंगे तो उनका विकास रुक जाएगा। इसलिए माता-पिता, बच्चों को सवाल करना सिखाएं। इससे उनके अंदर जिज्ञासा उत्पन्न होगी और वे नई चीजें जान पाएंगे, किसी भी प्रतियोगिता में भाग ले पाएंगे।

ताकत को पहचानें

हर बच्चे के अंदर एक खास गुण होता है। वही उसकी ताकत है। इसलिए बच्चों से जबरदस्ती कुछ भी न कराएं। उनकी प्रतिभा को समझकर, बच्चे की ताकत क्या है, उसे जानकर ही आगे बढ़ें। माता-पिता बच्चे के गुणों को पहचानें।

बच्चों के लिए रोल मॉडल

पहले खुद सोशल बनें। माता-पिता काम के अलावा भी वक्त निकालें, बच्चों के साथ बैठें और सोशल हों, ताकि बच्चे उन्हें देखकर ये सारे गुण सीख सकें।

फैमिली रिलेशनशिप काउंसलर सुनीता परसरामका के मुताबिक, बच्चों के सोशल न बन पाने के पीछे माता-पिता भी उतने ही जिम्मेदार होते हैं, जितने कि बच्चे, क्योंकि एकल परिवार में पेरेंट्स के पास ही बच्चों के लिए वक्त नहीं है।

वे खुद बच्चों के साथ सोशल नहीं हैं। दूसरी ओर, मोबाइल ने बच्चों को वर्चुअली तो सोशल बना दिया, लेकिन अपनों से दूर कर दिया। माता-पिता के लिए जरूरी है कि वे हफ्ते में एक दिन बच्चों के लिए निकालें, उन्हें बाहर की दुनिया से रूबरू कराएं। इससे उनके अंदर रिश्तों की समझ बढ़ेगी और वे सोशल बनेंगे।

क्या आप भी करते हैं खाने में ज्यादा हल्दी का इस्तेमाल, तो जानें क्या हैं इसके नुकसान

एनटीवी

हल्दी में विटामिन-सी आयरन कैल्शियम जैसे तमाम पोषक तत्व पाए जाते हैं। जो सेहत को कई तरीके से फायदा पहुंचाते हैं लेकिन अगर इसका इस्तेमाल अधिक मात्रा में किया जाए तो यह सेहत के लिए नुकसानदायक हो सकती है। जिन लोगों को किडनी स्टोन की समस्या है उनके लिए हल्दी का इस्तेमाल हानिकारक साबित हो सकता है।

क्या आप भी करते हैं खाने में ज्यादा हल्दी का इस्तेमाल, तो जानें क्या हैं इसके नुकसान

जरूरत से ज्यादा हल्दी खाने के नुकसान

हल्दी औषधीय गुणों से भरपूर होती है।
इसके इस्तेमाल से आप कई स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से बच सकते हैं।
जरूरत से ज्यादा हल्दी सेहत के लिए हानिकारक भी हो सकती है।
औषधीय गुणों से भरपूर हल्दी स्वास्थ्य संबंधी कई समस्याओं को दूर करने में कारगर मानी जाती है। यह शरीर के ऑक्सीडेटिव तनाव और सूजन को दूर करने का सबसे कारगर उपाय माना जाता है । गठिया जैसी पुरानी जोड़ों को दर्द को कम करने में भी हल्दी को उपयोगी माना जाता है।
हल्दी हर भारतीय किचन में आपको आसानी से मिल जाएगी। लगभग हर खान में हल्दी का इस्तेमाल किया जाता है, इसके अलावा हल्दी वाला दूध पीने के भी कई फायदे हैं। इसमें प्रोटीन, कैल्शियम, फाइबर, आयरन, कॉपर, जिंक जैसे तमाम पोषक तत्व पाए जाते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं खाने में जरूरत से ज्यादा हल्दी का इस्तेमाल करने के कई नुकसान भी हैं। आइए जानें-

पेट की समस्या

हल्दी पेट के लिए काफी नुकसानदायक भी मानी जाता है। अगर आप खाने में अधिक मात्रा में हल्दी का इस्तेमाल करते हैं, तो इससे पेट में दर्द और ऐंठन की समस्या हो सकती है।

किडनी स्टोन होने का खतरा

स्टोन के मरीजों के लिए हल्दी काफी हानिकारक होती है। इसमें मौजूद ऑक्सालेट गुर्दे की पथरी के विकास के खतरे को बढ़ा सकता है, इसलिए पथरी के मरीजों को हल्दी का सेवन कम से कम करना चाहिए या इस्तेमाल करने से पहले डॉक्टर की जरूर सलाह लें।

मतली और दस्त की समस्या

हल्दी में करक्यूमिन पाया जाता है। अगर आप अधिक मात्रा में हल्दी का सेवन करते हैं, तो इससे मतली और दस्त की समस्या से परेशान हो सकते हैं।

एलर्जी

कई बार हल्दी एलर्जी का कारण बन सकती है। इसमें मौजूद कुछ यौगिकों से एलर्जी हो सकती है। कुछ लोगों के स्किन पर हल्दी लगाने से चकत्ते, दाने, खुजली आदि

ऐसे किया मेकअप तो तारीफ करते हुए नहीं थकेंगे लोग

एनटीवी

शादी के लिए मेकअप कैसे करें महिलाएं जब भी किसी शादी-पार्टी में जाती हैं, तो वो एक ऐसा मेकअप चाहती हैं जो उनकी सुंदरता में चार चांद लगा दे।

इसके लिए वो कई अलग-अलग तरह के महंगे और बेहतरीन ब्यूटी प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करती हैं। पर कई बार उन्हें अपना ही मेकअप पसंद नहीं आता या कई महिलाएं तो इस उलझन में रहती हैं कि वो क्या मेकअप करें और कैसे करें जिससे लोग उनकी तारीफ करते हुए न थके।

ऐसे में अगर इस शादियों के सीजन में भी आपके साथ यही उलझन है, तो आप यहां कुछ मेकअप टिप्स के बारे में जान सकती हैं जिससे आपको एक परफेक्ट लुक मिल सकता है। तो चलिए जानते हैं इस बारे में। आप अगली स्लाइड्स में इस बारे में जान सकते हैं...

शादी के लिए मेकअप कैसे करें?

ये हैं मेकअप टिप्स

नंबर 1

शादी-पार्टी के लिए तैयार होने से पहले आपको फेसवॉश से अपना चेहरा धोना है, जिसके बाद आप मॉइस्चराइजर क्रीम लगा सकती हैं। इससे आपकी शुष्क त्वचा को निखार मिलता है। इसके बाद आपको अपने चेहरे पर प्राइमर लगाना है।
शादी के लिए मेकअप कैसे करें ?
प्राइमर लगाने के बाद आपको फाउंडेन लगाना है। फिर आपको कंसीलर लगाना है, जिससे आपके चेहरे के दाग-धब्बे छुपने में मदद मिल सकती है। इसके बाद आपको ब्लश करना है, जिससे आपको शानदार लुक मिलता है। साथ ही आंखों पर आप आईलाइनर लगा सकती हैं

नंबर 2

आप इस मेकअप के साथ जब लिपस्टिक लगाएं, तो ध्यान रखें कि शेड अपनी स्किन टोन के हिसाब से ही चुनें या अपनी ड्रेस की मैचिंग भी कर सकती हैं। इसके अलावा आप नेल पॉलिश मल्टी कलर में लगा सकती हैं।

शादी के लिए मेकअप कैसे करें?

नंबर 3

आप चूड़ियां पहन सकती हैं और गले में कोई हल्का नेकलेस पहन सकती हैं। वहीं, कान में गोल्ड के ईयररिंग्स कैरी कर सकती हैं। वहीं, अगर आपकी शादी अभी नहीं हुई है तो आप गले में एक गोल्ड चेन, हाथ में हल्की चूड़ियां और कान में फैंसी ईयररिंग्स पहन सकती हैं।

ध्यान केंद्रित करने में होती है दिक्कत, एक जगह नहीं लगता मन? कहीं इन पोषक तत्वों की कमी तो नहीं

एनटीवी

एकाग्रता में कमी की समस्या हम जिस तरह की दौड़ती-भागती दुनिया में जी रहे हैं, उसमें ज्यादातर लोगों के लिए ध्यान केंद्रित करने या किसी एक चीज पर लंबे समय तक एकाग्रता बनाए रखना कठिन होता जा रहा है। हालांकि ये काफी सामान्य दिक्कत है जो परिस्थितियों के साथ ठीक भी हो जाती है, पर अगर आपको अक्सर ये समस्या होती रहती है, काम में मन नहीं लगता है या एक चीज पर बहुत समय तक ध्यान नहीं बनाए रख पाते हैं तो सावधान हो जाने की जरूरत है। कहीं ये किसी स्वास्थ्य समस्या या फिर और कारण से तो नहीं है ?
स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, हमारे शरीर को बेहतर ढंग से कार्य करते रहने के लिए कई प्रकार के विटामिन्स और पोषक तत्वों की आवश्यकता होती है। एकाग्रता बनाए रखने सहित मस्तिष्क की कार्यात्मक क्षमता को ठीक रखने, सोचने-समझने की शक्ति बढ़ाने और मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए भी ये जरूरी हैं।

अध्ययनों में पाया गया है कि कुछ प्रकार के विटामिन्स की कमी आपके ध्यान केंद्रित करने और एकाग्रता बनाए रखने की क्षमता को कमजोर कर सकती है।

स्वस्थ आहार का करें सेवन

एकाग्रता के लिए जरूरी है बेहतर पोषण

अध्ययनकताओं ने पाया कि जिन लोगों के शरीर में कुछ प्रकार के विटामिन्स और पोषक तत्वों जैसे- विटामिन डी, विटामिन बी12, आयरन और ओमेगा-3 फैटी एसिड आदि की कमी होती है उनमें मस्तिष्क से संबंधित समस्याओं का जोखिम अधिक हो सकता है।
मैग्नीशियम, विटामिन-सी और कोलीन की गंभीर कमी के कारण ब्रेन फॉग जैसी समस्याओं का जोखिम भी बढ़ जाता है। सभी लोगों, विशेषकर बच्चों को पढ़ाई में ध्यान लगाने के लिए नियमित रूप से इन पोषक तत्वों से भरपूर खाद्य पदार्थ जरूर दिए जाने चाहिए।

ओमेगा-3 फैटी एसिड के लाभ

ओमेगा-3 फैटी एसिड को कई प्रकार के स्वास्थ्य लाभ के लिए आहार में शामिल करने की सलाह दी जाती रही है, विशेष रूप मस्तिष्क स्वास्थ्य में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। ये फैटी एसिड मस्तिष्क में कोशिका झिल्ली की संरचना में योगदान करते हैं और न्यूरोट्रांसमीटर फंक्शन को ठीक रखते हैं जिससे एकाग्रता और संज्ञानात्मक प्रदर्शन में सुधार होता है।

आहार में इसे जरूर शामिल किया जाना चाहिए।

विटामिन-बी के फायदे

बहुत जरूरी है विटामिन-बी वाली चीजें

संज्ञानात्मक कार्यों को ठीक रखने और मस्तिष्क की सेहत में सुधार करने के लिए विटामिन-बी कॉम्प्लेक्स भी बहुत आवश्यक माना जाता है। विटामिन बी1 (थियामिन), बी2 (राइबोफ्लेविन), बी3 (नियासिन), बी5 (पैंटोथेनिक एसिड), बी6 (पाइरिडोक्सिन), बी7 (बायोटिन), बी9 (फोलेट), और बी12 (कोबालामिन) जैसे तत्व मेटाबॉल्जिम और न्यूरोट्रांसमीटर को ठीक रखने के साथ मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर रखने में भी महत्वपूर्ण माने जाते हैं।

ब्रेन के लिए जरूरी है विटामिन-सी
इम्युनिटी के साथ मस्तिष्क कार्यों के लिए विटामिन-सी
विटामिन-सी को मुख्यरूप से इम्युनिटी सिस्टम के लिए बहुत आवश्यक माना जाता रहा है। अध्ययनों में पाया गया है कि विटामिन-सी मस्तिष्क कोशिकाओं को ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस से बचाने में मदद करती है।
यानी कि अगर आपको मस्तिष्क को स्वस्थ रखना है, एकाग्रता को ठीक रखनी है तो खट्टे फल, स्ट्रॉबेरी, नींबू-संतर और शिमला मिर्च को आहार में जरूर शामिल करें।
विटामिन-सी संपूर्ण स्वास्थ्य को ठीक रखने में आपके लिए जरूरी है।

दिल्ली में मणिपुरी परिवार से छेड़छाड़, युवक को पीटकर किया अधमरा, घटना की छानबीन शुरू

मणिपुर निवासी 30 वर्षीय युवक ने बताया कि वह परिवार के साथ सनलाइट कालोनी इलाके में रहता है। बृहस्पतिवार को उसके घर पर एक दोस्त आया हुआ था।

एनटीवी ,नई दिल्ली

आरोपियों ने न सिर्फ 30 वर्षीय युवक को पीट-पीटकर अधमरा कर दिया, बल्कि उसकी पत्नी और बहन पर अश्लील टिप्पणी करते हुए छेड़छाड़ की। दक्षिण-पूर्वी दिल्ली के सनलाइट कालोनी स्थित किलोकरी गांव में मणिपुरी परिवार के साथ मारपीट और बदसलूकी का मामला सामने आया है। आरोपियों ने न सिर्फ 30 वर्षीय युवक को पीट-पीटकर अधमरा कर दिया, बल्कि उसकी पत्नी और बहन पर अश्लील टिप्पणी करते हुए छेड़छाड़ की। इसके बाद फरार हो गए। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची तो पीड़ित को अस्पताल ले जाया जा चुका था। बाद में पुलिस ने पीड़ित के बयान पर मारपीट, बलवा करने और छेड़छाड़ की धाराओं में मामला दर्ज किया। हमलावर भी मणिपुर के ही रहने वाले बताए जा रहे हैं।

मणिपुर निवासी 30 वर्षीय युवक ने बताया कि वह परिवार के साथ सनलाइट कालोनी इलाके में रहता है। बृहस्पतिवार को उसके घर पर एक दोस्त आया हुआ था। रात करीब 11.30 बजे वह अपनी पत्नी व बहन के साथ दोस्त को छोड़ने जा रहा था। इस बीच रास्ते में उनको मणिपुर के ही रहने वाले तीन लोग मिले, इनमें एक महिला भी शामिल थी। तीनों में से एक युवक ने पीड़ित से कहा कि उसका मोबाइल फोन बैटरी डाउन होने की वजह से बंद हो गया है। यदि हो सके तो वह अपने मोबाइल से उनके लिए मुनिरका के लिए एक कैब बुक कर

दे।

पीड़ित ने कैब बुक कर दी। बाद में कैब बुक करने का अनुरोध करने वाला युवक चला गया। मौके पर महिला व युवक मौजूद थे। आरोप है कि महिला के साथ मौजूद युवक ने अचानक पीड़ित के साथ गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर आरोपी ने उसकी पत्नी व बहन के लिए अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल करने के अलावा उनके साथ शारीरिक छेड़छाड़ शुरू कर दी। विरोध करने पर पीड़ित को पीटना शुरू कर दिया।

फोन कर बाकी लोगों को बुलाया...

मारपीट के दौरान आरोपी ने कॉल कर अपने बाकी साथियों को बुला लिया। इन लोगों ने पीड़ित को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा। शोर-शराबा हुआ तो स्थानीय लोग बीच-बचाव कराने आ गए। किसी ने घटना का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। वीडियो में दिख रहा है कि आरोपी जमीन पर गिराकर पीड़ित को मार रहे हैं। बृहस्पतिवार रात करीब 2.30 बजे मामले की सूचना पुलिस को दी। पुलिस के मौके पर पहुंचने पर पीड़ित को ट्रामा सेंटर ले जाया जा चुका था। युवक को गंभीर चोटें आई हैं। बाद में पीड़ित ने शुक्रवार को थाने में आकर बयान दर्ज कराया। उसके आधार पर पुलिस मामला दर्ज कर जांच कर रही है।

कुकी-मैतेई विवाद की वजह से तो नहीं हुआ झगड़ा...

मामले की जांच कर रहे पुलिस अधिकारी ने बताया कि आरोपी और पीड़ित एक दूसरे को जानते नहीं है। अलबत्ता इतना जरूर है कि दोनों मणिपुर के हैं और अलग-अलग समुदाय से संबंध रखते हैं। पीड़ित ने भी मामले में खुलकर कोई आरोप नहीं लगाए हैं।

उसने पूरे मामले की जांच कराने की बात की है। दरअसल मणिपुर में कुकी और मैतेई समुदाय के बीच पिछले काफी समय से विवाद चल रहा है। अब दिल्ली में हुई वारदात इसी विवाद लेकर है या नहीं, इसकी पड़ताल की जा रही है। पुलिस वीडियो के आधार पर आरोपियों की पहचान का प्रयास कर रही है। फिलहाल पुलिस मामले में कुछ भी बोलने से बच रही है।

800 करोड़ से मॉडल बनेंगे शहरीकृत गांव, उपराज्यपाल ने जौंती गांव से शुरू की मुहिम

एनटीवी ,नई दिल्ली

दिल्ली के शहरीकृत गांव मॉडल बनेंगे। इन गांवों में 800 करोड़ से बुनियादी ढांचे का सुधार किया जाएगा। इसके लिए दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने शनिवार को दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) की वित्त पोषित दिल्ली ग्रामोदय अभियान को उत्तर-पश्चिमी दिल्ली के जौंती गांव में लॉन्च किया। इस अभियान में दिल्ली के सभी शहरीकृत गांव को अपग्रेड किया जाएगा। यहां पर रहने वाले लोगों को मुख्य शहर की तरह बेहतर सुविधाएं दी जाएंगी। बता दें कि दिल्ली में करीब 175 शहरीकृत गांव हैं। इस अभियान के बारे में अधिकारियों ने बताया कि यह केंद्र सरकार के आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय का प्रोजेक्ट है। इसके तहत डीडीए 800 करोड़ रुपये से अधिक के फंड से सभी गांव का विकास करेगा। गांव में बुनियादी ढांचे, आजीविका, वैज्ञानिक पशुधन प्रबंधन, स्वास्थ्य देखभाल, उचित भूमि उपयोग, जल प्रबंधन सहित अन्य के लिए काम किया जाएगा। इससे इन गांव में रहने वाले लोगों के आजीविका में गुणात्मक सुधार होगा। अभी तक यह गांव उपेक्षित थे। इस अभियान के तहत जौंती गांव के सात एकड़ भूखंड पर दिल्ली का पहला चरागाह बनेगा। शनिवार को इस चरागाह बनाने की शुरूआत एलजी ने की। इस चरागाह की मदद से जौंती और आसपास के गांवों के करीब चार हजार पशुओं को चारा मिलेगा। साथ ही आसपास के इलाकों से अतिक्रमण हटेगा व हरियाली बढ़ेगी। इस चारागाह से सटे एक जल निकाय को भी विकसित किया जा रहा है। अगले एक सप्ताह में इसे पूरी तरह से साफ किया जाएगा। साथ ही इसे खोदकर इसकी गहराई बढ़ाई जाएगी। इसे पुनर्जीवित किया जाएगा। इसकी मदद से वर्षा जल संचयन कर भूजल स्तर को सुधारा जाएगा। शनिवार को एलजी ने चारागाह भूमि पर मोरिंगा के पौधे तथा नेपियर घास भी लगाया।

लावारिस पशुओं की समस्या होगी दूर

एलजी वीके सक्सेना ने कहा कि दिल्ली में पहली बार कोई चरागाह बनाकर प्रयोग किया जा रहा है। इसकी मदद से सड़कों पर घूमने वाले लावारिस मवेशियों की समस्या दूर होगी। साथ ही इन पशुओं को पर्याप्त भरण-पोषण मिलेगा। इन्हें कूड़े का ढेर खाने की जरूरत नहीं होगी। साथ ही इनके कुपोषण व दुर्घटनाओं को दूर कर मवेशियों की जिंदगी में सुधार लाया जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

सड़क किनारे रुकी थी दिल्ली से पूर्वी चंपारण जाने वाली बस, चोरी करते रंगे हाथों पकड़ा गया युवक; जमकर हुई धुनाई फिर...

गोपालगंज में दिल्ली से पूर्वी चंपारण जा रही बस में घुसकर सामान की चोरी करते युवक को लोगों ने पकड़कर खूब पीटा। युवक की पिटाई की सूचना मिलने के बाद नगर थाना की पुलिस मौके पर पहुंची। इसके बाद आरोपित युवक को गिरफ्तार कर थाने लेकर चली गई। आरोपित युवक की पहचान शहर के जादोपुर रोड निवासी रंजित कुमार के रूप में हुई है। सूचना के बाद पुलिस ने किया आरोपित को गिरफ्तार

गोपालगंज। बिहार के गोपालगंज शहर के हजियापुर मोड़ के समीप रविवार को एनएच 27 के किनारे खड़ी एक ट्रक में घुसकर सामान की चोरी करते एक युवक को लोगों ने पकड़ लिया। इसके बाद उसकी जमकर पिटाई कर दी।

युवक की पिटाई की सूचना मिलने के बाद नगर थाना की पुलिस मौके पर पहुंची। इसके बाद आरोपित युवक को गिरफ्तार कर थाने लेकर चली गई।

एनएच 27 के किनारे खड़ी थी बस

जानकारी के अनुसार, दिल्ली से पूर्वी चंपारण जाने वाली एक बस के चालक ने रविवार की सुबह यात्रियों के कहने पर अपनी बस को शहर के हजियापुर मोड़ पर एनएच 27 के किनारे खड़ी कर दी। इस दौरान, बस के यात्री चाय नाश्ता करने के लिए चले गए।

बस के अंदर घुसकर चोरी

इस बीच, एक युवक बस में अंदर घुसकर चोरी की घटना को अंजाम देने लगे। इस दौरान बस में घुसकर सामान की चोरी करते युवक पर यात्रियों की नजर पड़ गई। इस दौरान बस के यात्रियों ने युवक को पकड़ कर उसकी जमकर पिटाई कर दी।

आरोपित युवक की पहचान शहर के जादोपुर रोड निवासी रंजित कुमार के रूप में हुई है। वहीं, बस चालक ने आरोपित युवक के खिलाफ प्राथमिकी करने के लिए पुलिस को आवेदन भी दिया है। अब पुलिस आरोपित युवक से पूछताछ करने के बाद उसे कोर्ट में पेशी के लिए भेजने की तैयारी कर रही है।

अब देश में कचरे का भी होगा स्मार्ट प्रबंधन, एनर्जी के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता के साथ-साथ मिलेगा करोड़ों लोगों को रोजगार

नई दिल्ली। अभी आप जिसे कचरा समझकर कूड़ेदान में फेंक रहे हैं, वही आपके लिए आय का साधन भी बन सकता है। बस इसके लिए जरूरी है कूड़े की कीमत की पहचान करना और इसे सर्कुलर इकोनॉमी का हिस्सा बनाना। इससे न सिर्फ देश का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) बढ़ेगा बल्कि कचरे बीनने वाले लगभग ढाई करोड़ लोगों को नया रोजगार भी मिल सकेगा। साथ ही पर्यावरण संरक्षण में भी सहायता मिलेगी। कन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री (सीआईआई) ने नेशनल सर्कुलर इकोनॉमी फ्रेमवर्क तैयार किया है। 144 पेज का यह ड्राफ्ट तीन दिन पहले ही केंद्रीय शहरी आवास एवं विकास मंत्री हरदीप सिंह पुरी और केंद्रीय पर्यावरण राज्यमंत्री अश्विनी चौबे को सौंपा गया है। संभावना जताई जा रही है कि केंद्र मंत्रालय से इस पर सकारात्मक रुख मिल सकता है। यदि ऐसा हुआ तो केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) भी जल्द ही इस पर संज्ञान ले सकता है।

पुलिस ने मुठभेड़ में पकड़े दो बदमाश, एक निकला नाबालिग

एनटीवी ,नई दिल्ली

दिल्ली के वेलकम में एक स्क्रैप कारोबारी से रंगदारी और उनके घर पर गोलीबारी करने वाले दो बदमाशों को मुठभेड़ के बाद पकड़ा है। जांच में पता चला कि स्कूटी से आए दो बदमाशों ने कारोबारी अबरार अहमद के घर पर तीन गोली चलाकर भागे हैं। उत्तरी पूर्वी जिला पुलिस ने वेलकम में एक स्क्रैप कारोबारी से रंगदारी और उनके घर पर गोलीबारी करने वाले दो बदमाशों को मुठभेड़ के बाद पकड़ा है। मुठभेड़ में एक बदमाश के पैर में गोली लगी है। पकड़ा गया एक बदमाश नाबालिग है। घायल बदमाश गैंगस्टर हासिम बाबा का करीबी है। पकड़े गए बदमाश की पहचान हर्ष विहार निवासी अक्की के रूप में हुई है, वहीं दूसरे बदमाश की उम्र 16 साल है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि 27 नवंबर की रात एक बज पुलिस को वेलकम के एक स्क्रैप कारोबारी के घर पर गोलीबारी की सूचना मिली थी। जांच में पता चला कि स्कूटी से आए दो बदमाशों ने कारोबारी अबरार अहमद के घर पर तीन गोली चलाकर भागे हैं। पुलिस को मौके से तीन खोखे मिले। कारोबारी ने बताया कि उनके मोबाइल पर फोन कर बदमाशों ने 50 लाख की रंगदारी मांगी थी और खुद को हासिम बाबा गैंग का बदमाश बताया था। जिले की स्पेशल स्टाफ की टीम ने निरीक्षक राहुल अधिकारी के नेतृत्व में जांच शुरू की। दो नवंबर की देर रात 3.20 बजे पुलिस ने तीसरे पुस्ते पर गश्त के दौरान स्कूटी से जा रहे दो युवकों को रोकने का प्रयास किया। दोनों बदमाश स्कूटी छोड़कर भागने लगे। एक बदमाश ने पुलिस टीम गोली चला दी। जवाबी कार्रवाई में एक बदमाश के पैर में गोली लगी। दोनों बदमाश अंधेरे में भाग गए। कुछ देर की तलाशी के बाद पुलिस ने दोनों बदमाशों को पकड़ लिया। अक्की के पैर में गोली लगी थी, जिसे पुलिस ने तुरंत जग प्रवेश अस्पताल में भर्ती करवाया। बदमाशों के पास से पुलिस को दो पिस्टल मिली है। पूछताछ में बदमाशों ने कारोबारी के घर पर गोलीबारी करने की बात कबूल की है। 50 लाख की रंगदारी मांगने और कारोबारी को डराने के लिए गोलीबारी की थी। पुलिस ने बताया कि अक्की पर हत्या का प्रयास, वसूली और जुआ अधिनियम सहित कई मामले दर्ज है। वहीं मौजपुर का रहने वाला नाबालिग का यह पहला अपराध है। वह 12 वीं तक पढ़ा है। पुलिस बदमाशों से पूछताछ कर रही है।

कीरू हाइड्रो पावर में भ्रष्टाचार... दिल्ली समेत चार शहरों में उइकके छापे, सत्यपाल मलिक ने उठाई थी आवाज

सत्यपाल मलिक ने दो परियोजनाओं को मंजूरी के एवज में 300 करोड़ रुपये की रिश्वत की पेशकश की शिकायत की थी।

एनटीवी ,नई दिल्ली

परियोजना के लोक निर्माण कार्य के लिए 2,200 करोड़ रुपये का ठेका दिया गया था, जिसके खिलाफ राज्य के तत्कालीन राज्यपाल सत्यपाल मलिक ने आवाज उठाई थी। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने जम्मू-कश्मीर की कीरू जल विद्युत परियोजना में रिश्वतखोरी के मामले में चार शहरों में छह ठिकानों पर छापे मारे। परियोजना के लोक निर्माण कार्य के लिए 2,200 करोड़ रुपये का ठेका दिया गया था, जिसके खिलाफ राज्य के तत्कालीन राज्यपाल सत्यपाल मलिक ने आवाज उठाई थी। सत्यपाल मलिक ने दो परियोजनाओं को मंजूरी के एवज में 300 करोड़ रुपये की रिश्वत की पेशकश की शिकायत की थी। मामले में दो निजी व्यक्ति कंवलजीत सिंह दुग्गल और डीपी सिंह जांच के घेरे में हैं। अधिकारियों ने बताया कि आईटी सॉल्यूशंस प्राइवेट लि. के कंवलजीत और डीपी के तीन ठिकानों के अलावा कंपनी के दिल्ली, शिमला, नोएडा व चंडीगढ़ स्थित ठिकानों पर छापे मारे गए। इस मामले में सीबीआई ने पिछले वर्ष 21 अप्रैल, 6 जुलाई और इस वर्ष 17 मई को भी तलाशी ली थी। मलिक ने आरोप लगाया था कि एक फाइल में आरएसएस के एक बड़े कार्यकर्ता की दिलचस्पी थी। सीबीआई जांच में कीरू परियोजना में घोटाले का पदार्फाश हुआ। एजेंसी मलिक से बतौर गवाह पूछताछ कर चुकी है। इस मामले में चिनाब वैली पावर प्रोजेक्ट प्रा. लि. के पूर्व अध्यक्ष नवीन कुमार चौधरी, पूर्व अधिकारी एमएस बाबू, एमके मित्तल, अरुण कुमार मिश्रा और पटेल इंजीनियरिंग लि. के खिलाफ पहले ही केस दर्ज है। छापे में अहम कागजात मिले

अधिकारी ने बताया कि छापे में कई अहम कागजात और कई लोगों की संलिप्तता के सुराग मिले हैं। सूत्रों ने बताया कि परियोजना के अधिकारी और कुछ निजी कंपनियों की सांठगांठ से नियमों को ताक पर रखकर इसका टेंडर पटेल इंजीनियरिंग कंपनी को दिया गया। पटेल इंजीनियरिंग इस मामले में मुख्य आरोपी है।

दिल्ली में जहरीला पदार्थ खाने से युवक और युवती की मौत, अब मोबाइल खोलेगा हर राज

एनटीवी ,नई दिल्ली

पुलिस को इनके पास से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। इनकी मौत का एक-दूसरे से कोई संबंध है या नहीं इसकी पड़ताल की जा रही है। हालांकि एरिया में चचाएं हैं कि दोनों एक दूसरे को जानते थे और दोनों ने एक साथ जान दी।

पूर्वी दिल्ली के गाजीपुर स्थित घड़ौली गांव और न्यू अशोक नगर की सपेरा बस्ती में युवती व युवक की जहरीला पदार्थ खाने से मौत हो गई। मृतकों की शिनाख्त किरण (22) और हेमराज (27) के रूप में हुई है। दोनों एक ही तरह का जहरीला पदार्थ खाकर अपने-अपने घर पहुंचे थे। परिजन इनको अस्पताल लेकर पहुंचे।

इलाज के दौरान दोनों ने दम तोड़ दिया। पुलिस को इनके पास से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। इनकी मौत का एक-दूसरे से कोई संबंध है या नहीं इसकी पड़ताल की जा रही है। हालांकि एरिया में चचाएं हैं कि दोनों एक दूसरे को जानते थे और दोनों ने एक साथ जान दी। दोनों एक दूसरे से परिचित थे या नहीं और दोनों ने ऐसा कदम क्यो उठाया इसका पता लगाया जा रहा है। पुलिस टेक्निकल सर्विलांस की मदद से इसकी पड़ताल कर रही है। दोनों की मोबाइल कॉल डिटेल भी खंगाली जा रही है। हालांकि वरिष्ठ पुलिस अधिकारी दोनों की मौत से कोई संबंध होने की बात से फिलहाल इनकार रहे हैं। मृतक हेमराज शादीशुदा था जबकि किरण अविवाहित 5थी। पुलिस इनके परिजनों से भी पूछताछ कर रही है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि किरण अपने परिवार के साथ घड़ौली गांव में रहती थी। इसके परिवार में माता-पिता व अन्य सदस्य हैं। वह लक्ष्मी नगर की एक कंपनी में नौकरी करती थी। शुक्रवार को अपने घर पहुंची तो उसकी तबीयत खराब थी। उसे उल्टियां हो रही थीं। परिवार उसे लेकर अस्पताल पहुंचे तो वहां उसकी मौत हो गई।

वहीं हेमराज परिवार के साथ न्यू अशोक नगर की सपेरा बस्ती में रहता था। इसके परिवार में पत्नी और दो बच्चे हैं।

वह भी प्राइवेट नौकरी करता था। शुक्रवार को वह घर पहुंचा तो उसने भी कोई जहरीला पदार्थ खाया हुआ था। परिवार उसे भी लेकर अस्पताल पहुंचा। वहां उसकी भी मौत हो गई। दोनों ही मामलों की पुलिस को अस्पताल से सूचना मिली। पुलिस ने शनिवार को पोस्टमार्टम के बाद दोनों के शव परिवार के हवाले कर दिए हैं। इनके विसरा को सुरक्षित रखवा दिया गया है। विसरा परीक्षण से पता चलेगा कि दोनों की मौत किस जहरीला पदार्थ खाने से हुई। दोनों एक-दूसरे को जानते थे या नहीं इसकी भी पड़ताल की जा रही है। पुलिस इनके परिवार से पूछताछ कर रही है।

नाबालिग समेत दो लोगों को पुलिस ने पकड़ा, स्क्रैप व्यापारी से वसूली का प्रयास; घर के बाहर गोलीबारी का आरोप

नई दिल्ली। वेलकम इलाके में जबरन वसूली के प्रयास करने और स्क्रैप डीलर के घर के बाहर गोलीबारी करने के आरोप में पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। साथ ही एक नाबालिग भी पकड़ा है। पुलिस ने बताया कि आरोपियों को मेट्रो यार्ड के पास यमुना खादर से पकड़ा है। 28 नवंबर को शिकायत मिली कि स्कूटर सवार दो हमलावरों ने अबरार अहमद(45) के घर के बाहर फायरिंग कर दी।

पूर्वोत्तर दिल्ली के वेलकम इलाके में जबरन वसूली के प्रयास करने और स्क्रैप डीलर के घर के बाहर गोलीबारी करने के आरोप में पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। साथ ही एक नाबालिग को भी पकड़ा है। पुलिस ने बताया कि आरोपियों को मेट्रो यार्ड के पास यमुना खादर से पकड़ा है।

28 नवंबर को शिकायत मिली कि स्कूटर सवार दो हमलावरों ने अबरार अहमद(45) के घर के बाहर फायरिंग कर दी। पुलिस उपायुक्त (उत्तरपूर्व) जॉय टिर्की ने कहा कि घटना में कोई घायल नहीं हुआ और घटनास्थल से गोलियों के तीन खोल बरामद किए गए।

पार्टी मुख्यालय में कार्यकर्ताओं ने मनाई दिवाली, एक-दूसरे को खिलाई मिठाई

एनटीवी ,नई दिल्ली

मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान के चुनाव परिणाम में भाजपा ने बाजी मार ली है। जिसके बाद दिल्ली में भाजपा कार्यालय पर जीत का जश्न शुरू हो गया है। दिल्ली के नॉर्थ एवेन्यू में भाजपा की जीत के बाद भाजपा युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने जश्न मनाया। भाजपा की जीत के बाद कार्यकर्ता पार्टी कार्यालय पहुंचे। जहां भाजपा युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने इस जीत का जमकर जश्न मनाया। सड़क किनारे पार्टी का झंडा हाथ में लेकर कार्यकर्ताओं ने जश्न मनाया। दिल्ली के भाजपा मुख्यालय पर जीत के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को कट आउट के साथ भाजपा के कार्यकर्ताओं ने जश्न मनाया। पार्टी कार्यकर्ता भाजपा कार्यालय पर जीत का जश्न मना रहे हैं। कार्यालय के गेट पर खड़े होकर कार्यकर्ताओं ने पीएम मोदी के कट आउट और पार्टी झंडे के साथ मिठाई भी बांटी।

चार राज्यों के विधानसभा चुनावों की मतगणना जारी है। अब तक रुझानों के मुताबिक, मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) जबकि तेलंगाना में कांग्रेस आगे चल रही है। मध्य प्रदेश की 230 सदस्यीय विधानसभा में भाजपा 161 से ज्यादा सीट पर बढ़त के साथ सत्ता की ओर बढ़ती दिख रही है, जबकि कांग्रेस 66 से ज्यादा सीट पर आगे है।

सैनिक फार्म के जंगल में दिखा तेंदुआ, पकड़ने में जुटा वन विभाग; दहशत के बीच रात भर चली गश्त

वन विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने आशंका जताई कि नए रास्ते की तलाश में तेंदुआ नजदीकी असोला भाटी वन्य अभयारण्य से बाहर निकला होगा।

एनटीवी ,नई दिल्ली

वन विभाग की टीम ने इसे पकड़े के लिए जंगल में जाल लगाए हैं। असोला भाटी वन्यजीव अभयारण्य के अधिकारी सुबोध कुमार ने बताया कि हमें शिकायत मिली थी कि रात में यहां एक तेंदुआ देखा गया है। दक्षिणी दिल्ली स्थित सैनिक फॉर्म इलाके में शनिवार सुबह तेंदुआ दिखने से दहशत फैल गई है। वन विभाग व पुलिस मौके पर पहुंचकर तेंदुए के रेस्क्यू ऑपरेशन में जुटी है। देर रात तक कामयाबी नहीं मिल सकी थी। इसके लिए चार टीमें काम कर रही हैं। शाम को तलाश में जुटी वन विभाग की एक टीम को चकमा देते हुए निकल गया। इस दौरान पकड़ने की कोशिश में एक कर्मचारी और स्थानीय निवासी को मामूली चोटें भी आई है। इसका एक सीसीटीवी फुटेज भी वायरल है। इसके बाद स्थानीय पुलिस ने इलाके में लाउडस्पीकर से मुनादी कर लोगों से घरों में रहने की अपील की। खौफजदा लोगों ने खुद को घरों में कैद कर लिया है। तेंदुए को पकड़ने के लिए वन विभाग की टीम रात में गश्त कर रही है। वन विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने आशंका जताई कि नए रास्ते की तलाश में तेंदुआ नजदीकी असोला भाटी वन्य अभयारण्य से बाहर निकला होगा। इसके पंजों के निशान भी देखे गए हैं। वहीं, सीसीटीवी फुटेज आई है। अधिकारियों का कहना है कि अंधेरे में तेंदुआ जंगल में वापस जा सकता है। वन कर्मचारी और अधिकारी गश्त में हैं। तेंदुए को पकड़ने के लिए शनिवार सुबह से ही वन विभाग की दो टीमें जंगल एरिया और दो टीमें बाहर पूरी तरह से मुस्तैद हैं। इसमें तेंदुए को पकड़ने के लिए दो बड़े लोहे के जाल लगाए गए हैं। तेंदुए का वजन अस्सी से नब्बे किलो बताया जा रहा है।

40 कर्मचारियों की टीम पकड़ने में जुटी

वन विभाग असोला भाटी वाइल्ड लाइफ सेंचुरी के बीट अधिकारी सुबोध कुमार ने बताया विभाग को सूचना मिली थी कि रात में सैनिक फार्म इलाके में तेंदुआ देखा गया है। ऐसे में शनिवार सुबह करीब नौ बजे पुलिस थाने पहुंचे, जहां से यह सूचना पुख्ता हो गई थी। इसके बाद पुलिस के साथ दो टीमें जंगल के इलाके में पहुंची। वहां एक फार्म हाऊस के करीब इस तेंदुए को देख उसे पकड़ने का प्रयास किया गया, लेकिन तब वह मौका देख वहां से भाग निकला।

उन्होंने बताया कि लगभग 40 कर्मचारियों की चार टीमें इस तेंदुए को पकड़ने के प्रयास में लगी हैं। जहां पर यह रेसक्यू ऑपरेशन चल रहा है, वहां पुलिस भी मौजूद है, जो लोगों को वहां जुटने नहीं दे रही है। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा है कि वे घबराए नहीं और न ही दहशत में आएं। लाखों लोग रहते हैं आसपास के इलाकों में सैनिक फार्म इलाके के पास नेब सराय और खानपुर जैसे घनी आबादी वाले इलाकों में लाखों की संख्या में लोग रहते हैं। ऐसे में यहां लोगों में खौफ अधिक है। लोगों ने अपने आपको घरों में बंद कर लिया है। यही नहीं जैसे ही इंटरनेट में यह खबर फैली तो सोशल मीडिया के जरिये लोग अपने दोस्तों के साथ आस पड़ोस के लोगों व रिश्तेदारों को तेंदुए का वीडियो साझा करने लगे। खास कर बच्चों व महिलाओं में तेंदुए का अधिक खौफ है। वन विभाग व पुलिस लोगों को लाउड स्पीकर से अपील कर रही है लोग घरों से न निकले।

संक्षिप्त खबरें

जेल से बदमाश ने कारोबारी को दी जान से मारने की धमकी

लोनी। गिरी मार्केट कॉलोनी स्थित होटल संचालक सलाम से जेल में बंद बदमाश ने कॉल कर जान से मारने की धमकी दी है। होटल संचालक ने आरोपी के खिलाफ पुलिस की तहरीर देकर मुकदमा दर्ज कराया है। पूर्व में बदमाश पवन उर्फ कल्लू ने रंगदारी नहीं मिलने पर होटल पर फायरिंग की थी। होटल संचालक अब्दुल सलाम ने बताया कि उनके फोन पर एक कॉल आई। कॉल करने वाले आरोपी ने अपने आप को पवन ऊर्फ कल्लू बताया है। पवन ने उन्हें अंजाम भुगतने की बात कहते हुए जान से मारने की धमकी दी है। इसके बाद उन्होंने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। बता दें कि सलाम होटल संचालक से फोन कर बदमाश पवन उर्फ कल्लू ने 20 लाख रुपये की रंगदारी मांगी थी। संचालक ने रंगदारी नहीं देने पर जान से मारने की धमकी दी थी। बदमाश ने होटल पर फायरिंग भी की थी। पुलिस की मौजूदगी में आरोपी होटल संचालक से रकम लेने भी आया था, जिसको पुलिस गिरफ्तार नहीं कर सकी थी। करीब एक वर्ष पूर्व बदमाश पवन को दिल्ली पुलिस ने गिरफ्तार किया था। पवन ने संपत्ति विवाद में अपने दो चाचा की लोनी के चिरोड़ी और सिरोली गांव में गोली मारकर हत्या की थी। पवन इस समय दिल्ली की जेल में बंद है।

श्री कृष्ण जन्मभूमि ट्रस्ट के केंद्रीय मंत्री को जान से मारने की धमकी

गाजियाबाद। श्री कृष्ण जन्मभूमि बनाम शाही मस्जिद ईदगाह मथुरा प्रकरण हाईकोर्ट में चल रहा है। इस मामले के वादी पंडित सत्यम शर्मा को पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) से जान से मारने की धमकी मिलने का मामला सामने आया है। आरोप है कि शनिवार सुबह जब वह अपने कार्यालय पहुंचे तो उन्हें उनके नाम से एक चिट्ठी मिली, जिसमें उन्हें मामले में पैरवी करने पर जान से मारने की बात लिखी थी। उन्होंने नगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया है। पटेलनगर निवासी सत्यम शर्मा श्री कृष्ण जन्मभूमि ट्रस्ट में केंद्रीय मंत्री है। उन्होंने बताया कि उनका शंभूदयाल कांप्लेक्स में कार्यालय है। शनिवार सुबह करीब साढ़े 10 बजे जैसे ही उन्होंने कार्यालय खोला तो अंदर एक चिट्ठी मिली। आरोप है कि उनके नाम से आई इस चिट्ठी में पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) ने उन्हें इस केस की पैरवी करने पर जान से मारने की धमकी दी गई है। उन्होंने बताया कि ट्रस्ट की ओर से करीब ढाई साल पहले श्री कृष्ण जन्मभूमि की जमीन विवादित शाही मस्जिद ईदगाह से खाली कराई जाने के लिए सिविल कोर्ट मथुरा में मुकदमा दायर किया था। इसके बाद यह मामला हाईकोर्ट चला गया। हाईकोर्ट ने उन्हें चार दिसंबर को उपस्थित होने के लिए कहा है। इसकी जानकारी उन्हें कोर्ट से आए नोटिस से मिली है। एसीपी कोतवाली निमिष पाटिल ने बताया कि मामले में जांच की जा रही है। जांच के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

महंगी खेल सामग्री और बढ़ती फीस के आगे घुटने टेक रहा हुनर

नोएडा। बैडमिंटन कोचिंग के लिए अधिक फीस और इस्तेमाल होने वाली खेल सामग्री महंगी होने के कारण हुनर अब घुटने टेक रहा है। कई अभिभावक अकादमियों की लाखों रुपये की फीस का भार देख, कदम पीछे खींच रहे हैं। एसोसिएशन के अनुसार जिले में छोटी बड़ी कुल 100 बैडमिंटन अकादमियां हैं। इनमें से 25 बड़ी तो 75 छोटी हैं।

सरकारी अस्पताल में 3 घंटे तड़पता रहा घायल, नहीं मिला उपचार

- उनके भाई रवि ने बताया कि वह एमएमजी पहुंचे तो केस इमरजेंसी का बताया गया। पर्चा बनवाकर वे इमरजेंसी पहुंच गए।

एनटीवी

संयुक्त में चिकित्सक ने देखते ही रेफर कर दिया। एमएमजी नें तीन घंटे तक वह इमरजेंसी के बाहर स्ट्रेचर पर लेटे तड़पते रहे, लेकिन कोई चिकित्सक देखने तक नहीं आया। हालत बिगड़ती देख परिजन निजी अस्पताल ले गए। गोविंदपुरम में सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल हुए दिल्ली निवासी किरण (42) को न जिला संयुक्त अस्पताल में उपचार मिला और न ही जिला एमएमजी अस्पताल में। संयुक्त में चिकित्सक ने देखते ही रेफर कर दिया। एमएमजी नें तीन घंटे तक वह इमरजेंसी के बाहर स्ट्रेचर पर लेटे तड़पते रहे, लेकिन कोई चिकित्सक देखने तक नहीं आया। हालत बिगड़ती देख परिजन निजी अस्पताल ले गए। सुबह साढ़े दस बजे संयुक्त अस्पताल लाया गया था। यहां कहने के लिए ट्रॉमा सेंटर है लेकिन गंभीर हालत में आए मरीजों को देखते ही रेफर कर दिया जाता है। किरण को भी चिकित्सक ने देखा और तुरंत तीमारदारों को पर्ची थमाकर कह दिया कि एमएमजी ले जाओ। उनके भाई रवि ने बताया कि वह एमएमजी पहुंचे तो केस इमरजेंसी का बताया गया। पर्चा बनवाकर वे इमरजेंसी पहुंच गए। वहां चिकित्सक ने कह दिया कि पहले एक्सरे होगा, उसकी रिपोर्ट देखने के बाद उपचार किया जाएगा। वे एक्सरे विभाग में गए तो कहा गया कि नई पर्ची बनवाओ। इस पर नंबर मिलेगा। नंबर आने पर ही एक्सरे होगा। उन्होंने पर्ची बनवा ली, लेकिन तीन घंटे बीत जाने पर भी नंबर नहीं आया। इसके बाद और इंतजार करते तो भाई की हालत और बिगड़ जाती। मजबूरी में वे निजी अस्पताल ले गए। वह गोविंदपुरम में पुलिस चौकी के पास ड्यूटी पर पिलखुवा जाते समय कैंटर की टक्कर लग जाने से घायल हुए थे। निजी एंबुलेंस से ले जाना पड़ा रवि कुमार ने बताया कि जब एमएमजी में तीन घंटे उपचार नहीं मिला तो उन्होंने स्टाफ से कहा एंबुलेंस की व्यवस्था करने के लिए कहा ताकि भाई को निजी अस्पताल ले जाया जा सके। वहां सरकारी एंबुलेंस भी नहीं मिली। ऐसे में निजी एंबुलेंस से ही ले जाना पड़ा। निजी अस्पताल में तुरंत उपचार मिला। एक्सरे भी दस मिनट में हो गया। चिकित्सक ने बताया कि किरण के पैर की हड्डी टूटी है। इसी से उन्हें असहनीय पीड़ा हो रही थी। आखिर गलती किसकी गंभीर रूप से घायल मरीज तीन घंटे तक तड़पता रहा और उसे उपचार नहीं मिला। इस पर भी जिला एमएमजी और संयुक्त अस्पताल के चिकित्सा अधिकारी किसी की गलती मानने के लिए तैयार नहीं हैं। मरीज को उपचार न मिल पाने की दोनों ने अलग-अलग वजह बताई हैं। सड़क हादसे का केस था। मेडिको लीगल कार्रवाई के लिए अस्पताल में रेडियोलॉजिस्ट नहीं हैं, इसलिए मरीज को एमएमजी अस्पताल रेफर करना पड़ा। - डॉ. विनोद कुमार पांडे, सीएमएस, संयुक्त अस्पताल पुलिस केस में कार्रवाई में समय लगता है। परिजन इंतजार नहीं करना चाह रहे थे इसलिए वह अपनी मर्जी से निजी अस्पताल में मरीज को लेकर गए।

हादसों से सबक नहीं... गलत दिशा में दौड़ रहीं कारें, दोपहिया भी नहीं रुके

गाजियाबाद। दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर लगातार हो रहे हादसों के बाद भी यातायात नियम तोड़ने वालों पर सख्ती नहीं की जा रही है। कहने के लिए दोपहिया वाहनों पर प्रतिबंध है, लेकिन ये दिनभर दौड़ते दिख रहे हैं। कई भीषण हादसे हो जाने के बावजूद चार पहिया वाहनों का गलत दिशा में चलना भी नहीं रुक पाया है। पिछले तीन दिन में 30 नवंबर और एक दिसंबर को दो हादसों में तीन की जान गई। इसके बाद भी शनिवार को एक्सप्रेसवे पर गलत दिशा में वाहन दौड़ते नजर आए। दोपहिया भी चल रहे थे। इसी साल 11 जुलाई को गलत दिशा में दौड़ रही बस की टक्कर से कार सवार छह लोगों की जान गई थी। सभी एक ही परिवार के सदस्य थे। इसके बाद पुलिस ने कुछ दिन सख्ती की। रोज चालान काटे गए लेकिन धीरे-धीरे सख्ती कम होती चली गई और यातायात के नियम पहले ही तरह टूटने लगे। डासना से चढ़ने के लिए नहीं है साइन बोर्ड गाजियाबाद सीमा में डासना से दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर जाने वाले मार्ग से पहले साइन बोर्ड नहीं लगा कि किधर एक्सप्रेसवे पर जाना है और हापुड़ किधर जाना है

एमएमजी में 3 घंटे तड़पता रहा घायल, नहीं मिला उपचार

- यहां कहने के लिए ट्रॉमा सेंटर है लेकिन गंभीर हालत में आए मरीजों को देखते ही रेफर कर दिया जाता है। किरण को भी चिकित्सक ने देखा और तुरंत तीमारदारों को पर्ची थमाकर कह दिया

एनटीवी

गाजियाबाद। गोविंदपुरम में सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल हुए दिल्ली निवासी किरण (42) को न जिला संयुक्त अस्पताल में उपचार मिला और न ही जिला एमएमजी अस्पताल में। संयुक्त में चिकित्सक ने देखते ही रेफर कर दिया। एमएमजी नें तीन घंटे तक वह इमरजेंसी के बाहर स्ट्रेचर पर लेटे तड़पते रहे, लेकिन कोई चिकित्सक देखने तक नहीं आया। हालत बिगड़ती देख परिजन निजी अस्पताल ले गए। उन्हें सुबह साढ़े दस बजे संयुक्त अस्पताल लाया गया था। यहां कहने के लिए ट्रॉमा सेंटर है लेकिन गंभीर हालत में आए मरीजों को देखते ही रेफर कर दिया जाता है। किरण को भी चिकित्सक ने देखा और तुरंत तीमारदारों को पर्ची थमाकर कह दिया कि एमएमजी ले जाओ। उनके भाई रवि ने बताया कि वह एमएमजी पहुंचे तो केस इमरजेंसी का बताया गया। पर्चा बनवाकर वे इमरजेंसी पहुंच गए। वहां चिकित्सक ने कह दिया कि पहले एक्सरे होगा, उसकी रिपोर्ट देखने के बाद उपचार किया जाएगा। वे एक्सरे विभाग में गए तो कहा गया कि नई पर्ची बनवाओ। इस पर नंबर मिलेगा। नंबर आने पर ही एक्सरे होगा। उन्होंने पर्ची बनवा ली, लेकिन तीन घंटे बीत जाने पर भी नंबर नहीं आया। इसके बाद और इंतजार करते तो भाई की हालत और बिगड़ जाती। मजबूरी में वे निजी अस्पताल ले गए। वह गोविंदपुरम में पुलिस चौकी के पास ड्यूटी पर पिलखुवा जाते समय कैंटर की टक्कर लग जाने से घायल हुए थे। निजी एंबुलेंस से ले जाना पड़ा रवि कुमार ने बताया कि जब एमएमजी में तीन घंटे उपचार नहीं मिला तो उन्होंने स्टाफ से कहा एंबुलेंस की व्यवस्था करने के लिए कहा ताकि भाई को निजी अस्पताल ले जाया जा सके। वहां सरकारी एंबुलेंस भी नहीं मिली। ऐसे में निजी एंबुलेंस से ही ले जाना पड़ा। निजी अस्पताल में तुरंत उपचार मिला। एक्सरे भी दस मिनट में हो गया। इस पर भी जिला एमएमजी और संयुक्त अस्पताल के चिकित्सा अधिकारी किसी की गलती मानने के लिए तैयार नहीं हैं। मरीज को उपचार न मिल पाने की दोनों ने अलग-अलग वजह बताई हैं। सड़क हादसे का केस था।

लोनी के साहिल ने देश के अलग-अलग राज्यों में फ्रेंचाइजी बांटी, तीन आरोपी लखनऊ से गिरफ्तार

एनटीवी

लोनी। फर्जी जन्म, मृत्यु प्रमाण पत्र बनाने और देश के अलग-अलग राज्यों में अपनी फ्रेंचाइजी देने वाले लोनी के साहिल ने अपना नेटवर्क कुछ समय में बड़ा कर लिया था। साहिल की निशानदेही से एसटीएफ ने लखनऊ से तीन और आरोपियों मो. अरमान, सहीम अंसारी और अफजल को गिरफ्तार किया है। एसटीएफ ने देश के अलग-अलग इलाकों में छापेमारी में और भी आरोपियों की गिरफ्तारी की बात कही है। एसटीएफ के एएसपी विशाल विक्रम सिंह ने बताया कि लोनी के दौलतनगर कॉलोनी ट्रॉनिका सिटी में रहने वाला साहिल मात्र कक्षा दो तक ही पढ़ा है। इसके बावजूद उसने अपना नेटवर्क बड़ा कर लिया था। सरकारी वेबसाइटों से मिलती-जुलती साइट बनाने और नेटवर्क कैसे बनाया है, इसकी अभी जांच की जा रही है। उन्होंने बताया कि साहिल ने करीब 436 फ्रेंचाइजी देश के अलग-अलग इलाकों में रहने वाले लोगों को दी है। साहिल फ्रेंचाइजी लेने वालों को काम भी सिखाता था। एएसपी ने बताया कि अभी और लोगों की गिरफ्तारी होनी है। पैसा कमाने के लिए साहिल ने फर्जी जन्म और मृत्यु प्रमाण पत्र बनाने का काम किया था। साहिल ने रकम के लालच में कई विदेशियों को भारतीय बनाया है। साहिल का विदेशी कनेक्शन भी जांचा जा रहा है हालांकि अभी ऐसा कोई साक्ष्य नहीं मिल सका है। लोनी में साहिल के साथ और कौन-कौन है, इसकी भी जांच की जा रही है। वहीं, ट्रॉनिका सिटी थाना पुलिस भी साहिल की कुंडली खंगालने में जुटी है। अपराधियों की पनाहगाह बन रहा लोनी लोनी अपराधियों का पनाहगाह बनता जा रहा है। कुछ दिनों में खुफिया विभाग और स्पेशल ब्रांच ने लोनी के अलग-अलग इलाकों में छापेमारी कर कई अपराधियों को और विदेशियों को गिरफ्तार किया है। 25 जुलाई को एटीएस की टीम ने पश्चिम बंगाल के रास्ते भारत में आए और अवैध रूप से लोनी के इनाम विहार कॉलोनी में रह रहे महिला समेत चार रोहिंग्यों को गिरफ्तार किया था। बीते मंगलवार को लोनी बॉर्डर थाना पुलिस ने बंथला नहर रोड से एक बांग्लादेशी शहादत को गिरफ्तार किया था। इसके अलावा पूर्व में भी लोनी से कई अपराधियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। बड़ी मात्रा में फर्जी कागजात लोनी में बनाए जाते है : जन्म और मृत्यु प्रमाण पत्र बनाने वालों की गिरफ्तारी से पहले पुलिस लोनी के अलग-अलग इलाकों में फर्जी आधार कार्ड बनाने वालों को भी गिरफ्तार कर चुकी है। लोनी पुलिस ने 5 सितंबर को फर्जी तरीके से आधार कार्ड और जन्म प्रमाण पत्र बनाने वाले मुस्तफाबाद कॉलोनी स्थित एक स्थान पर छापा मारकर मुनेश चंद निवासी छोटा बाजार दिल्ली और राशिद निवासी पूर्वी मुस्तफाबाद को गिरफ्तार किया था। 29 दिसंबर 2021 को पुलिस ने फर्जी आधार कार्ड बनाने वाले गिरोह के तीन सदस्यों आसिफ, खालिद और जावेद को गिरफ्तार किया था।

फर्जी तरीके से लिया 1.22 करोड़ के आईटीसी का लाभ

नोएडा। दादरी की एक फर्म आरपी ट्रेडर्स के फर्जी तरीके से 1.22 करोड़ की इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) का लाभ लेने का खुलासा हुआ है। राज्य कर के अपर आयुक्त नोएडा जोन की ओर से किए गए सर्वे में अलग-अलग वर्षों में 6.8 करोड़ की बोगस फर्म के माध्यम से आपूर्ति की बात सामने आई है। इन्हीं बोगस फर्म को आधार बनाते हुए कंपनी ने आईटीसी का लाभ लिया गया। अपर आयुक्त विवेक आर्या के नेतृत्व में आयरन डस्ट की खरीद-बिक्री करने वाले इस फर्म की जांच की गई। डाटा विश्लेषण में पाया गया कि फर्म की ओर से मई में बिना किसी कर का भुगतान किए बिना 42.31 लाख की आईटीसी जीएसटीआर-1 द्वारा पासआन कर दी गई। इसी प्रकार यह भी पाया गया कि वर्ष 2022 में व्यापारी ने एक कार खरीदी थी। इस पर आईटीसी का लाभ ले लिया गया, जबकि जीएसटी अधिनियम की धारा-17(5) के प्रावधानों के अंतर्गत आईटीसी का लाभ व्यापारी नहीं ले सकता था। व्यापारी की ओर से दाखिल किए गए मासिक रिटर्न में भी अधिक आईटीसी का लाभ लिया गया है। गड़बड़ी का पता चलने के बाद कंपनी की मौके पर जांच की गई।

मानसिक रूप से बीमार महिला ने दी जान, युवक का लटका मिला शव

- उसे मृत घोषित कर सूचना पुलिस थाने भेज दी। पुलिस का कहना है कि कमरे से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है।

एनटीवी

साहिबाबाद। शालीमार गार्डन में शुक्रवार को 38 साल की निशा कमरे में लटकी मिली। परिजन तुरंत पास के निजी अस्पताल ले गए। वहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच की। परिजनों ने आत्महत्या के पीछे मानसिक बीमारी बताई है। कड़कड़ मॉडल गांव में 24 साल के शिवम का कमरे में शव लटका मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर जांच की। अभी तक आत्महत्या का कारण स्पष्ट नहीं हुआ है। पुलिस को कोई शिकायत भी नहीं मिली है। शालीमार गार्डन पुलिस ने बताया कि निशा अपने पिता अशोक के साथ मकान में रहती थी। शुक्रवार को वह ड्यूटी पर गए थे। दोपहर में उन्होंने किसी काम से घर पर कॉल की तो कोई जवाब नहीं आया। शक होने पर पांच-छह बार फिर कॉल की लेकिन किसी ने कॉल रिसीव नहीं की। वह कुछ देर में घर पहुंचे तो दरवाजा बंद होने पर पड़ोसियों की मदद से कमरे में गए। वहां निशा को नीचे उतारकर पास के निजी अस्पताल ले गए। डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर सूचना पुलिस थाने भेज दी। पुलिस का कहना है कि कमरे से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। वहीं, लिंक रोड थाना पुलिस ने बताया कि कड़कड़ मॉडल गांव का शिवम साहिबाबाद औद्योगिक क्षेत्र में एक कार कंपनी में गाड़ियां धोने का काम करता था। रात को पिता घर पहुंचे तो कमरे में बेटे को पंखे से लटका देखकर तुरंत नीचे उतारा। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर जांच की। वहां कोई सुसाइड नोट नहीं मिला। एसीपी साहिबाबाद रजनीश उपाध्याय और एसीपी शालीमार गार्डन सिद्धार्थ गौतम का कहना है कि दोनों मामलों में शिकायत नहीं मिली है। परिजन यदि शिकायत देंगे तो जांच रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

10 दिनों में ग्रेटर नोएडा में चौथे छात्र ने दी जान

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा क्षेत्र में पिछले 10 दिनों में चौथे छात्र ने खुदकुशी कर ली। अल्फा-2 सेक्टर में बीसीए के छात्र राजमणि (22) का शव शुक्रवार रात कमरे में फंदे पर लटका मिला। छात्र यूपीएससी की तैयारी कर रही बड़ी बहन के साथ रहकर पढ़ाई करता था। मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। मूलरूप से देवघर झारखंड निवासी राजमणि बीटा-2 थाना क्षेत्र के अल्फा-2 में बड़ी बहन के साथ रहता था। शुक्रवार को उसकी बहन कोचिंग के लिए गई थी। देर शाम को वह लौटी तो भाई का शव फंदे पर लटका देखा। युवती ने घटना की सूचना पुलिस और परिजनों को दी। पुलिस ने कहा कि छात्र की परीक्षा की तारीख पास आने वाली थी। पुलिस परीक्षा के तनाव की वजह से खुदकुशी की आशंका जता रही है। बताया गया है कि छात्र राजमणि और उसकी बहन जून 2022 से सेक्टर में रहते थे। पुलिस छात्र के खुदकुशी का कारण पता करने के लिए उसके मोबाइल व लैपटॉप की जांच करेगी। मामले में परिजनों की ओर से तहरीर नहीं दी गई है।

जेवर तक नमो भारत ट्रेन चलाने के लिए एनसीआरटीसी कराएगा सर्वे

- इसके बाद एनसीआरटीसी ने फिजिकल रिपोर्ट तैयार करने के लिए सर्वे शुरू कर दिया था। स्थानीय सांसद व केंद्रीय मंत्री वीके सिंह ने भी इस प्रोजेक्ट की सिफारिश की थी।

एनटीवी

गाजियाबाद। आरआरटीएस कॉरिडोर को जेवर तक पहुंचाकर नमो भारत ट्रेन चलाने के प्रोजेक्ट पर काम जल्द शुरू हो सकता है। एनसीआरटीसी की ओर से गाजियाबाद से जेवर एयरपोर्ट तक आरआरटीएस कॉरिडोर बनाने के लिए फिजिबिलिटी रिपोर्ट यमुना एक्सप्रेसवे इंडस्ट्रियल डेवलपेंट अथॉरिटी (यीडा) के माध्यम से यूपी सरकार को भेज दी है। प्रदेश सरकार इस पर जल्द ही निर्णय ले सकती है। देश के पहले आरआरटीएस कॉरिडोर के साहिबाबाद से दुहाई तक के प्राथमिक खंड पर नमो भारत ट्रेन का संचालन शुरू किए जाने के कार्यक्रम के दौरान ही इस कॉरिडोर को गाजियाबाद से जेवर तक ले जाने का निर्णय लिया गया था। इसके बाद एनसीआरटीसी ने फिजिकल रिपोर्ट तैयार करने के लिए सर्वे शुरू कर दिया था। स्थानीय सांसद व केंद्रीय मंत्री वीके सिंह ने भी इस प्रोजेक्ट की सिफारिश की थी। एनसीआरटीसी के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी पुनीत वत्स ने बताया कि फिजिकल रिपोर्ट बनाकर यीडा को भेज दी गई है। उनके माध्यम से यह रिपोर्ट प्रदेश सरकार के पास पहुंचेगी। प्रदेश सरकार के निर्णय के बाद प्रोजेक्ट पर आगे काम किया जाएगा। इस रिपोर्ट में दो रूट सुझाए गए हैं। जेवर तक आरआरटीएस कॉरिडोर की प्रारंभिक रिपोर्ट आने के बाद अब जल्द ही निर्णय होने की उम्मीद है। गाजियाबाद के लोगों को जल्द ही एक नया तोहफा मिल सकता है। - वीके सिंह, स्थानीय सांसद व केंद्रीय मंत्री

रील बनाने के लिए मचाया था हुड़दंग

एनटीवी

ग्रेटर नोएडा। दिल्ली के शाहीन बाग से ग्रेनो वेस्ट में शाहबेरी में आई बरात में शामिल लोगों ने सड़क पर हूटर बजाकर हुड़दंग मचाया और नोट उड़ाकर रील बनाई थी। घटना का एक और वीडियो वायरल होने पर बरातियों की चार और कारों की पुलिस ने पहचान कर ली है। जल्द पुलिस इन कारों को जब्त कर लेगी। इससे पहले पुलिस 14 कारों पर कुल चार लाख रुपये का चालान कर पांच वाहन जब्त कर चुकी है। पुलिस ने मामले में वाहन स्वामियों के खिलाफ केस भी दर्ज किया है। 26 नवंबर की रात नोएडा के सेक्टर-37 से ग्रेनो वेस्ट की तरफ आने के दौरान शाहीन बाग से आई बरात के बरातियों के कई वाहन हूटर बजाते हुए निकले थे। कारों में सवार बराती सड़क पर नोट उड़ा रहे थे। इससे सड़क पर नोट उठाने के लिए लोग दौड़ पड़े। इससे वहां जाम की स्थिति पैदा हो गई। पुलिस ने सीसीटीवी कैमरों से हासिल फुटेज की मदद से पांच वाहनों को पकड़कर केस दर्ज किया था। बिसरख कोतवाली पुलिस मामले की जांच कर रही है। मामले में दिल्ली के शाहीन बाग निवासी साकिब, आसिफ, शोएब अली, आबिद समेत कई आरोपियों पर केस दर्ज किया गया। आरोपियों ने अवैध रूप से हूटर लगा रहे थे। हुआ। जांच के दौरान पता चला है कि सभी गाड़ियों में अवैध रूप से हूटर लगे हुए थे। रील बनाने के लिए बाराती नोट उड़ा रहे थे। पुलिस का कहना है कि पहचान कर सभी कारों स्वामियों पर कार्रवाई की जाएगी। कार पर स्टंट कर रही युवती का वीडियो वायरल, 23500 का जुमार्ना ग्रेटर नोएडा। ग्रेनो वेस्ट से नोएडा की ओर जा रही कार सवार युवती के स्टंट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। युवती कार की पिछली खिड़की पर बाईं ओर बाहर निकलकर बैठी है। जान जोखिम में डालकर युवती तेज रफ्तार कार में स्टंट करती दिख रही है। बताया जा रहा है कि रील बनाने के लिए युवती स्टंट कर रही है। पुलिस ने कार नंबर के आधार इस मामले में 23500 रुपये आनलाइन चालान किया है।

आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस ने गलतियां पकड़ीं, 26994 व्यापारियों को जीएसटी के नोटिस भेजे

एनटीवी

गाजियाबाद। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) के इस्तेमाल से राज्यकर विभाग को फायदा हो रहा है लेकिन व्यापारी इससे परेशान हैं। व्यापारियों की ओर से 2018-19 में दाखिल की गई जीएसटी रिटर्न में एआई के जरिये गलतियां पकड़ी गई हैं। राज्यकर विभाग ने गाजियाबाद जोन-2 में 26994 व्यापारियों को एआई आधारित नोटिस भेजे हैं। अब व्यापारियों को इन नोटिसों का ऑनलाइन जवाब दाखिल करना होगा। संतोषजनक जवाब न हुआ तो उन्हें जीएसटी में मिले अंतर की रकम जमा करनी पड़ेगी। दरअसल वर्ष 2017 में वैट के स्थान पर जीएसटी को लागू किया गया था। व्यापारियों ने पहली बार जीएसटी रिटर्न दाखिल की तो इसमें कई खामियां थीं। अब इनकी समीक्षा की जा रही है। राज्यकर विभाग के सॉफ्टवेयर में एआई टूल का इस्तेमाल किया गया है, ऐसे में व्यापारियों की ओर से 2017-18 और 2018-19 की दाखिल की गई रिटर्न में अगर 200-300 रुपये का भी अंतर है तो उन्हें भी त्रुटि दर्शाकर नोटिस भेजे जा रहे हैं। इसी साल करीब पांच माह पूर्व वर्ष 2017-18 के लिए जोन-दो के 5308 व्यापारियों को नोटिस भेजे गए थे। अब वर्ष 2018-19 के लिए 26994 व्यापारियों को नोटिस भेजे गए हैं। जोन-2 में जारी नोटिस : - व्यापारियों का जवाब मिल जाने के बाद 2017-18 के 5308 नोटिसों में से 367 किए गए निरस्त - 255 व्यापारियों पर कार्रवाई के आदेश हुए जारी - नोटिसों के सापेक्ष राज्यकर विभाग को मिला 14.07 करोड़ का राजस्व - 2018-19 के लिए 26994 व्यापारियों को नोटिस जारी, इनमें से 9907 कार्रवाई योग्य पाए गए - इन नोटिसों में 246.79 करोड़ का टैक्स राजस्व मिलने की उम्मीद नोटिसों से परेशान हैं व्यापारी, अधिकारियों से मिलेंगे लोहा विक्रेता मंडल के जिलाध्यक्ष अतुल जैन ने बताया कि बड़ी संख्या में व्यापारियों को जीएसटी के नोटिस मिलने से वह परेशान हैं। कई व्यापारी ऐसे हैं, जिन्हें 100-200 रुपये के अंतर के लिए भी नोटिस जारी किए गए हैं। व्यापारी अब पुराने दस्तावेज खंगालने को मजबूर हैं और इन नोटिसों का जवाब तैयार कराने के लिए उन्हें सीए का सहारा लेना पड़ रहा है। इस संबंध में राज्यकर विभाग के अपर आयुक्त से मुलाकात कर ज्ञापन देंगे। पश्चिमी उत्तर प्रदेश संयुक्त उद्योग व्यापार मंडल के प्रदेश महासचिव तिलक राज अरोड़ा ने बताया कि पूर्व में 2017-18 के नोटिस भेजने पर संगठन ने राज्यकर विभाग की आयुक्त को ज्ञापन देकर मामूली रकम के अंतर पर नोटिस न जारी किए जाने की मांग की गई थी। उन्होंने आश्वासन भी दिया था लेकिन अब फिर से नोटिस जारी किए जाने लगे हैं। स्थानीय अधिकारियों से मिलकर विरोध में ज्ञापन देंगे।

स्पा सेंटर के मालिक और मैनेजर समेत 27 पर मुकदमा दर्ज, पांच की तलाश में जुटी टीम

- एसीपी इंदिरापुरम स्वतंत्र कुमार सिंह ने तहरीर दी कि आदित्य मॉल के अंदर स्पा सेंटर के मालिक युवती व महिलाओं को फंसाकर उनसे जबरन देह व्यापार करा रहे थे।

एनटीवी

इंदिरापुरम। वैभवखंड स्थित आदित्य मॉल में छह स्पा सेंटर के अंदर देह व्यापार कराने वाले मालिक, मैनेजर समेत 27 लोगों पर इंदिरापुरम कोतवाली में मुकदमा दर्ज हुआ है। छापे की कार्रवाई में पुलिस से बचकर भागे पांच स्पा सेंटरों के मालिकों की तलाश में तीन टीमें जुट गई हैं। डीसीपी ने महीनों से चल रहे स्पा सेंटरों की सूचना देने में लापरवाही बरतने और शामिल पुलिसकर्मियों का पता करने के लिए प्रारंभिक जांच के निर्देश दिए हैं। पुलिस ने छह स्पा सेंटरों को बंद करा दिया है। मॉल प्रबंधन को स्पा सेंटर खोलकर किसी भी तरह की गतिविधि नहीं करने की हिदायत दी है। एसीपी इंदिरापुरम स्वतंत्र कुमार सिंह ने तहरीर दी कि आदित्य मॉल के अंदर स्पा सेंटर के मालिक युवती व महिलाओं को फंसाकर उनसे जबरन देह व्यापार करा रहे थे। कई बार युवती और महिलाओं ने वहां से जाने का प्रयास भी किया था लेकिन मालिक व मैनेजर दबाव बनाकर उनसे रोक लेते थे। जांच में आया कि मैनेजर और मालिक दिल्ली-एनसीआर के लोगों को मसाज पार्लर के नाम पर बुलाते थे फिर मसाज के दौरान उन्हें अलग-अलग पैकेज बताकर युवतियों संग देह व्यापार कराते थे। मुकदमे में कोकोन स्पा का मालिक ओमप्रकाश, रिनीशा स्पा सेंटर का मालिक जितेंद्र कुमार, सतवा सेंटर की मालिक दीपक गौर, पल्स एंड पेटल्स थैरेपी सेंटर की मालकिन दीपा शर्मा व दूसरे पल्स एंड पेटल्स स्पा सेंटर का मालिक ललित भाटी जबकि मैनेजर अनुज अग्रवाल, विष्णु, पवन शर्मा, पूजा और हसीब समेत 27 लोगों को नामजद किया है। कौन दे रहा था स्पा सेंटरों के मालिकों को बढ़ावा?ट डीसीपी शुभम पटेल का कहना है कि फरार मालिकों की तलाश तीन टीमें अलग-अलग एंगल से जांच कर रही हैं। छापे की कार्रवाई के बाद सभी के फोन बंद हैं। जबरन देह व्यापार कराने वाली युवतियों के बयान दर्ज करके उनके परिजनों के सुपुर्द कर दिया है। टीएचए में जहां भी स्पा सेंटर चल रहे हैं। उनकी रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश दिए हैं। आदित्य मॉल में स्पा सेंटर किसकी शह पर चल रहे थे। उसका पता करने के लिए एसीपी शालीमार गार्डन को जांच के निर्देश दिए हैं। यह हैं स्पा सेंटरों के मालिक और मैनेजर : रिनिशा स्पा सेंटर - मालिक- जितेंद्र कुमार (फरार), मैनेजर विष्णु (गिरफ्तार)सतवा स्पा सेंटर - मालिक दीपक गौर (फरार), मैनेजर पवन शर्मा (गिरफ्तार) पल्स एंड पेटल्स मसाज पार्लर - मालिक ललित भाटी (फरार), मैनेजर हसीब (गिरफ्तार) पल्स एंड पेटल्स स्पा सेंटर - मालकिन दीपा शर्मा (फरार) रिलीफ थैरेपी - मालकिन- निशा (गिरफ्तार) कोकून स्पा सेंटर- मालिक ओमप्रकाश (फरार), मैनेजर अनुज अग्रवाल (गिरफ्तार) इन ग्राहकों पर भी हुआ मुकदमा : एसीपी की शिकायत पर देह व्यापार पर छापे की कार्रवाई में पकड़े गए लक्ष्मण, आलोक, सुरजीत, सचिन, विनोद पंकज कुशवाहा, शिवा त्यागी, मोहित, मयंक, वैभव श्रीवास्तव, अमित, विनीत, समीर,धर्मेंद्र, शाहीद, इकलाश, सागर, दो युवतियों को नामजद किया गया है।

अमेरिका से अपने SUVs को वापस बुलाने का BMW ने लिया फैसला, इस वजह से लगातार हो रहे हादसे

एनटीवी

अमेरिका में तकाता इन्फ्लेटर्स द्वारा कम से कम 26 लोग मारे गए हैं और मलेशिया और ऑस्ट्रेलिया के लोगों सहित दुनिया भर में कम से कम 30 लोग मारे गए हैं। इसके अलावा करीब 400 लोग घायल हुए हैं। दुनिया भर में लगभग 100 मिलियन इन्फ्लेटर्स को रिकॉल किया गया है। विस्फोटित एयर बैग ने तकाता को दिवालिया होने की कगार पर लाकर खड़ा कर दिया है।

अमेरिका से अपने SUVs को वापस बुलाने का इटह ने लिया फैसला, इस वजह से लगातार हो रहे हादसे

अमेरिका से अपने SUVs को वापस बुलाने का BMW ने लिया फैसला (प्रतीकात्मक फोटो)

अमेरिका में तकाता इन्फ्लेटर्स द्वारा कम से कम 26 लोग मारे गए।

दुनिया भर में 30 लोग मारे गए, 400 घायल

एपी, डेट्रॉइट। बीएमडब्ल्यू अमेरिका से अपने रव३२ को वापस बुला रही है क्योंकि इनमें दुर्घटना में ड्राइवर के एयर बैग इनफ्लेटर उड़ने, धातु के छर्रे लगने और गाड़ी में सवार लोगों के घायल होने या उनकी मौत होने का खतरा है।

हालांकि बहुत कम संख्या में कंपनी अपने वाहनों को रिकॉल कर रही है। अमेरिकी ऑटो सुरक्षा नियामकों ने शनिवार को पोस्ट किए गए दस्तावेजों में कहा है कि रिकॉल में 2014 मॉडल की 486 3, 4 और 5 एसयूवी शामिल हैं जो जापान के तकाता कॉर्प द्वारा बनाए गए एयर बैग से लैस हैं।

इस रिकॉल से लगभग 30 मिलियन तकाता इन्फ्लेटर्स की सुरक्षा पर सवाल उठते हैं जिनकी राष्ट्रीय राजमार्ग यातायात सुरक्षा प्रशासन द्वारा जांच की जा रही है। तकाता ने दुर्घटना के समय एयर बैग को फुलाने के लिए एक छोटा विस्फोट करने के लिए उड़नशील अमोनियम नाइट्रेट का उपयोग किया। लेकिन उच्च तापमान और आर्द्रता के संपर्क में आने पर रसायन समय के साथ खराब हो सकता है। यह बहुत अधिक बल के साथ विस्फोट कर सकता है, धातु के कनस्तर को उड़ा सकता है और छर्रे उगल सकता है।

दुनिया भर में कम से कम 30 लोग मारे गए

मई 2009 से लेकर अब तक अमेरिका में तकाता इन्फ्लेटर्स द्वारा कम से कम 26 लोग मारे गए हैं, और मलेशिया और ऑस्ट्रेलिया के लोगों सहित दुनिया भर में कम से कम 30 लोग मारे गए हैं। इसके अलावा करीब 400 लोग घायल हुए हैं।

दुनिया भर में लगभग 100 मिलियन इन्फ्लेटर्स को रिकॉल किया गया है। विस्फोटित एयर बैग ने तकाता को दिवालिया होने की कगार पर लाकर खड़ा कर दिया है।

NHTSA रिकॉर्ड में एक शिकायत दिखाई गई है जिसमें कहा गया है कि 23 अक्टूबर को शिकागो में 2014 एक्स3 का इनफ्लेटर फट गया, जिससे धातु का एक बड़ा टुकड़ा चालक के फेफड़े में चला गया। शिकायत में कहा गया है कि ड्राइवर की छाती और कंधे पर भी चोटें आई हैं जो छर्रे लगने से लगी हैं।

शिकायत के अनुसार, एक सर्जन ने ड्राइवर के फेफड़े से एक सुनहरे रंग की डिस्क निकाली।

एनएचटीएसए का कहना है कि डेसिकेंट वाले तकाता एयर बैग की जांच की जा रही है क्योंकि उनमें विस्फोट और छर्रे निकल सकते हैं।

2021 में शुरू की गई जांच में होंडा, स्टेलेंटिस, जनरल मोटर्स, फोर्ड, निसान, टेस्ला, बीएमडब्ल्यू, टोयोटा, जगुआर लैंड रोवर, डेमलर वैन, मित्सुबिशी, सुबारू, मर्सिडीज-बेंज, फेरारी, मैकलेरन, पोर्श, माजदा, कर्मा, फि क्सर, स्पार्टन फायर वाहन सहित 20 कार और ट्रक निमार्ताओं के 200 से अधिक मॉडलों में 30 मिलियन से अधिक इन्फ्लेटर्स शामिल हैं।

फोर्ड ने पैदल यात्री सुरक्षा तकनीक का कराया पेटेंट, जानें यह खास बंपर कैसे बचाएंगे जान

एनटीवी

अमेरिकी ऑटोमोबाइल निमार्ता फोर्ड मोटर कंपनी ने अपनी नई पैदल यात्री सुरक्षा तकनीक के लिए पेटेंट दायर किया है। कार निमार्ता का

इरादा पैदल चलने वालों को वाहनों के साथ दुर्घटना होने पर गंभीर चोटों से बचाने के लिए अपनी बड़ी एसयूवी और ट्रकों में टेक्नोलॉजी पेश करने का है।

अमेरिकी ऑटोमोबाइल निमार्ता फोर्ड मोटर कंपनी ने अपनी नई पैदल यात्री सुरक्षा तकनीक के लिए पेटेंट दायर किया है।

कार निमार्ता का इरादा पैदल चलने वालों को वाहनों के साथ दुर्घटना होने पर गंभीर चोटों से बचाने के लिए अपनी बड़ी एसयूवी और ट्रकों में टेक्नोलॉजी पेश करने का है।

यह सिस्टम इन्फ्लेटेबल बंपर का इस्तेमाल करता है। जो किसी टक्कर को महसूस करने के तुरंत बाद खुल जाता है। ठीक उसी तरह जैसे एयरबैग काम करते हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, फोर्ड ने महीनों पहले साइज बदलने वाले बंपर का पेटेंट कराने के तुरंत बाद इस टेक्नोलॉजी के लिए पेटेंट दायर किया था।

यह किस तरह काम करता है सिस्टम में दो बंपर शामिल होंगे। एक जो पारंपरिक रूप से फ्रंट फेसिया में पाया जाता है और दूसरा जो इसके थोड़ा नीचे रखा जाएगा। जब कोई टक्कर होती है, तो बंपर फूल जाएंगे और इस तरह पैदल चलने वालों के घुटनों को गंभीर चोटों से बचाएंगे। इसके साथ ही, दूसरा बम्पर भी फूल जाएगा और यह सुनिश्चित करेगा कि व्यक्ति वाहन के नीचे न जाए। इस तरह उन्हें गाड़ी से कुचले जाने से बचाया जाएगा। यह ध्यान देने योग्य है कि ये बंपर प्रभाव के मामलों में 'कुशन' के रूप में काम नहीं करेंगे बल्कि ऊपर बताए गए विशिष्ट उद्देश्यों को पूरा करेंगे। ओईएम अभी भी इस टेक्नोलॉजी के अनुसंधान और विकास के चरण में है।

इस बारे में कोई जानकारी उपलब्ध नहीं है कि इस सिस्टम को उत्पादन होने वाले कारों में कब से दिया जाएगा।

हालांकि, यह पैदल यात्रियों की दुर्घटनाओं को कम करने की कोशिश में एक सकारात्मक कदम है। यदि यह टेक्नोलॉजी प्रॉडक्शन मॉडलों में आती है और वाहन के डिजाइन या क्षमताओं से समझौता किए बिना पैदल चलने वालों की सुरक्षा महत्वपूर्ण पाई जाती है। उम्मीद की जा सकती है कि यह वैश्विक बाजारों से आने वाले मॉडलों में एक स्टैंडर्ड फिटमेंट बन जाएगी।

फॉक्सवैगन ने दो महीनों में 5000 से ज्यादा वर्टस सेडान की डिलीवरी की, जानें इसकी खूबियां

एनटीवी

जर्मनी की प्रमुख वाहन निमार्ता कंपनी Volkswagen India (फॉक्सवैगन इंडिया) ने शुक्रवार को एलान किया कि Volkswagen Virtus (फॉक्सवैगन वर्टस) के साथ उसे ग्राहकों का शानदार रिस्पॉन्स मिला है और उसकी भारतीय पारी की शुरूआत बेहतरीन कही जा सकती है। कंपनी ने बताया कि Volkswagen Virtus की लॉन्चिंग के बाद से दो महीनों में सेडान की लगभग 5,000 यूनिट्स की डिलीवरी की गई है। भारतीय बाजार में एसयूवी सेगमेंट की बढ़ती लोकप्रियता के बीच, फॉक्सवैगन वर्टस को इस साल जून में प्रीमियम मिड-साइज सेडान सेगमेंट में उतारा गया था। फॉक्सवैगन वर्टस कार एक दिन में सबसे ज्यादा ग्राहकों को डिलीवर की जाने वाली एकमात्र सेडान होने का भी रिकॉर्ड बना चुकी है और इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स और एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में अपना नाम दर्ज करा चुकी है। फॉक्सवैगन पैसेंजर कार्स इंडिया के ब्रांड निदेशक आशीष गुप्ता ने बताया कि ग्राहकों ने जबरदस्त प्रतिक्रिया के साथ वर्टस का स्वागत किया। गुप्ता ने कहा, फॉक्सवैगन वर्टस भारत में प्रीमियम मिड-साइज सेडान सेगमेंट में 'बिग

बाय' डिजाइन और फीचर्स के साथ एक मजबूत उत्पाद पेशकश है। फॉक्सवैगन ने फॉक्सवैगन सब्सक्रिप्शन और पावर लीज के तहत वर्टस सेडान भी पेश किया और ग्राहकों को अपने पसंदीदा ओनरशिप मॉडल में से चुनने का ज्यादा विकल्प देती है।

दो अलग-अलग इंजन ऑप्शन के साथ उपलब्ध होगी। इसमें एक 1.5-लीटर TSI EVO इंजन जिसमें अउळ मिलेगा और एक 1.0-लीटर TSI इंजन है। ट्रांसमिशन विकल्पों में 6-स्पीड मैनुअल गियरबॉक्स, 6-स्पीड ऑटोमैटिक टॉर्क कन्वर्टर और 7-स्पीड डीएसजी शामिल हैं। परफॉर्मेंस लाइन वैरिएंट 150 PS का पावर और 250 ठे का टार्क जेनरेट करता है। जबकि डायनेमिक लाइन वैरिएंट 115 PS का पावर और 178 ठे का टार्क जेनरेट करेगा।

सेगमेंट में सबसे बड़ी साइज की बात करें तो फॉक्सवैगन वर्टस की लंबाई 4,561, चौड़ाई 1,752 और व्हीलबेस 2,651 है। फॉक्सवैगन का दावा है कि ऑल न्यू वर्टस सेडान अपने सेगमेंट में सबसे बड़ी है। यह दो अलग-अलग ट्रिम्स - डायनामिक लाइन और परफॉर्मेंस लाइन में उपलब्ध है।

लुक और डिजाइन

फॉक्सवैगन वर्टस के लुक और डिजाइन की बात करें तो, यह मिड-साइज सेडान एक शार्प लुक के साथ आती है। यह ऑटोमेकर के समकालीन डिजाइन फिलॉसफी से मेल खाता है। इसमें इंटीग्रेटेड एलईडी डे-टाइम रनिंग लाइट के साथ शार्प लुक वाले एलईडी प्रोजेक्टर हेडलैंप, चमकदार क्रोम लाइनिंग के साथ स्लीक फ्रंट ग्रिल मिलता है। बंपर में ब्लैक मेश और क्रोम एक्सेंट हैं।

जीप कंपास एसयूवी की 5वां एनिवर्सरी एडिशन लॉन्च, बुकिंग शुरू, जानें कीमत और फीचर्स

एनटीवी

लोकप्रिय एसयूवी का स्पेशल एनिवर्सरी एडिशन स्टैंडर्ड मॉडल से अलग दिखने के लिए विशेष फीचर्स के साथ आता है। इसमें स्मारक बैजिंग, अलग पहिये और ग्रिल देखने को मिलते हैं। कंपनी ने जीप कंपास के 5वें एनिवर्सरी एडिशन की बुकिंग अपने डीलरशिप और आधिकारिक वेबसाइट पर भी शुरू कर दी है।

इंटीरियर और एक्सटीरियर

कंपास एनिवर्सरी एडिशन ग्रेनाइट क्रिस्टल रंग के साथ पेश किया गया है और इसमें 18-इंच के अलॉय व्हील्स मिलते हैं। साथ ही इसमें 5वीं वर्षगांठ स्मारक बैज है। अन्य बाहरी अंतरों में न्यूट्रल ग्रे एक्सेंट बैजिंग वाले मिरर और न्यूट्रल ग्रे रिंग के साथ नई ग्लॉस ब्लैक ग्रिल शामिल हैं। लोअर फ्रंट फेसिया और फेंडर फ्लेयर्स में बॉडी कलर दिया गया है। अंदर की तरफ लेदर सीट्स में लाइट टंगस्टन एक्सेंट स्टिचिंग है। ब्लैक हेडलाइनर के साथ पियानो ब्लैक और एनोडाइज्ड गन मेटल में इंटीरियर एक्सेंट किया गया है। इंटीरियर में ऑटोमैटिक डिम रियरव्यू मिरर भी है।

इंजन और पावर

2022 Jeep Compass 5वीं एनिवर्सरी एडिशन दो इंजन विकल्पों

के साथ आता है - एक 1.4-लीटर मल्टीएयर पेट्रोल यूनिट जिसमें 7-स्पीड डीडीसीटी एटी और एक 2.0-लीटर मल्टीजेट डीजल यूनिट है जिसमें 42 कॉन्फिगरेशन में 6-स्पीड एमटी है। टॉप-ऑफ-द-लाइन 44 कॉन्फिगरेशन में 2.0-लीटर मल्टीजेट डीजल यूनिट के साथ सेल्क-टेरेन के साथ 9-स्पीड एटी ट्रांशमिशन मिलता है।

Compass को 2017 में भारत में लॉन्च किया गया था। और तब से अपनी डायनैमिक डिजाइन लैंग्वेज, टॉप-एंड टेक्नोलॉजी और हाई सेंटर ग्राउंड क्लीयरेंस और एडवांस्ड 4-व्हील-ड्राइव सिस्टम जैसे फीचर्स के कारण इसने काफी प्रशंसक बटोरे हैं। जीप ब्रांड इंडिया के प्रमुख निपुण जे महाजन ने कहा, रजीप कंपास एक अइकॉनिक एसयूवी है जिसने कई भारतीयों के दिलों में रोमांच और ऑफ-रोडिंग को प्रोत्साहित किया है और जारी रखा है।

एसयूवी ने यहां लॉन्चिंग के बाद से डिजाइन, दक्षता, क्षमता और विश्वसनीयता के मामले में कई प्रशंसा और सम्मान जीते हैं। एनिवर्सरी एडिशन एसयूवी और ब्रांड की इन उपलब्धियों को समान रूप से याद दिलाता है। महाजन ने कहा, रएनिवर्सरी एडिशन हमारी जश्न की पेशकश है जो सेफ्टी और टेक्नोलॉजी फीचर्स से भरपूर दमदार जीप कंपास में एक शानदार लुक जोड़ती है।

टेस्ला साइबरट्रक ने ड्रैग रेस में पोर्शे 911 को हराया, साथ ही एक दूसरी 911 को खींचा भी

एनटीवी

काफी लंबे इंतजार के बाद आखिरकार Tesla Cybertruck (टेस्ला साइबरट्रक) की डिलीवरी शुरू हो गई है। आम गाड़ियों से हटकर लुक वाले इलेक्ट्रिक पिकअप ट्रक की कीमत 60,990 डॉलर (50.82 लाख रुपये) से 99,990 डॉलर (83.3 लाख रुपये) है। जो कि 2019 में सीईओ एलन मस्क के दावे से 50 प्रतिशत ज्यादा है। फिर भी, साइबरट्रक परफॉर्मेंस के आंकड़ों का दावा करता है जो शायद कुछ सुपरकारों को भी शर्मसार कर सकता है!

मस्क ने नए टेस्ला साइबरट्रक और Porsche 911 (पोर्शे 911) के बीच एक ड्रैग स्ट्रिप पर ड्रैग रेस का एक वीडियो साझा किया है।

शुरूआत से ही अपनी इलेक्ट्रिक पावर उपलब्ध होने के कारण, साइबरट्रक रेस की शुरूआत के समय से ही बढ़त ले लेता है। और फिर पिकअप

के लिए पीछे मुड़कर देखने की कोई जरूरत नहीं है। जैसे ही पोर्शे 911 अपने फॉर्म में आती है, तब तक टेस्ला ईवी ने अच्छी बढ़त बनानी जारी रखी। हालांकि, इसमें दरअसल एक ट्विस्ट है।

एक कार को खींचकर जीती रेस टेस्ला साइबरट्रक वास्तव में एक ट्रेलर से जुड़ा हुआ है जिसमें एक और पोर्शे 911 है! मॉडल के आधार पर 911 का वजन 1,455 से 1,715 किलोग्राम तक है। और यह साफ नहीं है कि वीडियो में पोर्शे सुपरकार के किस वर्जन का इस्तेमाल किया जा रहा है। जैसा कि कहा गया है, साइबरट्रक की प्रभावशाली टोइंग क्षमता 4,990 किलोग्राम है, और दावा किया गया है कि 0 से 60 मील प्रति घंटे (96 किमी प्रति घंटे) की रफ्तार को यह सिर्फ 2.6 सेकंड (रोलआउट घटाए जाने के साथ) में हासिल कर लेता है! फीचर्स

टेस्ला का दावा है कि साइबरट्रक 11 सेकंड से कम समय में एक चौथाई मील की दूरी तय कर सकता है, जो अनिवार्य रूप से ड्रैग रेस की आदर्श लंबाई है! गौरतलब है कि, एंट्री-लेवल पोर्शे 911 कैरेरा का 1/4 मील का समय 11.5 सेकंड है। नए साइबरट्रक की अन्य उल्लेखनीय खासियों में एक अल्ट्रा-हार्ड स्टेनलेस स्टील एक्सोस्केलेटन शामिल है जो डेंट, क्षति और जंग को कम करता है, चकनाचूर-प्रतिरोधी कवच ग्लास, 1,134 किलोग्राम पेलोड क्षमता, दावा की गई 547 किमी रेंज, एक विशाल 18.5-इंच टचस्क्रीन, एक ऑल-ग्लास रूफ और भी बहुत कुछ है।

चमत्कार है श्रमिकों का सुरक्षित बाहर निकलना

उत्तराखंड राज्य के उत्तरकाशी जिले के पास सिल्क्यारा सुरंग में 17 दिन से फंसे आठ राज्यों के 41 कर्मवीरों को 17 दिन बाद सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है। इस खतरनाक हादसे और फिर कर्मवीरों को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए जिस प्रकार ऑपरेशन जिंदगी चलाया गया अद्भुत जीवटता का कार्य है। श्रमिकों को सुरंग से बाहर निकालने के लिए चलाये जा रहे अभियान पर भारत ही नहीं अपितु पूरे विश्व की दृष्टि थी। अंततः भारत के 140 करोड़ लोगों की प्रार्थना और विशेषज्ञों, कार्यकताओं और नेतृत्व के श्रम और अनथक प्रयासों का सकारात्मक प्रतिफल मिला और 17 दिन बाद सभी कर्मवीरों के घरों में खुशियों के दीप जलाये गये। सुरंग में फंसे 41 मजदूरों को बाहर निकालने की यह घटना एक बहुत ही महत्वपूर्ण है और अध्ययन किये जाने योग्य है। इस घटना का एक महत्वपूर्ण पक्ष यह रहा कि जहां विदेशी मशीनों ने भी साथ छोड़ दिया और परिस्थितियों को और अधिक चुनौतीपूर्ण बना दिया वहां स्वदेशी हथौड़ों से लेकर वायुसेना के मालवाहक विमान हरक्यूलिस का तक का उपयोग किया गया। इस बचाव अभियान में स्वदेशी रैट माइनर्स की टीम का योगदान अतुलनीय रहा जिसके छह सदस्यों ने मात्र 30 घंटे के भीतर ही बचाव अभियान में आ रही सबसे बड़ी बाधा को दूर कर दिया। आज संपूर्ण भारत अगर भारत माता की जय और जय श्रीराम के नारे लगा रहा है तो उसके पीछे रैट माइनर्स की टीम के छह सदस्य हैं। इस अभियान पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार स्वयं अपडेट ले रहे थे और उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी पूरी तरह तत्पर थे कि चाहे जैसे भी हो श्रमिकों को बचाना ही है। केंद्र और उत्तराखंड के विभिन्न विभाग एवं एजेंसियां इस अति जटिल महाअभियान में पूरे मनोयोग से जुटी रहीं। कुल 20 से अधिक एजेंसियों व 10,000 से अधिक राहत और सुरक्षाकर्मियों ने अपना योगदान दिया। नरेंद्र मोदी श्रमिकों के हितों का बराबर ध्यान रखते हैं। जब भी किसी निर्माण कार्य का शिलान्यास, निरीक्षण या उद्घाटन करने जाते हैं तो श्रमिकों से संवाद करते हैं। नये संसद भवन और भारत मंडपम के उद्घाटन समारोह में उन्होंने श्रमिकों का सम्मान किया था। कोविड काल में जब कर्तव्य पथ और नये संसद भवन का निर्माण कार्य चल रहा था उस समय भी वह श्रमिकों से मिलने जाया करते थे और उनके साथ वार्ता कर उनका हौसला बढ़ाया करते थे। सुरंग में फंसे श्रमिकों को बचाने के कार्य ने प्रधानमंत्री मोदी के की नेतृत्व क्षमता को ही एक बार फिर स्थापित किया है। आज श्रमिक समाज कह रहा है कि ह्नमोदी है तो मुमकिन है।" इस घटना में उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का नेतृत्व भी निखर कर सामने आया है। हुई ईश्वरीय शक्ति की अनुभूति इस अभियान की सफलता के लिए देशभर में पूजा अर्चना की जा रही थी। आस्था की डोर ने विश्वास को डिगने नहीं दिया। सुरंग के पास स्थित बौखनाग देवता मंदिर में पूजा प्रारम्भ हो गई। जनप्रतिनिधि, अधिकारी बचाव टीम के सभी सदस्य, श्रमिकों के स्वजन व स्थानीय ग्रामीणों ने वहां विधिवत पूजा-अर्चना की। अंतरराष्ट्रीय टनल विशेषज्ञ अर्नाल्ड डिक्स ने भी यहां पूजा अर्चना की और बाबा बौखनाग का आशीर्वाद लिया। अभियान को सफल बनाने के लिए 18 नवंबर को निर्माण कंपनी नवयुग इंजीनियरिंग व एनएचआईडीसीएल ने सुरंग के गेट के दायीं ओर बौखनाग देवता का एक छोटा सा मंदिर स्थापित किया और फिर वहां पर नियमित रूप से पूजा अर्चना प्रारंभ की। स्थानीय लोगों का मानना था कि ठीक दीपावली के दिन दुर्घटना के पीछे बौखनाग देवता की नाराजगी भी हो सकती है इन लोगों का कहना था कि टनल परियोजना के आरम्भ होने से पहले निर्माण कंपनी प्रबंधन ने वहां से मंदिर को हटा दिया। कंपनी ने 2019 में टनल बनाना आरम्भ कर दिया था किंतु उसने मंदिर बनाने का वादा अभी तक नहीं निभाया था। ग्रामीणों की बौखनाग के प्रति अटूट आस्था को देखने के बाद ही पुजारी को बुलाकर पूजा करवाई गई प्रसाद बनवाया गया और संकल्प लिया गया कि ऑपरेशन सफल होते ही बौखनाग देवता का मंदिर बनवाया जायेगा। बौखनाग देवता के मंदिर में की गई पूजा अर्चना का सकारात्मक प्रतिफल सभी के सामने आ चुका है और ऑपरेशन जिंदगी सफलतापूर्वक संपन्न हो चुका है। अब सभी श्रमिक पूर्णतः स्वस्थ और कुशल हैं। सिलक्यारा परियोजना उत्तराखंड के लिए महत्वपूर्ण परियोजना है क्योंकि यह चारधाम परियोजना का हिस्सा है जिसका उद्देश्य गंगोत्री, यमुनोत्री ,केदारनाथ और बद्रीनाथ के बीच आवागमन को सरल बनाना है। वर्तमान समय में विकास को गति देने के लिए कई निर्माण कार्य चलाये जा रहे हैं जिसमें बड़ी व छोटी सुरंगों का निर्माण कार्य भी चल रहा है। सरकार ने दुर्घटना से सबक लेते हुए अब सभी जटिल परियोजनाओं व सुरंगों के निर्माण कार्य की गहन समीक्षा के साथ श्रमिकों की सुरक्षा की समीक्षा करने का निर्णय लिया है

भिखमंगे कटोरे में बेरोजगारी भत्ता

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

जनता बड़ी समझदार है। उसके सामने घुमा-फिराकर बात करना बेकार है। सीधी सी बात यह है कि फलाने राज्य में चुनाव है। फलाने पार्टी ने जनता को अपने जाल में फांसने के लिए एक तरकीब सोची है। त्यौहारों में ग्राहकों को फांसने के लिए कंपनियाँ जितने रंगीन प्रचार करते हैं, उससे कई गुना ज्यादा प्रचार नेतागण चुनाव के समय करते हैं। दोनों का काम मुनाफा कमाना है। भले इसमें टू इन वन टाइप ग्राहक-कम-मतदाता टांय-टांय फिस्स ही क्यों न कर दे। इस बार फलाना पार्टी ने बेरोजगारी भत्ता के नाम पर बेकार, लाचार और हवा के साथ होड़ लेकर फालतू में घूमने वाले लोगों को रिझाने का पैंतरा फेंका। आइए जानने की कोशिश करते हैं कि यह योजना क्या है॥ कौन व्यक्ति इसके लिए पात्र है॥ योजना के क्या फायदे हैं और योजना का फायदा उठाने के लिए कौन सी प्रक्रिया पूरी करनी होगी- क्या है योजना वैसे यह योजना बेरोजगारों के लिए है। लेकिन अंदर की बात यह है कि काम-धंधे वाले भी आवेदन कर सकते हैं। बशर्ते कि आपकी पहुँच होनी चाहिए। बेरोजगारी की महामारी कोरोना से भी अधिक है। समय ऐसा आ गया है कि हाथ धोने के लिए साबुन मिले न मिले नौकरी से हाथ धोने वाले अधिक मिल जायेंगे। इन्हीं सब बातों को ध्यान में रखते हुए फलाना पार्टी ने बेरोजगार भत्ता ले और कुछ मत दे' नाम से एक ऐसी योजना शुरू की जिसमें मत शब्द का प्रयोग क्रियाके रूप में नहीं संज्ञा के रूप में हुई है। इसके लिए पात्र व्यक्ति फलाना पार्टी के ऑफिस में अपना नाम दर्ज करवाकर लाभ उठा सकते हैं। इसके लिए पात्र व्यक्ति का अठारह वर्ष का होना जरूरी है। अनिवार्य शर्त यह है कि वे फलाना पार्टी के निर्वाचन क्षेत्र से संबंधित हों। विशेष बात कि यहाँ पर रंग, जात-पात, धर्म, भाषा, प्रांत के आधार पर किसी प्रकार का भेदभाव नहीं किया जाएगा योजना की खास बातें यह योजना मात्र चुनावों तक खुली है। पहले आओ पहले पाओ के आधार पर भत्ते के लिए उन बेरोजगारों का चयन किया जा रहा है जो मनुष्य होने से पहले मतदाता हैं। वैसे मनुष्य होना अनिवार्य शर्त नहीं है।

आज भी उस जहरीली भयंकर रात और डरावना दिन को याद करके सिहर जाते है लोग

लेखक : श्याम कुमार कोलारे

> इन झुग्गी-बस्तियों में रह रहे कुछ लोग तो नींद में ही मौत का ग्रास बन गये । जब गैस धीरे-धीरे लोगों को घरों में घुसने लगी, तो लोग घबराकर बाहर आए, लेकिन यहां तो हालात और भी ज्यादा खराब थे। किसी ने रास्ते में ही दम तोड़ दिया, तो कोई हांफते-हांफते ही मर गया। कोई इस तरह के मंजर से डरकर ही अपनी जगह से उठ नहीं पाए, कोई भी इस तरह के हादसे के लिए कोई तैयार नहीं था। जैसे-जैसे रात बीत रही थी, अस्पतालों में भीड़ बढ़ती जा रही थी

दुनिया की सबसे बड़ा व भयानक ओद्धौगिक त्रासदी जिसने चंद घंटों में ही हजारो लोगो की जान लील दिया था, कहने को तो आज इस घटना के 39 वर्ष हो हो चुके है परन्तु इस भयानक मंजर को याद करें तो आज भी सभी का दिल दहल जाता है ' 2-3 दिसम्बर 1984 की रात लोगों के लिए एक मौत का मंजर लेकर आया था उस रात हवा में मौत बह रही है जो उस हवा के संपर्क में आये मौत उसे पल में आपने आगोश में लेने को आतुर थी । आज भी वह खौफनाक रात को याद कर सिहर जाते है लोग ! जी हाँ मैं उस त्रासदी के बारे में ही बताने जा रहा हूँ दुनिया की सबसे बड़ी त्रासदी के रूप में इतिहास के पन्नो में दफन है । इस मंजर को याद करने से लगता है जैसे उस रात मौत का कहर लोगो को ग्रास बनाने के लिए लोगो के पीछे दौड़ रहा था । किसी को कुछ समझ नहीं आ रहा था कि क्या करें, कहाँ जाए किससे सहायता मांगें। बस लोग अपनी जान बचाने के लिए दौड़े जा रहे थे और जहरीली गैस की चपेट में आकर अपना दम तोड़ते जा रहे थे । उस काली रात ने लोगो के जीवन की साँसे छीन ली थी, जिधर देखो उधर लाशो का ढ़ेर नजर आ रहा था । पशु-पक्षी, मनुष्य सब के सब लाशो के ढेर के रूप में दिखाई दे रहे थे । ऐसा लग रहा था जैसे यहाँ मौत का तांडव चल रहा हो। उस रात जहरीली हवा के संपर्क में आने वाला कोई भी इस कहर से अछूता न रह पाया । सब के सब किसी न किसी प्रकार से उसके प्रभाव में आये हुए थे । मौत के इस हवा ने यूनियन कार्बाइड नामक फैक्ट्री के पास की झुग्गी-बस्ती को सबसे पहले अपना शिकार बनाई, यहाँ काम की तलाश में दूर-दराज गांव से आकर लोग रह रहे थे। इन झुग्गी-बस्तियों में रह रहे कुछ लोग तो नींद में ही मौत का ग्रास बन गये । जब गैस धीरे-धीरे लोगों को घरों में घुसने लगी, तो लोग घबराकर बाहर आए, लेकिन यहां तो हालात और भी ज्यादा खराब थे। किसी ने रास्ते में ही दम तोड़ दिया, तो कोई हांफते-हांफते ही मर गया। कोई इस तरह के मंजर से डरकर ही अपनी जगह से उठ नहीं पाए, कोई भी इस तरह के हादसे के लिए कोई तैयार नहीं था। जैसे-जैसे रात बीत रही थी, अस्पतालों में भीड़ बढ़ती जा रही थी, लेकिन डॉक्टरों को ये मालूम नहीं था कि हुआ क्या है? और इसका इलाज कैसे करना है? उस समय किसी की आंखों के सामने अंधेरा छा रहा था, तो किसी का सिर चकरा रहा था और सांस की तकलीफ तो सभी को थी। जबकि, कइयों की लाशें तो सड़कों पर ही पड़ी थीं। रेल्वे स्टेशन एवं बस स्टैंड में लोगो का ढेर लगा हुआ था । किसी को कुछ समझ नहीं आ रहा था की क्या करें। इस गैस त्रासदी को 39 साल हो चुके हैं, आइये जानते है क्या हुआ उस भयंकर काली रात को जिसने हजारों लोगों को पल में मौत का ग्रास बना डाला । भोपाल में 2-3 दिसम्बर 1984 यानी आज से 39 साल पहले दर्दनाक हादसा हुआ था । इतिहास में यह भोपाल गैस कांडया भोपाल गैस त्रासदी के नाम से दफन है है, भोपाल गैस त्रासदी दुनिया की सबसे बड़ी औद्योगिक दुर्घटना मानी जाती है । 2-3 दिसंबर 1984 की रात भोपाल स्थित कीटनाशक बनाने वाली यूनियन कार्बाइड नामक कंपनी के कारखाने से एक जहरीली गैस मिथाइल आइसोसायनाइड का रिसाव हुआ, दरअसल यहां पर प्लांट को ठंडा रखने के लिए मिथाइल आइसोसायनाइड नाम की गैस को पानी के साथ मिलाया जाता था लेकिन उस रात इसके कॉन्बिनेशन में गड़बड़ी हो गई और पानी लीक होकर टैंक में पहुंच गया। इसके बर्फ प्लांट के 610 नंबर टैंक में तापमान के साथ प्रेशर बढ़ गया। इसके बाद गैस रिसाव तेजी से होने लगा। देखते ही देखते हालात बेकाबू हो गए और जहरीले के पूरे भोपाल शहर में फैल गई। यह गैस हवा के साथ मिलकर आसपास के इलाकों में फैल रही थी। इसके बाद भोपाल में लाशों के ढेर लग गए । अस्पतालों पर मरीजों की लंबी लाइन लग गई। ' बताते हैं कि उस समय फैक्ट्री का अलार्म सिस्टम भी घंटों तक बंद रहा था, जबकि उसे बिना किसी देरी के ही बजना था। जैसे-जैसे रात बीत रही थी, अस्पतालों में भीड़ बढ़ती जा रही थी, लेकिन डॉक्टरों को ये मालूम नहीं था कि हुआ क्या है? और इसका इलाज कैसे करना है? एक अनुमान के मुताबिक, सिर्फ दो दिन में ही 50 हजार से ज्यादा लोग इलाज के लिए पहुंचे थे। जिससे लगभग 15,000 लोगों की जान गई और कई लोग अनेक तरह की शारीरिक अपंगता से लेकर अंधेपन के भी शिकार हुए, जो आज भी त्रासदी की मार झेल रहे हैं । सरकारी आंकड़ों के अनुसार भोपाल गैस त्रासदी में कुल 3787 मौतें हुई थीं। लेकिन गैस कांड के अगले तीन-चार दिन में हुए अंतिम संस्कारों के आंकड़े कुछ और ही कहानी कहते नजर आते हैं। गैस कांड के बाद वन विभाग के डिपो से दाह संस्कारों के लिए इतनी लकडियां गई थीं जिनसे पांच हजार से अधिक अंतिम संस्कार कर दिए जाएं। यह संख्या तो केवल दाह संस्कारों की है, इसके अतिरिक्त अन्य तरीकों से हुए शवों के अंतिम संस्कारों को जोड़ दें तो यह आंकड़ा सरकारी आंकड़ों से दोगुने से कहीं ज्यादा नजर आता है । इस हादसे का मुख्य आरोपी था वॉरेन एंडरसन, जो इस कंपनी का सीईओ था।

बातूनी महिलाएं भी अब सोशल ओक्वर्डनेस की समस्या का अनुभव करने लगी हैं

लेखिका : स्नेहा सिंह

> वह पढ़ाई के मामले में कितनी सजग क्यों न हों, फिर भी हाउसवाइफ मम्मा का जो ग्रुप होता है, उसमें वे घुलमिल नहीं सकतीं। मम्मियां स्कूल के फंकशन में मिलती हैं तो अनुभव होता है कि हाउसवाइफ मम्मी जितनी आसानी से एकदूसरे से इंटरेक्शन कर सकती हैं, उतना इंटरेक्शन वर्किंग मम्मियां नहीं कर सकतीं। तमाम बातों की तो उन्हें जानकारी ही नहीं होती, क्योंकि वे रोजाना तो स्कूल आ नहीं सकतीं। जबकि ऐसा मात्र स्कूल मीटिंग में ही होता है ऐसा नहीं है। ऐसा सामाजिक कार्यक्रमों और सोसायटी की मीटिंगों में भी होता है। घर के मौकों पर भी ऐसा ही होता है। क्या है सोशल ओक्वर्डनेस यह शब्द वैसे तो साइकोलॉजिकल टर्म्स का है।

अभी-अभी अंग्रेजी में एक वाक्य पढ़ने को मिला है कि आई एम सोशयली ओक्वर्ड। आजकल यह वाक्य कुछ अधिक ही सुनने को मिल रहा है। लोग इसे स्वीकार भी करने लगे हैं, साथ ही साथ इससे कभी-कभी परेशानी का भी अनुभव करते हैं। वैसे तो पुरुषों की अपेक्षा महिलाओं को बातूनी कहा जाता है। पुरुष जल्दी व्यक्त नहीं होते, जल्दी दूसरों से घुलमिल नहीं पाते, पर महिलाएं आसानी से घुलमिल सकती हैं, इसमें अगर उनकी पसंद के लोग हों तो वहां तो महिलाएं आसानी से दिल खोल सकती हैं। खैर, अब सोशल मीडिया और मोबाइल के युग में यह बात नहीं रही। अब महिलाएं भी सोशयली ओक्वर्डनेस का अनुभव करती हैं। अलबत्त, सोशल मीडिया या मोबाइल का इसमें दोष नहीं है। इसमें हमारी लाइफस्टाइल भी उतनी ही जिम्मेदार है। सच पूछो तो सोशयली ओक्वर्डनेस नौकरी करने वाली महिलाएं अधिक अनुभव करती हैं। एक ऐसे ही छोटे उदाहरण से बात करते हैं। नौकरी करने वाली माएं आप को स्कूल में पीटीएम यानी कि पैरेंट्स टीचर मीटिंग के दौरान ही देखने को मिलती हैं। उस समय उन्हें अनुभव होता है कि उनका बच्चा स्कूल में क्या करता है, डे बाई डे वे इसकी जानकारी नहीं रख पाती हैं। महीने में एक बार स्कूल आना होता है, उस समय बच्चे को रोजाना स्कूल छोड़ने और ले जाने वाली माओं की अपेक्षा उन्हें जानकारी कम होती है। भले ही वह पढ़ाई के मामले में कितनी सजग क्यों न हों, फिर भी हाउसवाइफ मम्मा का जो ग्रुप होता है, उसमें वे घुलमिल नहीं सकतीं। मम्मियां स्कूल के फंकशन में मिलती हैं तो अनुभव होता है कि हाउसवाइफ मम्मी जितनी आसानी से एकदूसरे से इंटरेक्शन कर सकती हैं, उतना इंटरेक्शन वर्किंग मम्मियां नहीं कर सकतीं। तमाम बातों की तो उन्हें जानकारी ही नहीं होती, क्योंकि वे रोजाना तो स्कूल आ नहीं सकतीं। जबकि ऐसा मात्र स्कूल मीटिंग में ही होता है ऐसा नहीं है। ऐसा सामाजिक कार्यक्रमों और सोसायटी की मीटिंगों में भी होता है। घर के मौकों पर भी ऐसा ही होता है। क्या है सोशल ओक्वर्डनेस यह शब्द वैसे तो साइकोलॉजिकल टर्म्स का है। सोशयली मतलब कि सामाजिक मिलाप, अपने घर के सदस्यों (पति, माता, पिता और बच्चे) के अलावा किसी अन्य से बातचीत करने में घबराहट होना, एंजायटी फील होना, परेशानी का अनुभव होना या मिलनेजुलने पर जल्दी भाग जाने का मन होना, इसे सोशयली ओक्वर्डनेस का अनुभव करना कहते हैं। यहां हम इतने मजबूत सिस्टम्स की बात नहीं कर रहे हैं। यहां सामान्य लक्षणों की बात हो रही है, जो अपनी व्यस्तता के कारण हम अनुभव कर सकते हैं। व्यस्तता के साथ मोबाइल के अधिक उपयोग के कारण भी ऐसा अनुभव होता है। आप विचार कीजिए कि आप किसी से मिल रही हैं, किसी से मिलती हैं तो उसका अभिवादन करती हैं, उसके साथ औपचारिक बातें करती हैं। लगभग पांच से दस मिनट बात करने के बाद जब उस व्यक्ति के साथ अधिक देर तक खड़े होना पड़ता है तो आप को लगता है कि अब क्या बातें करें? आगे क्या कहें? उस समय शायद एक ही बात बारबार रिपीट करें या फिर इधर-उधर देखने लगें या फिर वहां से जाने का कारण ढूंढ़ने लगें। अब दूसरा शस्त्र मोबाइल भी है। किसी से मिलने और औपचारिक बातचीत करने के बाद उसमें लगे रहने का मन होता है, उसमें इंगेज होने का मन होता है। अगर आपको भी ऐसा होता है तो इसे सोशल ओक्वर्ड कह सकते हैं। इसमें एंजायटी या अनइजिनेस न फील हो बस। आप को अमुक समय बाद सामने वाले से क्या बात करनी है यह नहीं सूझता। इसका कारण मोबाइल भी है और अपनी व्यस्तता भी है। आतेजाते हमारा सगे-संबंधियों से मिलना न हुआ हो तो जब मिलते हैं तो अमुक समय बाद अनुभव होता है कि क्या बात करें, क्योंकि हम अपनी रूटीन लाइफ में इतना व्यस्त होते हैं कि अन्य बातों पर ध्यान नहीं दे पाते। 0 मोबाइल और व्यस्तता दोनों जिम्मेदार आप सोशियली ऐक्टिव न हों, आप के पास इतना समय ही न हो तो आप अपने आसपास मिलनेजुलने का आयोजन हो रहा हो और उसमें आप का जाने का मन हो और उसमें आप जा न पाएं और फिर जाना हो तो ऐसा अनुभव होता है कि दूसरे लोगों के ग्रुप में कहीं अकेली रह गई हैं। क्योंकि उन लोगों की तरह बारबार एकदूसरे से मिल नहीं सकतीं। कभी-कभार तो ऐसा भी होता है कि आप आते जाते मिल नहीं सकतीं और गेट टू गेदर में जा नहीं सकतीं तो लोग घमंडी का टैग दे देते हैं। सही में यह घमंडीपन नहीं होता। यह बस समय का अभाव होता है, पर हम इस बात को एक्सप्लेन नहीं कर सकतीं। इनके नजदीक रहने वाले लोग यह जानते हैं कि व्यक्ति स्वभाव से अच्छा है, निखालस है। बस उसके पास इतना समय नहीं है कि वह अपनी निखालसता लोगों को बता सकें। कभी-कभार हम कम बोलने वाले लोगों के बारे में भी ऐसी धारणा बना लेते हैं कि यह घमंडी है, पर सच पूछो तो उसके नजदीक जाने के बाद, उससे थोड़ा हिलनेमिलने के बाद हमारी समझ में आता है कि यह व्यक्ति तो बिलकुल ही घमंडी नहीं है।

क्या बेहतर शिक्षा के लिए विदेशी विश्वविद्यालय सर्वोत्तम विकल्प हैं

लेखक :विजय गर्ग

> यह औपनिवेशिक मानसिकता है जिसने हमें विदेशों को अपनी मातृभूमि से बेहतर मानने पर मजबूर कर दिया है? यदि हम इस पलायन के पीछे के मुद्दों का विश्लेषण करें, तो हम पाते हैं कि कई मुद्दे हैं, और किसी एक समस्या को इंगित करना चुनौतीपूर्ण है। हमारी उच्च शिक्षा में एक मुख्य मुद्दा हमारे सार्वजनिक क्षेत्र के विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में अपनाई जाने वाली अनावश्यक प्रशासनिक प्रक्रियाएँ हैं। जटिल विषयों को सीखने की तुलना में इन संस्थानों के प्रशासनिक लोगों से निपटना अधिक चुनौतीपूर्ण है।

भारत में विदेशी विश्वविद्यालय परिसर कई कारणों से अच्छे हो सकते हैं भारत में विदेशी विश्वविद्यालय परिसर कई कारणों से अच्छे हो सकते हैं लेकिन उच्च शिक्षा में सुधार उनमें से एक नहीं है भारत में स्थापित होने वाले विदेशी विश्वविद्यालयों के नियमों के संबंध में यूजीसी की नवीनतम अधिसूचना के साथ, किसी प्रतिष्ठित विदेशी विश्वविद्यालय से डिग्री प्राप्त करना विशेषाधिकार प्राप्त वर्ग के लिए मुश्किल नहीं रह जाएगा। हाल के दिनों में, उच्च अध्ययन और नौकरियों के लिए भारतीय छात्रों का विदेशों में पलायन हुआ है। केरल और पंजाब जैसे राज्यों में यह चलन दिनोदिन बढ़ता जा रहा है। यह प्रवृत्ति इतनी चिंताजनक है कि स्कूली शिक्षा के बाद भी, छात्र मातृभूमि छोड़ देते हैं, और कई लोग आलीशान घरों में रहने वाले वृद्ध जोड़ों की एक पीढ़ी की उम्मीद करते हैं। लोग विदेशी देशों में क्यों जा रहे हैं? क्या इसका कारण हमारे देश में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की कमी है? क्या यह हमारे शैक्षणिक संस्थानों में खराब बुनियादी ढांचे की कमी है? या क्या यह औपनिवेशिक मानसिकता है जिसने हमें विदेशों को अपनी मातृभूमि से बेहतर मानने पर मजबूर कर दिया है? यदि हम इस पलायन के पीछे के मुद्दों का विश्लेषण करें, तो हम पाते हैं कि कई मुद्दे हैं, और किसी एक समस्या को इंगित करना चुनौतीपूर्ण है। हमारी उच्च शिक्षा में एक मुख्य मुद्दा हमारे सार्वजनिक क्षेत्र के विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में अपनाई जाने वाली अनावश्यक प्रशासनिक प्रक्रियाएँ हैं। जटिल विषयों को सीखने की तुलना में इन संस्थानों के प्रशासनिक लोगों से निपटना अधिक चुनौतीपूर्ण है। इन संस्थानों में डॉक्टरेट की डिग्री लेने वाले छात्रों का आधा उत्पादक समय प्रशासन में लोगों से निपटने में बर्बाद हो जाता है। छात्रों को विभिन्न अनुभागों से, यहां तक कि उनके पाठ्यक्रम से असंबंधित अनुभागों से भी अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त करना होगा। पीएचडी डिग्री प्रदान करने के बाद भी, यदि छात्र नेट छूट प्रमाणपत्र चाहते हैं, तो उन्हें कागजी कार्रवाई का पूरा चक्र दोहराना होगा। इन जटिल प्रशासनिक प्रक्रियाओं की क्या आवश्यकता है? क्या यह बेरोजगार स्टाफ सदस्यों की नौकरी की रक्षा के लिए है? एकेडमी ऑफ साइंटिफिक एंड इनोवेटिव रिसर्च (एसीएसआईआर) जैसे कुछ नई पीढ़ी के सार्वजनिक क्षेत्र के विश्वविद्यालयों ने इन जटिल प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित किया है, कागजी कार्रवाई को कम किया है और अपनी वेबसाइट पर निर्धारित समयसीमा के भीतर काम पूरा किया है। हालाँकि, अधिकांश लोग अभी भी पुरानी संस्कृति का पालन करते हैं। कई छात्र बिना किसी परेशानी के निर्धारित समय के भीतर अपनी डिग्री पूरी करने के लिए विदेश चले जाते हैं। बड़े पैमाने पर पलायन का दूसरा कारण विदेशों में उनका आकर्षक वेतन है। वे दिन गए जब विद्यार्थी नौकरी को सेवा के रूप में कार्य करते थे। आजकल छोटी-सी सहायता के लिए भी विद्यार्थी पारिश्रमिक की अपेक्षा रखता है। जब हम छात्र थे, तो हम अपने शिक्षकों को विभागीय पुस्तकालयों और उद्यानों को बनाए रखने में मदद करते थे। ट्यूशन फीस अधिक होने के कारण इन विश्वविद्यालयों में केवल संपन्न वर्ग के लोगों को ही प्रवेश मिल पाता था। इससे भी अधिक, भले ही कोई छात्र भारत में एक परिसर वाले विदेशी विश्वविद्यालय से डिग्री प्राप्त करता है, लेकिन इसका महत्व संबंधित देशों में उनके मुख्य परिसर में अध्ययन के समान नहीं होगा। किसी विश्वविद्यालय की संस्कृति का सीधा संबंध समाज में अपनाई जाने वाली संस्कृति से होता है। इसलिए, भले ही कोई विदेशी विश्वविद्यालय किसी विदेशी संस्कृति का अनुसरण करने की कोशिश करता हो, देशी सामाजिक संस्कृति उनके परिसरों पर प्रतिबिंबित होने के लिए ।

अप्रैल-सितंबर के दौरान केमन द्वीपसमूह और साइप्रस से घटा प्रत्यक्ष विदेशी निवेश

- आंकड़ों के अनुसार अप्रैल-सितंबर के दौरान केमैन आइलैंड से एफडीआई 75 प्रतिशत घटकर 145 मिलियन अमेरिकी डॉलर रह गया, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 582 मिलियन अमेरिकी डॉलर था।

एनटीवी, नई दिल्ली

सरकारी आंकड़ों के अनुसार अप्रैल-सितंबर वित्तीय वर्ष 2024 के दौरान केमैन द्वीप और साइप्रस से भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश में उल्लेखनीय गिरावट आई। समीक्षाधीन तिमाही में कुल एफडीआई प्रवाह 24 प्रतिशत गिर गया। जानिए किस इन दोनों देश से कितना कम हुआ एफडीआई क्या है गिरावट का कारण और विशेषज्ञों का क्या है मानना। भारत में विदेशी निवेश (प्रत्यक्ष विदेशी निवेश) के मामले में चिंता की खबर सामने आ रही है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक,वित्त वर्ष 24 के अप्रैल-सितंबर के दौरान केमैन आइलैंड (केमन द्वीपसमूह) और साइप्रस (साइप्रस) से भारत में फॉरेंन डायरेक्ट इंवेस्टमेंट (प्रत्यक्ष विदेशी निवेश) में काफी कमी आई है। कहां से कितना एफडीआई हुआ कम? आंकड़ों के अनुसार अप्रैल-सितंबर के दौरान केमैन आइलैंड से एफडीआई 75 प्रतिशत घटकर 145 मिलियन अमेरिकी डॉलर रह गया, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 582 मिलियन अमेरिकी डॉलर था। वहीं साइप्रस से एफडीआई इनफ्लो 95 प्रतिशत से अधिक घटकर 35 मिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया, जो एक साल पहले की समान अवधि में 764 मिलियन अमेरिकी डॉलर था। क्या है गिरावट के कारण? विशेषज्ञों के मुताबिक गिरावट का कारण पूर्वी यूरोप और पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक स्थितियों के कारण अमेरिका और अन्य पश्चिमी देशों में उच्च मुद्रास्फीति के कारण बढ़ी हुई ब्याज दरें हो सकती है। पीटीआई को नांगिया एंडरसन इंडिया कि अंजलि मल्होत्रा ने कहा, 2023-24 की पहली छमाही के दौरान केमैन द्वीप और साइप्रस के साथ-साथ सिंगापुर और संयुक्त अरब अमीरात जैसे अन्य टैक्स हेवेन से एफडीआई प्रवाह ने भी अपनी चमक खो दी है। डेलॉइट इंडिया के संजय कुमार ने कहा, साइप्रस से दुनिया भर में कुल एफडीआई आउटफ्लो 62 प्रतिशत की सीएजीआर (चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर) से घट रहा है। इस साल अक्टूबर में, इस क्षेत्र को एफएटीएफ (फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स) द्वारा ग्रे सूची से हटा दिया गया था और इसके परिणामस्वरूप आने वाले समय में केमैन द्वीप से सकारात्मक एफडीआई प्रवाह हो सकता है। अब तक 24 प्रतिशत गिरा एफडीआई समीक्षाधीन तिमाही में एफडीआई इनफ्लो कुल 24 प्रतिशत गिरा है। कंप्यूटर हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर, टेलीकॉम, ऑटो और फार्मा में कम इनफ्लो के कारण अप्रैल-सितंबर 2023-24 में भारत में एफडीआई 24 प्रतिशत घटकर 20.48 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया।

- 2023-24 की पहली छमाही के दौरान केमैन द्वीप और साइप्रस के साथ-साथ सिंगापुर और संयुक्त अरब अमीरात जैसे अन्य टैक्स हेवेन से एफडीआई प्रवाह ने भी अपनी चमक खो दी है।

प्लेटफॉर्म पर डार्क-पैटर्न प्रतिबंधित, रोकथाम-विनियमन दिशानिर्देश के लिए सरकार ने जारी की अधिसूचना

एनटीवी, नई दिल्ली

केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने 30 नवंबर को इस संबंध में ह्यडार्क पैटर्न रोकथाम एवं विनियमन दिशानिर्देश के लिए गजट अधिसूचना जारी की। यह अधिसूचना भारत में वस्तुओं और सेवाओं की पेशकश करने वाले सभी मंचों और विज्ञापनदाताओं तथा विक्रेताओं पर भी लागू है। ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म अब उपभोक्ता के हितों से खिलवाड़ नहीं कर सकेंगे। उन्हें धोखा नहीं दे सकेंगे। सरकार ने उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा करने के लिए ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर डार्क पैटर्न के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगा दिया है।

दरअसल, कंपनियां या कारोबारी डार्क पैटर्न के जरिये ग्राहकों को धोखा देने या उनके व्यवहार या उनके पसंद को प्रभावित करने की कोशिश करते हैं।

केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने 30 नवंबर को इस संबंध में डार्क पैटर्न रोकथाम एवं विनियमन दिशानिर्देश के लिए गजट अधिसूचना जारी की। यह अधिसूचना भारत में वस्तुओं और सेवाओं की पेशकश करने वाले सभी मंचों और विज्ञापनदाताओं तथा विक्रेताओं पर भी लागू है। उपभोक्ता मामलों के सचिव रोहित कुमार सिंह के मुताबिक, अधिसूचित दिशानिर्देश सभी हितधारकों,खरीदारों, विक्रेताओं, बाजारों और नियामकों के लिए स्पष्टता लाएंगे कि अनुचित व्यापार गतिविधियों के रूप में क्या स्वीकार्य नहीं है।

इनका उल्लंघन करने वाला उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के तहत उत्तरदायी होगा। उपभोक्ताओं को गुमराह करने के लिए धड़ल्ले से हो रहा इस्तेमाल रोहित कुमार सिंह, उपभोक्ता मामलों के सचिव का कहना है कि ई-कॉमर्स बढ़ने के साथ ही उपभोक्ताओं को उनकी खरीदारी के विकल्पों और व्यवहार में हेरफेर करके गुमराह करने के लिए मंचों की ओर से डार्क पैटर्न का तेजी से इस्तेमाल किया जा रहा है। अधिकारों का उल्लंघन होगा नए दिशानिर्देशों के मुताबिक डार्क पैटर्न का सहारा लेना उपभोक्ता अधिकारों का उल्लंघन होगा। इसे भ्रामक विज्ञापन या अनुचित व्यापार व्यवहार माना जाएगा।ऐसा करने पर उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार जुमार्ना लगाया जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

क्षेत्रीय पार्टियों में सपा की संपत्ति सबसे ज्यादा बढ़ी, बीआरएस दूसरे नंबर पर

एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स के अनुसार, वित्त वर्ष 2020-21 के दौरान, सपा ने कुल 561.46 करोड़ रुपये की संपत्ति घोषित की, जो 2021-22 में 1.23 प्रतिशत बढ़कर 568.369 करोड़ रुपये हो गई।

चार राज्यों के विधानसभा चुनाव परिणामों के बीच राजनीतिक पार्टियों से जुड़ा एक महत्वपूर्ण डाटा सामने आया है। समाजवादी पार्टी (सपा) ने वर्ष 2021-22 के लिए में क्षेत्रीय दलों में सबसे अधिक संपत्ति घोषित की है। उसके बाद दूसरे नंबर पर तेलंगाना भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) का स्थान रहा। बता दें कि तेलंगाना में सत्ता पर काबिज बीआरएस को विधानसभा चुनाव के ताजा परिणामों में कांग्रेस ने बाहर का रास्ता दिखा दिया है। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स के अनुसार, वित्त वर्ष 2020-21 के दौरान, सपा ने कुल 561.46 करोड़ रुपये की संपत्ति घोषित की, जो 2021-22 में 1.23 प्रतिशत बढ़कर 568.369 करोड़ रुपये हो गई। सपा के बाद बीआरएस ने वित्त वर्ष 2020-21 में 319.55 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2021-22 में 512.24 करोड़ रुपये की कुल संपत्ति घोषित की। दो वर्षों में, द्रमुक, बीजद और जद (यू) की कुल संपत्ति में 95 प्रतिशत की वृद्धि हुई। द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) ने 2020-21 में 115.708 करोड़ रुपये की संपत्ति घोषित की, जो 2021-22 में 244.88 प्रतिशत बढ़कर 399 करोड़ रुपये से अधिक हो गई। बीजू जनता दल ने 2020-21 में 194 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति घोषित की थी, जो 2021-22 में 143 प्रतिशत बढ़कर 474 करोड़ रुपये हो गई, जबकि जद (यूएस) ने 2020-21 में 86 करोड़ रुपये की संपत्ति घोषित की, जो 2021-22 में 95 प्रतिशत से अधिक बढ़कर 168 करोड़ रुपये हो गई। वहीं आम आदमी पार्टी की संपत्ति 2020-21 और 2021-22 के बीच 71.76 प्रतिशत बढ़ी और यह 21.82 करोड़ रुपये से बढ़कर 37.477 करोड़ हो गई। रिपोर्ट में कहा गया है कि शीर्ष 10 दलों में अन्नाद्रमुक और तेदेपा ही ऐसी पार्टियां हैं जिनकी घोषित वार्षिक संपत्ति में क्रमशः 1.55 प्रतिशत और 3.04 प्रतिशत की कमी आई है।

त्रिपुरा सरकार का बड़ा फैसला, किसानों से 40,000 टन धान खरीदेगी

- खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुशांत चौधरी ने कहा कि जिलों के सभी 49 केंद्रों पर धान की खरीद की जाएगी और यह प्रक्रिया 11 दिसंबर से शुरू होकर 31 जनवरी तक चलेगी।

एनटीवी, नई दिल्ली

पिछले वर्षों की तरह इस बार भी किसानों से 21.83 रुपये प्रति किलोग्राम के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर 40,000 टन धान खरीदा जाएगा। उन्होंने किसानों से अपना धान निर्धारित केन्द्रों पर बेचकर न्यूनतम समर्थन मूल्य का लाभ उठाने की अपील की। अगरतला। त्रिपुरा सरकार चालू सत्र में 21.83 रुपये प्रति किलोग्राम के न्यूनतम समर्थन मूल्य पर किसानों से 40,000 टन धान खरीदेगी। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुशांत चौधरी ने कहा कि जिलों के सभी 49 केंद्रों पर धान की खरीद की जाएगी और यह प्रक्रिया 11 दिसंबर से शुरू होकर 31 जनवरी तक चलेगी। चौधरी ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान कहा, पिछले वर्षों की तरह इस बार भी किसानों से 21.83 रुपये प्रति किलोग्राम के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर 40,000 टन धान खरीदा जाएगा। उन्होंने किसानों से अपना धान निर्धारित केन्द्रों पर बेचकर न्यूनतम समर्थन मूल्य का लाभ उठाने की अपील की। मंत्री ने कहा, खरीद से किसानों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति और बेहतर होगी। यह पीएम किसान के प्रमुख कार्यक्रम के अतिरिक्त होगा, जिसके तहत प्रत्येक किसान को तीन चरणों में सालाना 6,000 रुपये मिलते हैं।

31 हजार करोड़ की हेराफेरी को नजरअंदाज करने वाले ऑडिटरों पर लगा जुमार्ना सही, एनएफआरए के आदेश को रखा बरकरार

एनटीवी, नई दिल्ली

एनसीएलएटी के जस्टिस राकेश कुमार जैन और तकनीकी सदस्य नरेश सलेचा ने एनएफआर के फैसले को बरकरार रखते हुए कहा कि आदेश में कोई खामी नहीं है। बल्कि, एनएफआरए का आदेश जनता को जागरूक बनाने और उन्हें अच्छे वित्तीय निर्णय लेने में मदद करने में प्रभावी बनाने के लिए बेहद जरूरी है। राष्ट्रीय कंपनी विधि अधिकरण (एनसीएलएटी) ने 31 हजार करोड़ की हेराफेरी को नजरअंदाज करने वाले ऑडिटरों पर लगाए गए जुमार्ने को सही माना है। अधिकरण ने डीएचएफएल के खिलाफ राष्ट्रीय वित्तीय रिपोर्टिंग प्राधिकरण (एनएफआरए) के आदेश को बरकरार रखा है। एनएफआरए ने 30 सितंबर को डीएचएफएल के 18 आंतरिक ऑडिटरों पर 18 लाख रुपये का जुमार्ना लगाया था, साथ ही उनके कहीं भी ऑडिटर के तौर पर काम करने पर प्रतिबंध लगा दिया था। नियामकीय जांच में पाया गया कि डीएचएफएल की अलग-अलग शाखाओं में ऑडिटर के तौर पर काम करने वाले लोगों ने अपने कर्तव्यों का उल्लंघन किया था। आदेश जागरूक करने वाला एनसीएलएटी के जस्टिस राकेश कुमार जैन और तकनीकी सदस्य नरेश सलेचा ने एनएफआर के फैसले को बरकरार रखते हुए कहा कि आदेश में कोई खामी नहीं है। बल्कि, एनएफआरए का आदेश जनता को जागरूक बनाने और उन्हें अच्छे वित्तीय निर्णय लेने में मदद करने में प्रभावी बनाने के लिए बेहद जरूरी है। एनसीएलएटी ने स्पष्ट किया कि एनएफआरए के आदेशों से प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का कोई उल्लंघन नहीं होता है। एनएफआरए के पास पर्याप्त अधिकार आदेश में कहा गया है कि एनएफआरए के पास आईसीएआई की शक्तियों और प्राधिकार की तुलना में आईसीएआई के सदस्यों के पेशेवर कदाचार को रोकने के लिए पर्याप्त शक्तियां और अधिकार हैं। अधिकरण ने कहा कि ऑडिटरों की नियुक्ति की प्रक्रिया में कोई बदलाव की जरूरत नहीं है। लेकिन, ऑडिटिंग के वही मानक शाखा ऑडिट में भी लागू होते हैं, जो किसी विधिक ऑडिट पर लागू होते हैं। ऑडिटिंग के मानक सीए के लिए केवल मार्गदर्शन मात्र नहीं है, बल्कि इनका पालन करना अनिवार्य है। अपीलकताओं की तरफ से ऑडिटिंग के मानकों का उल्लंघन किया गया है, लिहाजा एनएफआरए की तरफ से लगाए गया जुमार्ना भी उचित है।

एलआईसी ने निदेशक मंडल में शेयरधारकों के निदेशकों को नियुक्त करने को नियमों में संशोधन किया

- भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) सबसे बड़ी आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) के साथ पिछले साल भारतीय पूंजी बाजार में सूचीबद्ध हुई थी।

एनटीवी, नई दिल्ली

निगम कम से कम एक हजार शेयरधारकों या शेयरधारकों की कुल संख्या का दसवां हिस्सा, जो भी कम हो, के नोटिस पर ऐसे शेयरधारकों की एक आम बैठक के माध्यम से शेयरधारकों के निदेशक का चयन करेगा। शेयरधारकों के निदेशक के रूप में चुने गए व्यक्ति को निदेशक मंडल चार साल की अवधि के लिए नियुक्त करेगा। सार्वजनिक क्षेत्र की बीमा कंपनी एलआईसी ने शनिवार को कहा कि उसने अपने निदेशक मंडल में शेयरधारकों के निदेशकों को शामिल करने की अनुमति देने के लिए नियमों में संशोधन किया है। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) सबसे बड़ी आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) के साथ पिछले साल भारतीय पूंजी बाजार में सूचीबद्ध हुई थी। सरकार ने आईपीओ के जरिये कंपनी में अपनी 3.5 प्रतिशत हिस्सेदारी का विनिवेश कर 20,557 करोड़ रुपये जुटाए थे। 2023 में वरिष्ठ नागरिकों के लिए सुरुचिपूर्ण नए स्कूटरः कीमतें आपको आश्चर्यचकित कर सकती हैं मोबिलिटी स्कूटर` विज्ञापन खोजें एलआईसी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि भारतीय जीवन बीमा निगम (शेयरधारक निदेशक) नियमन, 2023 को एक दिसंबर, 2023 को भारत के राजपत्र में अधिसूचित किया गया है। संशोधित नियम में कहा गया है कि निगम कम से कम एक हजार शेयरधारकों या शेयरधारकों की कुल संख्या का दसवां हिस्सा, जो भी कम हो, के नोटिस पर ऐसे शेयरधारकों की एक आम बैठक के माध्यम से शेयरधारकों के निदेशक का चयन करेगा। इसमें कहा गया है कि शेयरधारकों के निदेशक के रूप में चुने गए व्यक्ति को निदेशक मंडल चार साल की अवधि के लिए नियुक्त करेगा। वह चार साल की एक और अवधि के लिए फिर से चयन और पुनः नियुक्ति के लिए पात्र होगा। वर्तमान में, एलआईसी के चेयरमैन सिद्धार्थ मोहंती समेत पांच कार्यकारी निदेशक, नौ स्वतंत्र निदेशक और एक सरकार की तरफ से नामित निदेशक हैं।

रणवीर सिंह ने किया सेक्सुअल वेलनेस स्टार्टअप में निवेश, बने 'बोल्ड केयर' ब्रांड के को-ओनर

एनटीवी, नई दिल्ली

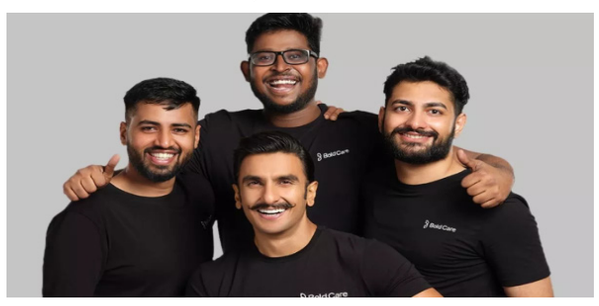

बॉलीवुड अभिनेता रणवीर सिंह ने पुरुषों के लिए यौन स्वास्थ्य और कल्याण ब्रांड बोल्ड केयर के साथ साझेदारी की है। रणवीर कंपनी में सह-मालिक के तौर पर शामिल हुए हैं। ब्रांड के साथ सहयोग करके रणवीर सिंह भारत में यौन स्वास्थ्य और कल्याण के बारे में जागरूकता फैलाएंगे। यह कंपनी पुरुषों की यौन स्वास्थ्य समस्याओं के लिए विज्ञान-आधारित समाधान प्रदान करती है। रणवीर सिंह ने किया सेक्सुअल वेलनेस स्टार्टअप में निवेश, बने 'बोल्ड केयर' ब्रांड के को-ओनर रणवीर ने इससे पहले भी कंडोम की एड कर फैलाई थी जागरुकता मेन्स सेक्सुअल हेल्थ एंड वेलनेस ब्रांड बोल्ड केयर (बोल्ड केयर) के साथ बॉलीवुड अभिनेता रणवीर सिंह ने पार्टनरशिप किया है। रणवीर कंपनी के साथ को-ओनर (सह मालिक) के तौर पर जुड़े हैं। ब्रांड के साथ जुड़कर रणवीर सिंह भारत में यौन स्वास्थ्य और कल्याण के बारे में जागरुकता फैलाएंगे। बोल्ड केयर ब्रांड पुरुषों के इंटिमेट हेल्थ इश्यू जैसे शीघ्रपतन और स्तंभन दोष सहित अन्य समस्याओं के लिए विज्ञान पर आधारित समाधान प्रदान करता है। इससे पहले भी रणवीर ने सेक्सुअल वेलनेस पर फैलाई है जागरुकता आपको बता दें कि यह पहली बार नहीं है कि रणवीर सिंह यौन कल्याण के बारे में जागरूकता फैला रहे हैं। साल 2014 में, उन्होंने कंडोम एड के जरिए जागरुकता फैलाई थी जिसके बाद उन्हें लोगों से प्रशंसा भी मिली थी।

एयर इंडिया के पायलट संगठनों ने उड़ान सेवा, आराम अवधि योजना पर चिंता जताई

- एयर इंडिया के पायलट संगठनों आईपीजी और आईसीपीए ने शनिवार को टाटा समूह की एयरलाइन की नयी उड़ान सेवा और आराम अवधि योजना पर गहरी चिंता जताई।

एनटीवी, मुंबई

एयर इंडिया एयर इंडिया ने उड़ान सेवा अवधि सीमा (एफडीटीएल) के साथ एक अतिरिक्त नीति की शुरूआत की है, जो डीजीसीए अधिकार और उद्देश्य को कमजोर करते हुए प्रतीत होते हैं। पायलट यूनियनों ने डीजीसीए से इस मुद्दे की समीक्षा और मूल्यांकन की भी मांग की है।

एयर इंडिया के पायलट संगठनों आईपीजी और आईसीपीए ने शनिवार को टाटा समूह की एयरलाइन की नयी उड़ान सेवा और आराम अवधि योजना पर गहरी चिंता जताई। इन संगठनों ने आरोप लगाया कि कंपनी डीजीसीए के मानदंडों से हट रही है। दो यूनियनों - इंडियन पायलट्स गिल्ड (आईपीजी) और इंडियन कमर्शियल पायलट्स एसोसिएशन (आईसीपीए) ने नागर विमानन महानिदेशालय को संयुक्त रूप से लिखे एक पत्र में यह आरोप लगाया।

पत्र में कहा गया है कि एयर इंडिया ने उड़ान सेवा अवधि सीमा (एफडीटीएल) के साथ एक अतिरिक्त नीति की शुरूआत की है, जो डीजीसीए अधिकार और उद्देश्य को कमजोर करते हुए प्रतीत होते हैं।

पायलट यूनियनों ने डीजीसीए से इस मुद्दे की समीक्षा और मूल्यांकन की भी मांग की है। इस मामले के समाधान के लिए उचित कदम उठाने का अनुरोध भी किया गया है।

पायलटों और चालक दल के सदस्यों की उड़ान सेवा अवधि विमानन सुरक्षा नियामक डीजीसीए नियंत्रित करता है। नियामक ने पिछले महीने पायलटों के लिए अधिक आराम के घंटों का प्रस्ताव दिया था।

- पायलट यूनियनों ने डीजीसीए से इस मुद्दे की समीक्षा और मूल्यांकन की भी मांग की है।

कपड़े की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिये प्रयोगशालाएं स्थापित की जाएंगी: पीयूष गोयल

- घरेलू उपभोक्ताओं के साथ ही निर्यात बाजारों के लिए कपास और वस्त्रों की उच्च गुणवत्ता सुनिश्चित करने को लेकर देश भर में 10-11 परीक्षण प्रयोगशालाएं स्थापित करने की योजना बना रही है।

एनटीवी, मुंबई

मूल्य श्रृंखला और प्रौद्योगिकी में सामूहिक प्रयासों से सरकार को भरोसा है कि देश का कपड़ा उद्योग 2030 तक 250 अरब डॉलर का हो सकता है और कपड़ा निर्यात 2030 तक 100 अरब डॉलर तक बढ़ सकता है। इस बीच, पांच दिसंबर को शुरू होने वाली पूर्ण बैठक में लगभग 400 प्रतिनिधि भाग लेंगे। केंद्रीय कपड़ा मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को कहा कि सरकार घरेलू उपभोक्ताओं के साथ ही निर्यात बाजारों के लिए कपास और वस्त्रों की उच्च गुणवत्ता सुनिश्चित करने को लेकर देश भर में 10-11 परीक्षण प्रयोगशालाएं स्थापित करने की योजना बना रही है।

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय की भी जिम्मेदारी संभाल रहे गोयल ने कहा, मैंने कपड़ा मंत्रालय, उपभोक्ता मामलों के विभाग के साथ चर्चा की है। वे उच्च गुणवत्ता वाले कपास और कपड़ा परीक्षण प्रयोगशालाओं की स्थापना के लिए भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) के साथ मिलकर काम करेंगे।

उन्होंने कहा, अगले 15 दिनों में यानी 16 दिसंबर तक, हम लगभग 60-70 लाख डॉलर के निवेश के साथ देश भर में प्रयोगशालाओं को मंजूरी देंगे।

अंतर्राष्ट्रीय कपास सलाहकार समिति (आईसीएसी) की शनिवार को शुरू हुई चार दिवसीय 81वीं पूर्ण बैठक को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा, हम चाहते हैं कि देश के विभिन्न हिस्सों में सबसे आधुनिक और उच्च गुणवत्ता वाली परीक्षण प्रयोगशालाएं खुलें। ताकि हम यह सुनिश्चित कर सके कि.... उपभोक्ताओं तक जो वस्त्र पहुंचे और जो निर्यात हो, उसकी गुणवत्ता बेहतर हो।

गोयल ने कहा कि सरकार शुरूआत में देश के विभिन्न हिस्सों में 10-11 प्रयोगशालाएं शुरू करेगी। मंत्री ने कहा, निजी क्षेत्र, विशेषकर किसानों को समर्थन देने के लिए इन प्रयोगशालाओं के लिए 100 प्रतिशत वित्त पोषण केंद्र सरकार करेगी।

इसका मकसद यह सुनिश्चित करना है कि धीरे-धीरे उन्हें बेहतर गुणवत्ता वाले कपास के उत्पादन के लिए मान्यता मिल सके और उन्हें इसके लिए अच्छा मूल्य मिलना शुरू हो जाए। गोयल ने कस्तूरी कॉटन भारत ब्रांड भी पेश किया। यह देश का एक मूल्यवर्धित प्रीमियम गुणवत्ता वाला कपास है।

उन्होंने यह भी कहा कि मूल्य श्रृंखला और प्रौद्योगिकी में सामूहिक प्रयासों से सरकार को भरोसा है कि देश का कपड़ा उद्योग 2030 तक 250 अरब डॉलर का हो सकता है और कपड़ा निर्यात 2030 तक 100 अरब डॉलर तक बढ़ सकता है। इस बीच, पांच दिसंबर को शुरू होने वाली पूर्ण बैठक में लगभग 400 प्रतिनिधि भाग लेंगे। इसमें 35 देशों के 300 विदेशी प्रतिनिधि शामिल हैं। इनमें विभिन्न कपास उत्पादक और उपभोक्ता देशों के सरकारी प्रतिनिधि, उद्योगपति, व्यापार प्रतिनिधि, वैज्ञानिक और शोधकर्ता शामिल हैं।

- मूल्य श्रृंखला और प्रौद्योगिकी में सामूहिक प्रयासों से सरकार को भरोसा है कि देश का कपड़ा उद्योग 2030 तक 250 अरब डॉलर का हो सकता है और कपड़ा निर्यात 2030 तक 100 अरब डॉलर तक बढ़ सकता है।

एमपी में जीतू पटवारी 18 हजार वोटों से पिछड़े, जानें राहुल के करीबी नेता की सीट पर कैसे बदले समीकरण

एनटीवी, भोपाल

कांग्रेस के कद्दावर नेता जीतू पटवारी को बड़ा झटका लगता दिख रहा है। दोपहर 12 बजे तक आए रुझानों और कुल 23 में से सात दौर की मतगणना के बाद, मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव 2023 में जीतू इंदौर की राऊ विधानसभा सीट से 18 हजारों से अधिक वोट से पिछड़ रहे हैं। मध्य प्रदेश में भाजपा को सत्ता से उखाड़ फेंकने के दावे करने वाली कांग्रेस को बड़ा झटका लगता दिख रहा है। विधानसभा चुनाव 2023 की मतगणना जारी है। मतगणना शुरू होने के चार घंटे से अधिक समय बीतने के बाद चुनाव आयोग के आधिकारिक रुझानों के अनुसार कांग्रेस के सितारे गर्दिश में दिख रहे हैं। सात दौर की मतगणना के बाद राहुल गांधी के करीबी नेता जीतू पटवारी 18 हजार से अधिक वोटों से पिछड़ रहे हैं। सियासी पंडितों का मानना है कि इन शुरूआती आंकड़ों में बड़े फेरबदल की संभावना नगण्य है। ऐसे में अगर अंतिम परिणाम में भी जीतू को मात मिली, तो कांग्रेस के लिए बड़ा झटका होगा। बता दें कि मध्य प्रदेश में जब कांग्रेस नेता कमलनाथ मुख्यमंत्री बने थे तो जीतू को युवा और खेल मामलों का मंत्री बनाया गया था। जीतू पटवारी को अगली पीढ़ी का नेता और कमलनाथ के बाद उभरता विकल्प माना जा रहा था, लेकिन उनकी खिसकती राजनीतिक जमीन कांग्रेस पार्टी के लिए तगड़ा झटका मानी जा रही है। जीतू पटवारी इंदौर के समृद्ध किसान परिवार से ताल्लुक रखते हैं। जीतू की तय मानी जा रही हार को भाजपा भी अपनी बड़ी सफलता के तौर पर पेश कर सकती है।

करीब छह साल पहले मध्य प्रदेश के मंदसौर में किसानों का आंदोलन जीतू के लिए लॉन्च पैड बना। 2017 की इस घटना में किसानों पर पुलिस की गोली चलना और जीतू का कांग्रेस की तरफ से आवाज बुलंद करना मीडिया की सुर्खियां बना। मध्य प्रदेश कांग्रेस में मीडिया सेल के प्रभारी रह चुके जीतू पटवारी एमपी कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष भी हैं। मध्य प्रदेश में कांग्रेस पार्टी के सचिव रह चुके जीतू युवा कांग्रेस इकाई में जिला और प्रदेश अध्यक्ष का पदभार भी संभाल चुके हैं।

2023 के चुनाव में कांग्रेस ने जीतू पटवारी को चुनाव प्रचार अभियान समिति का प्रमुख बनाया गया। संगठन संभालने में जीतू का अनुभव भी उन्हें बाकी नेताओं से आगे करता है। इंदौर की राऊ विधानसभा सीट से दो बार विधायक रह चुके जीतू पटवारी ने भाजपा सरकार के खिलाफ कांग्रेस की आक्रोश यात्रा के दौरान सीएम शिवराज सिंह चौहान पर तीखे जुबानी वार किए थे। मालवा इलाके में जीतू पटवारी कांग्रेस के अभियान की कमान संभाल रहे थे। पटवारी का परिवार कांग्रेस के अलावा ब्रिटिश हुकूमत से आजादी के संघर्ष में भी शामिल रहा। इंदौर के कस्बे में नवंबर, 1973 में जन्मे जीतू पटवारी ने कानून की पढ़ाई कर एलएलबी की डिग्री भी हासिल की। सियासी परिवार से आने के कारण कम उम्र में राजनीति शुरू करने वाले पटवारी 2013 में केवल 40 साल की आयु में पहली बार विधायक बने। मंदसौर में किसानों पर गोली चलने की घटना से पहले बार राष्ट्रीय मीडिया की सुर्खियों में आए। प्रशासनिक पाबंदियों के बावजूद जीतू पटवारी ने राहुल गांधी को खुद बाइक पर बिठाकर यात्रा कराई। मंदसौर में पीड़ित किसान परिवारों से राहुल गांधी को मिलवाने जीतू पटवारी बाइक चलाकर ले गए। मध्य प्रदेश पुलिस को चकमा देने में कामयाब रहे पटवारी और राहुल गांधी की बाइक वाली तस्वीर पर आज भी चर्चा होती है। फायरब्रांड युवा नेता की छवि रखने वाले जीतू पटवारी राहुल गांधी के साथ एक समय बाइक पर सवार होकर ट्रैवल करते देखे गए थे। इस कदर कांग्रेस आलाकमान के नजदीक होना भी उनके स्टार कांग्रेस नेता होने की तस्दीक करता है। कांग्रेस को जब 2018 के मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में सफलता मिली तो जीतू पटवारी कमलनाथ की कैबिनेट में मंत्री बनाए गए और उनका राजनीतिक कद बड़ा होता गया। हालांकि, छह साल में सियासी तस्वीर बदली, कांग्रेस के सितारे गर्दिश में चले गए। अब निर्वाचन आयोग के आधिकारिक आंकड़ों का इंतजार किया जा रहा है।

विधानसभा चुनाव के रुझानों के बीच कांग्रेस ने बुलाई बैठक, छह दिसंबर को दिल्ली में जुटेगा 'भारत'

- अब अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव से पहले इंडिया गठबंधन की इस बैठक में सीटों के बंटवारे पर चर्चा होने की संभावना है। मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में चुनाव के नतीजे भाजपा के पक्ष में आए हैं।

एनटीवी, नई दिल्ली

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने इंडिया गंठबंधन पार्टियों की बैठक दिल्ली में बुलाई है। पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव के बाद कांग्रेस ने छह दिसंबर को इंडिया गठबंधन की बैठक बुलाई है। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे दिल्ली में इंडिया गंठबंधन पार्टियों से मुलाकात करेंगे। पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव के नतीजों में मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में पिछड़ने के बाद कांग्रेस ने चुनावी नतीजे के दिन ही बैठक की घोषणा की है।, हालांकि, मल्लिकार्जुन खरगे ने पहले ही स्पष्ट किया था कि पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद इंडिया गठबंधन की मीटिंग बुलाई जाएगी। अब अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव से पहले इंडिया गठबंधन की इस बैठक में सीटों के बंटवारे पर चर्चा होने की संभावना है।

मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में चुनाव के नतीजे भाजपा के पक्ष में आए हैं। वहीं तेलंगाना में पहली बार कांग्रेस सत्ता में आते हुए दिख रही है। बता दें कि इंडिया गठबंधन की पहली बैठक पटना में आयोजित की गई थी। वहीं दूसरी बैठक बंगलूरू में और तीसरी बैठक मुंबई में, जबकि खरगे ने चौथी बैठक दिल्ली में बुलाई थी। इंडिया गठबंधन में ये पार्टियां शामिल विपक्षी गठबंधन में कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, द्रमुक, आप, जदयू, राजद, झामुमो, राकांपा (शरद पवार), शिवसेना (यूबीटी), सपा, नेशनल कॉन्फ्रेंस, पीडीपी, माकपा, भाकपा, रालोद, एमडीएमके, कोंगुनाडु मक्कल देसिया काची (केएमडीके), वीसीके, आरएसपी, भाकपा-माले (लिबरेशन), फॉरवर्ड ब्लॉक, आईयूएमएल, केरल कांग्रेस (जोसेफ), केरल कांग्रेस (मणि), अपना दल (कमेरावाड़ी) और मणिथनेया मक्कल काची (एमएमके) शामिल हैं।

संक्षिप्त खबरें

अजित पवार ने बारामती से लोकसभा चुनाव लड़ने का किया एलान, सुप्रिया सुले ने स्वीकार की चुनौती

एनसीपी (अजित गुट) के सूत्रों का कहना है कि बारामती से भाजपा-शिवसेना-एनसीपी (अजित गुट) गठबंधन की तरफ से अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार या पुत्र पार्थ पवार चुनाव लड़ सकते हैं।

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) में दो फाड़ होने के बाद दोनों ही गुटों ने पुणे की बारामती लोकसभा सीट पर उम्मीदवार उतारने का दावा किया है। इससे एनसीपी के गढ़ में ही पवार परिवार के आपस में टकराने की संभावना बनी है। पवार के भतीजे और एनसीपी (अजित गुट) के नेता उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने बारामती से चुनाव लड़ने का एलान किया है। वहीं, शरद पवार की बेटी तीन बार से सांसद सुप्रिया सुले ने शनिवार को कहा कि उन्हें चुनौती स्वीकार है। बारामती पूर्व केंद्रीय मंत्री शरद पवार का गढ़ माना जाता है, लेकिन बीते कुछ वर्षों से इस क्षेत्र में उनके भतीजे अजित पवार का वर्चस्व बढ़ा है। हाल में संपन्न हुए ग्राम पंचायत चुनाव में भी अजित पवार गुट ने एनसीपी (शरद गुट) को भारी शिकस्त दी है। अब अजित पवार ने आगामी लोकसभा चुनाव में बारामती से प्रत्याशी उतारने की घोषणा कर अपने चाचा शरद पवार की मुश्किलें बढ़ा दी है। एनसीपी (अजित गुट) के सूत्रों का कहना है कि बारामती से भाजपा-शिवसेना-एनसीपी (अजित गुट) गठबंधन की तरफ से अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार या पुत्र पार्थ पवार चुनाव लड़ सकते हैं। एनसीपी (अजित गुट) की कर्जत में हुई पार्टी के चिंतन शिविर में अजित पवार ने चार सीटों पर चुनाव लड़ने की घोषणा की है, जिसमें बारामती, शिरूर, रायगढ और सतारा शामिल हैं। इसके अलावा उन्होंने शिवसेना (यूबीटी) की कई सीटों पर उम्मीदवार उतारने की संकेत दिया है। बारामती में उनकी चचेरी बहन सुप्रिया सुले तीन बार से सासंद है, जबकि शिरूर से अमोल कोल्हे और सतारा से श्रीनिवास पाटिल सांसद हैं। एनसीपी के तीनों लोकसभा सदस्य शरद पवार के खेमे में हैं। वहीं, रायगढ़ से एनसीपी के सांसद सुनील तटकरे एनसीपी (अजित गुट) के प्रदेश अध्यक्ष हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- अपराध से एक मिनट पहले भी बनाया जा सकता है साझा इरादा, पढ़ें पूरी खबर

एनटीवी, नई दिल्ली

वाराणसी के रामनगर थाने में 1982 में हुई वारदात में बलराम और उसका भाई रामकिशोर एक ढाबे की ओर जा रहे थे। तभी उनका सामना लाठियों और रॉड से लैस चार लोगों से हुआ। अपीलकर्ता और तीन सहआरोपियों ने रामकिशोर पर हमला किया, जिससे उसे घातक चोटें आईं। वाराणसी के रामनगर थाने में 1982 में दर्ज मामले की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने माना कि समान इरादा (आईपीसी की धारा 34) मनोवैज्ञानिक तथ्य है। यह अपराध होने से एक मिनट पहले या उसके घटित होने के दौरान भी बनाया जा सकता है। इस टिप्पणी के साथ जस्टिस अभय एस ओका और जस्टिस पंकज मित्थल की पीठ ने उस अपील को खारिज कर दिया, जिसमें यह मुद्दा उठाया गया था कि क्या अपीलकर्ता रामनरेश का अन्य सह अभियुक्तों के साथ हत्या का साझा इरादा था। अदालत ने कहा कि अपीलकर्ता को आईपीसी की धारा 34 लागू करके हत्या का सहदोषी ठहराया गया था। उसके कृत्यों से हत्या करने का साझा इरादा दिखता था। वाराणसी के रामनगर थाने में 1982 में हुई वारदात में बलराम और उसका भाई रामकिशोर एक ढाबे की ओर जा रहे थे। तभी उनका सामना लाठियों और रॉड से लैस चार लोगों से हुआ। अपीलकर्ता और तीन सहआरोपियों ने रामकिशोर पर हमला किया, जिससे उसे घातक चोटें आईं। बाद में उसकी मौत हो गई। ट्रायल कोर्ट ने रामनरेश को आईपीसी की धारा 34 के साथ धारा 302 (हत्या) का दोषी ठहराया। हाईकोर्ट ने भी सजा की पुष्टि की। पूर्व नियोजित साजिश की आवश्यकता नहीं कोर्ट ने कहा कि आईपीसी की धारा 34 में कहा गया है कि कई व्यक्ति साझा इरादे से अपराध करते हैं तो प्रत्येक पूरे अपराध के लिए जिम्मेदार है, जैसे कि उन्होंने इसे अकेले किया हो। आरोपी की अपराध में भागीदारी साबित हो जाती है और समान इरादा भी साबित हो जाता है तो आईपीसी की धारा 34 लागू होती है। धारा 34 के लिए पूर्व नियोजित साजिश की आवश्यकता नहीं है। मामले में एक गवाह ने कहा था कि सभी ने मिलकर रामकिशोर को घेर लिया और हमला किया।

दुष्यंत गौतम बोले- गांधी परिवार सबसे बड़ी 'पनौती', राहुल के कारण हर जगह हार रही कांग्रेस

एनटीवी, नई दिल्ली

भाजपा महासचिव दुष्यंत गौतम ने अमर उजाला से विशेष बातचीत करते हुए कहा कि विधानसभा चुनाव में भाजपा को अभूतपूर्व सफलता मिल रही है। इस सफलता का सबसे बड़ा कारण उनके राष्ट्रीय नेतृत्व का जनता की सेवा को समर्पित रहने की सोच और प्रधानमंत्री मोदी का करिश्माई व्यक्तित्व है चार विधानसभा राज्यों के चुनाव परिणाम धीरे-धीरे सामने आ रहे हैं। मध्यप्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में भाजपा पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने की ओर तेजी से आगे बढ़ती हुई दिखाई दे रही है। अब तक के चुनाव परिणाम पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव दुष्यंत गौतम ने कहा कि गांधी परिवार कांग्रेस के लिए सबसे बड़ी 'पनौती' साबित हो रहा है। राहुल गांधी के कारण हर जगह कांग्रेस को हार का सामना करना पड़ रहा है। भाजपा नेता की यह प्रतिक्रिया उस संदर्भ में थी, जिसमें राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री मोदी को कथित तौर पर 'पनौती' बताते हुए उन पर हमला बोला था। भाजपा महासचिव दुष्यंत गौतम ने अमर उजाला से विशेष बातचीत करते हुए कहा कि विधानसभा चुनाव में भाजपा को अभूतपूर्व सफलता मिल रही है। इस सफलता का सबसे बड़ा कारण उनके राष्ट्रीय नेतृत्व का जनता की सेवा को समर्पित रहने की सोच और प्रधानमंत्री मोदी का करिश्माई व्यक्तित्व है। उन्होंने कहा कि गांधी परिवार ने जानबूझकर प्रधानमंत्री को अपशब्द कहा, लेकिन इसके बाद भी भाजपा तेजी से आगे बढ़ रही है। इससे यह साबित होता है कि जनता ने प्रधानमंत्री पर दिए गए अभद्र बयान पर बेहद कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। कांग्रेस को इससे सीख लेनी चाहिए और राजनीति में अभद्र बयानबाजी बंद करनी चाहिए। 'विपक्ष इन चुनावों में जातिगत जनगणना के मुद्दे को जोर-शोर से उठा रहा था। लेकिन इसके बाद भी भाजपा बढ़त बनाती हुई दिखाई पड़ रही है। इसका कारण क्या हो सकता है?' अमर उजाला के इस प्रश्न पर भाजपा नेता दुष्यंत गौतम ने कहा कि देश की जनता जोड़ने की राजनीति पर विश्वास करती है। लेकिन कांग्रेस और राहुल गांधी देश को तोड़ने की राजनीति कर रहे हैं। यही कारण है कि जनता ने कांग्रेस की सोच को अस्वीकार कर दिया। उन्होंने कहा कि भाजपा मध्यप्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में पूर्ण बहुमत की सरकार बनाएगी। वे इसके प्रति पूर्ण आश्वस्त हैं। दलित समुदाय के बड़े नेता दुष्यंत गौतम ने कहा कि पिछड़ी और दलित जातियों ने 70 सालों में यह देख लिया है कि जातिगत राजनीति के नाम पर उन्हें केवल बलि का बकरा बनाया जाता है। जो लोग जातियों की राजनीति करते हैं, सत्ता पाने पर वे केवल अपना लाभ करते हैं, जबकि पिछले 10 सालों में प्रधानमंत्री मोदी जी ने कल्याणकारी योजनाओं के सहारे जातिगत राजनीति को ध्वस्त कर दिया और हर जाति, हर वर्ग के गरीबों का कल्याण किया। यही कारण है कि जनता आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भरोसा कर रही है और विपक्ष को हर का सामना करना पड़ रहा है।

तमिलनाडु और पुडुचेरी में 3 से 6 दिसंबर तक भारी बारिश के आसार, ऑरेंज अलर्ट जारी

- चक्रवात मिचौंग चेन्नई को छोड़कर नेलोर और मछलीपट्टनम में मंगलवार को 100 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से भारी तूफान के साथ दस्तक दे सकती है।

एनटीवी, नई दिल्ली

दक्षिणी रेलवे ने तमिलनाडु में तीन से छह दिसंबर तक 118 ट्रेनों को रद्द कर दिया है। मौसम विभाग के अधिकारी के अनुसार तीन से चार दिसंबर तक तमिलनाडु और पुडुचेरी में भारी बारिश होने की संभावना है। भारत मौसम विभाग के अनुसार बंगाल की खाड़ी और दक्षिण अंडमान सागर में बन रहे चक्रवात मिचौंग तूफान को लेकर बड़ी जानकारी दी है। उन्होंने इस तूफान के मजबूत होने की जानकारी देते हुए रेड अलर्ट जारी किया है। चक्रवात मिचौंग चेन्नई को छोड़कर नेलोर और मछलीपट्टनम में मंगलवार को 100 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से भारी तूफान के साथ दस्तक दे सकती है। अगले 24 घंटों में दक्षिण पश्चिम बंगाल की खाड़ी के ऊपर चक्रवाती तूफान पश्चिमी-मध्य बंगाल की खाड़ी से होते हुए आंध्र प्रदेश और उत्तरी तमिलनाडु के तट पर पहुंने की संभावना है। अलर्ट जारी होने के बाद पुडुचेरी सरकार ने पुडुचेरी, करईकल और यनम मेंकॉलेजों में छुट्टी की घोषणा कर दी है। इसी के साथ अन्य राज्यों को अपनी टीमों के साथ तैयार रहने की चेतावनी भी दी गई है। दक्षिणी रेलवे ने तमिलनाडु में तीन से छह दिसंबर तक 118 ट्रेनों को रद्द कर दिया है। मौसम विभाग के अधिकारी के अनुसार तीन से चार दिसंबर तक तमिलनाडु और पुडुचेरी में भारी बारिश होने की संभावना है। तटीय आंध्र प्रदेश और ओडिशा में छह दिसंबर तक भारी बारिश होने के आसार हैं। मौसम विभाग के अधिकारी ने मछुआरों को चार दिसंबर तक दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी, उत्तरी तमिलनाडु और तटीय पुडुचेरी क्षेत्र से दूर रहने को कहा गया है। इसी के साथ आंध्र प्रदेश और उत्तरी तमिलनाडु में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

कांग्रेस की बढ़त के बीच हैदराबाद में ताज कृष्णा के बाहर दिखी लग्जरी बसें, कांग्रेस नेता ये बोले

एनटीवी, नई दिल्ली

तेलंगाना के चुनावी नतीजों के बीच हैदराबाद के ताज कृष्णा के बाहर कई लग्जरी बसें देखी गई। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमिटी के उपाध्यक्ष किरण कुमार चामला ने कहा कि केसीआर किस तरीके से काम करते हैं यह सबको पता है। गलत तरीके से लोगों को लुभाना उनका प्रमुख एजेंडा है। इसलिए आज के नतीजों को देखते हुए हमने भी कुछ कदम उठाए हैं। चामला ने कहा कि आज के रुझानों और नतीजों को देखते हुए अब ऐसे किसी क्रियाकलाप की जरूरत नहीं है। कांग्रेस कम से कम 80 सीटें जीतेगी। सब कुछ ठीक है। हम आज बहुत खुश हैं। दूसरी ओर, तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष रेवंत रेड्डी ने कहा कि तेलंगाना के शहीदों की उम्मीदों को पूरा करने का समय आ गया है। तेलंगाना में बीआरएस से सत्ता छीनने की दौड़ में आगे निकलने के बाद ए. रेवंत रेड्डी ने रविवार को कहा कि शहीदों और राज्य के चार करोड़ लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने का समय आ गया है।

टीपीसीसी अध्यक्ष ने श्रीकांत चारी को श्रद्धांजलि अर्पित की, जिन्होंने तेलंगाना को राज्य का दर्जा देने की मांग करते हुए आत्मदाह कर ली थी। नलगोंडा जिले के फामाकौलॉजी के छात्र चारी ने 3 दिसंबर, 2009 को जलने के कारण दम तोड़ दिया था।

कितना चला बीजेपी का 'सांसदों' वाला दांव? एमपी-छत्तीसगढ़ और राजस्थान में पार्टी ने ऐसे साधा समीकरण

- मध्य प्रदेश की 230 सदस्यीय विधानसभा में भाजपा 140 से ज्यादा सीट पर बढ़त के साथ सत्ता की ओर बढ़ती दिख रही है

एनटीवी, नई दिल्ली

अब तक रुझानों को देखें तो भाजपा की 'सांसदों' वाली रणनीति कारगर साबित होती दिख रही है। दरअसल, भाजपा ने इन राज्यों के विधानसभा चुनाव में कई सांसदों को चुनावी मैदान में उतारा था। पार्टी ने मध्य प्रदेश और राजस्थान में सात-सात और छत्तीसगढ़ में चार मौजूदा सांसदों को टिकट दिया था। आइए जानते हैं भाजपा की यह रणनीति कितनी कारगर साबित हुई चार राज्यों के विधानसभा चुनावों की मतगणना जारी है। अब तक रुझानों के मुताबिक, मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) जबकि तेलंगाना में कांग्रेस आगे चल रही है। मध्य प्रदेश की 230 सदस्यीय विधानसभा में भाजपा 140 से ज्यादा सीट पर बढ़त के साथ सत्ता की ओर बढ़ती दिख रही है, जबकि कांग्रेस 70 से ज्यादा सीट पर आगे है। भाजपा राजस्थान में सत्तारूढ़ कांग्रेस से भी काफी आगे है। यहां की जनता पिछले तीन दशक से हर चुनाव में सरकार बदलती रही है। भाजपा 100 से ज्यादा सीट पर आगे है, जबकि कांग्रेस 70 से ज्यादा सीटों पर। इसके साथ ही कांग्रेस शासित छत्तीसगढ़ में भी भाजपा 50 सीट पर और कांग्रेस 38 सीट पर आगे है। अब तक रुझानों को देखें तो भाजपा की 'सांसदों' वाली रणनीति कारगर साबित होती दिख रही है। दरअसल, भाजपा ने इन राज्यों के विधानसभा चुनाव में कई सांसदों को चुनावी मैदान में उतारा था। पार्टी ने मध्य प्रदेश और राजस्थान में सात-सात और छत्तीसगढ़ में चार मौजूदा सांसदों को टिकट दिया था। आइए जानते हैं भाजपा की यह रणनीति कितनी कारगर साबित हुई

प्रह्लाद जोशी बोले- सरकार हर मुद्दे पर चर्चा को तैयार

- सत्र के एजेंडे पर विचार के लिए सरकार की तरफ से शनिवार को बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में विपक्ष ने महंगाई, बेरोजगारी, चीनी घुसपैठ, केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग व मणिपुर हिंसा का मुद्दा उठाया।

एनटीवी, नई दिल्ली

4 दिसंबर से 22 दिसंबर तक चलने वाले शीतकालीन सत्र में सदन की 15 बैठकें होंगी। इस दौरान विचार के लिए 19 विधेयक पेश किए जाएंगे। विधेयकों में भारतीय न्याय संहिता विधेयक 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता विधेयक 2023 और भारतीय साक्ष्य विधायक 2023 शामिल होने की संभावना है। संसद के शीतकालीन सत्र के बेहद हंगामेदार होने की आशंका है। पैसे लेकर सवाल पूछने के मामले में घिरीं तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की सांसद महुआ मोइत्रा पर सोमवार को सत्र के पहले दिन ही फैसला हो सकता है। इस मामले की जांच करने वाली संसदीय समिति की रिपोर्ट सत्र के पहले ही दिन सदन में रखी जाएगी। मीडिया में आई खबरों के मुताबिक समिति ने मोइत्रा को निष्कासित करने की सिफारिश की है। सत्र के एजेंडे पर विचार के लिए सरकार की तरफ से शनिवार को बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में विपक्ष ने महंगाई, बेरोजगारी, चीनी घुसपैठ, केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग व मणिपुर हिंसा का मुद्दा उठाया। सरकार ने कहा कि वह सभी सार्थक मुद्दों पर चर्चा को तैयार है, लेकिन विपक्ष को सदन में स्वस्थ माहौल बनाना होगा। रचनात्मक बहस होनी चाहिए सर्वदलीय बैठक के बाद संसदीय कार्यमंत्री प्रह्लाद जोशी ने मीडिया से कहा, विपक्ष ने अल्पावधि, ध्यानाकर्षण और शून्यकाल की मांग की है। हम दोनों सदनों में लगभग नियमित रूप से शून्यकाल आयोजित करते हैं। अल्पावधि चर्चा भी होती है। उन्होंने कहा, यह 17वीं लोकसभा का आखिरी सत्र है। इसलिए रचनात्मक बहस होनी चाहिए। हम चाहते हैं कि सदन सुचारु ढंग से चले ताकि सरकार पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पांच साल के विकास कार्यों को सदन में रख सके। महुआ के सवाल पर जोशी ने कहा, इस पर फैसला स्पीकर करेंगे। नैतिकता पर अब तक जो मिसाल अपनाई गई है, उसका पालन होगा। 4 से 22 दिसंबर तक 15 बैठकें, 19 विधेयक 4 दिसंबर से 22 दिसंबर तक चलने वाले शीतकालीन सत्र में सदन की 15 बैठकें होंगी।

इस दौरान विचार के लिए 19 विधेयक पेश किए जाएंगे। विधेयकों में भारतीय न्याय संहिता विधेयक 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता विधेयक 2023 और भारतीय साक्ष्य विधायक 2023 शामिल होने की संभावना है। मुख्य चुनाव आयुक्त व चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति के अलावा तीन विधेयक गृह मंत्रालय से संबंधित हैं।

के ंद्रीय विश्वविद्यालयों, सांविधानिक व्यवस्था पर भी एक विधेयक है। पुडुचेरी और जम्मू-कश्मीर में महिला आरक्षण कानून के प्रावधानों का विस्तार करने के लिए दो विधेयक सूचीबद्ध हैं। सर्वदलीय बैठक में 23 दलों के 30 नेता जोशी ने बताया कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में संसद के पुस्तकालय भवन में हुई सर्वदलीय बैठक में पक्ष व विपक्ष के 23 दलों के 30 नेता शामिल हुए। इनमें केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, पीयूष गोयल, कांग्रेस सांसद जयराम रमेश, प्रमोद तिवारी, गौरव गोगोई, राष्ट्रवादी कांग्रेस की फौजिया खान, आरएसपी नेता रामचंद्रन, झारखंड मुक्ति मोर्चा की महुआ माजी शामिल थीं। मोइत्रा मामले में अधीर रंजन ने स्पीकर को लिखा पत्र सांसद महुआ के समर्थन में कांग्रेस सांसद अधीर रंजन चौधरी ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र लिख कहा, सांसद को निष्कासित करना एक कड़ी कार्रवाई है। समिति की कार्रवाई की समीक्षा होनी चाहिए। मोइत्रा के खिलाफ भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने शिकायत की थी।

टैंपल स ऑफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर एलाइड ट्रस्ट

रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन 60 विद रजिस्ट्रेशन नंबर (152/02-03-2020), एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर उद्यम- डील- 0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन नंबर वीओ/एनजीओ/0303274/25-01-2022 दर्पण रजिस्टर्ड

कार्यालय : 3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए-4 पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली 110063, कॉरपोरेट, कार्यालय : 529, समयपुर, मेंन बवाना रोड़, नियर बैक ऑफ बडौदा दिल्ली110042